Haryana Vidhan Sabha

Debates

18th February, 1970

Vol.I.-No. 4

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Wednesday, the 18th February, 1970

	Page
Starred Questions and Answers	(4)1
Written Answers to Starred Questions laid on the Table under Rule 45	(4)25
Unstarred Questions and Answers	(4)53
Call attention Notices	(4) 65
Personal Explanation by Ch. Surjit Singh	(4)67
Resumption of Discussion on the Governor's Address	(4)67
Extension of Time	(4)86
Resumption of Discussion on the Governor's Address	(4)87
Walk- out	(4)108
Extension of Time	(4)117
Resumption of Discussion on the Governor's Address	(4)117-119

HARYANA VIDHAN SABHA

Wednesday, the 18th February] 1970

The vidhan sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabba, Vidhan Bhavan Sector 1, Chandigarth, at 2.00 P.M. of the Clock. Mr. Speaker (Brig. Ram Singh) in the chair

STARRED QUESTION AND ANSWERS

Supply of Boring Machines

***414. Major Amir Singh Ch.:** Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that Government has supplied new boring machines to Mohindergarth District and the same are lying idle for months for want of operators;

(b) If the reply to part (a) above be in the affirmative, the steps proposed to be taken to bring these machines into operation;

(c) whether it is also a fact that in the Agriculture Department the entire technical work connected with Irrigation is handled by non-technical hands; and

(d) if the reply to part (c) above be in the negative the technical qualifications of various persons who handle boring and water use schemes?

Agriculture and Labour Minister (Ch. Ran Singh): (a) Government have supplied new light percussion rigs to

Mohindergarth district for boring work. These rigs are not lying idle as they have been commissioned from February, 1969.

(b) Question does not arise.

(c) No. Technical work is being handled by the persons who are both qualified and experienced in the line.

(d) Information about the technical qualifications and experience of persons who are working on boring and water use schemes of the Agriculture Department is contained in the Annexure attached here with.

Mentioned below are the names qualifications and experience of persons, who are working on the scheme for boring of tube-wells, etc:-

Sr. No.	Name	Designation	Qualifications
1.	Sh. V.P.S Kashyap	Agricultural Engineer, Haryana	(a) B.Sc. agricultural Engineer
			(b) Training in the manufacture of implements in Japan
2	Sh. T.K. Basu	Assistant Agricultural	B.Sc. Agricultural

		Engineer	Engineering
3	Sh. Baljit Singh	Well Supervisor Hisar	3 Year's diploma course in Civil Engineering and 10 year's experience
4	Sh. Fateh Singh	Well Supervisor Narnaul	3 year's Diploma holder in Mechanical Engineering
5	Sh. Vacant	Well Supervisor Grugaon	Steps are being taken to fill up the post
6	Sh. Sham Lal Gupta	Well supervisor Rohtak	3 year's Diploma holder in Mechanical Engineering
7	Sh. K.L. Khurana	Well Supervisor Karnal	3 year's Diploma holder in Mechanical Engineering
8	Sh. Sushil Kumar	well Super visor Sirsa	3 year's Diploma in Civil Engineering
9	Sh. Inder Singh	Well supervisor	20 year's experience in

		Ambala	boring operations

2. Similarly the qualifications and experience of persons working on the schemes for water Use and efficient Water Management are as under:-

Sr. No	Name	Designation	Qualifications
1	Sh. Amin Chand Sharma	Joint Director of Agriculture (Soil Conservation) cum-project officer Haryana	(a) B.Sc. (Agri.) Chemistry, Ms
			(b) Nine months' training in Soil and Water Conservation Dehradun
			(C) Higher Training in water-shed management (Irrigation and Drainage) in U.S.A. for six month
2	Sh. Bhimsen Gulati	Divisional Soil Conservation officer Gurgaon	(a) B.Sc. (Agri.) Botany, M.Sc. (Agronomy)

			(b) Five moths' training in Soil and Water conservation at Dehradun
			(c) Six months' training in Soil and water Conservation in U.S.A
3	Sh. Dev Raj Dhingra	Divisional Soil Conservation Officer , Karnal	(a) B.Sc.(Agri.) Chemistry and M.Sc. (Hons) Chemistry, M.Sc.(Agri.) Chemistry
			(b) 5½ months training in Soil and Water Conservation at Dehardun
4	Sh. Sat Paul Bansal	Assistant Soil Conservation Officer Kurukshetra	(a) B.Sc. (Chemistry), M.Sc (Soils)
			(b) Trained in Soil and water conservation
5	Sh. S.K. Sidhwani	Assistant Soil Conservation Officer Yamunanagar (On leave)	(a) B.Sc. (Agri) Botany
			(b) Trained in Soil and Water Conservation

6	Sh. Arjan Singh	Assistant Soil Conservation Officer Narnaul	(a) B.Sc. (Agri), Chemistry
			(b) M.Sc. (Agri)' Agronomy
			(c) Trained in Soil and Water Conservation
7	Sh S.D. Jaiswal	Assistant Soil Conservation Officer Rohtak	(a) Diploma in Civil Engineering
			(b) Trainedd in Soil and water Conservation
8	Sh. Balbir Singh Rathi	Assistant Soil Conservation Officer Hisar	(a) B.Sc. (Agri), Botany
			(b) Trained Soil and Water Conservation
9	Sh. Ravinder Nath Sharma	Assistant Soil Conservation Officer Gurgaon	(a) B.Sc. (Agri), Horticulture
			(b) Trained in Soil and water Conservation
10	Sh Prem Singh	Assistant Soil	(a) B.Sc. (Agri.) Botany

	Sangwan	Conservation Officer Karnal	
			(B) Trained in Soil and Water Conservation

मेजर अमीर सिंह चौधरी: क्या मिनिस्टर साहब महोदय यह बतायेंगें कि मशीनें आइडल नहीं हैं तो यह कब आयीं और किस वक्त औपरेशन शुरू किया गया ?

चौधरी चरण सिंह: महेन्द्रगढ़ जिले में 3 नई मशीनें 18 दिसम्बर, 1966 को भेज दी गई थी। उन में से एक मशीन ने 7 जनवरी , 1969 को काम शुरू किया। दूसरी ने 4 फरवरी , 1969 को और तीसरी ने 17 फरवरी , 1969 को काम शुरू किया।

मेजर अमीर सिंह: क्या मिनिस्टर महोदय बता सकेंगें कि यह मशीनें दो महीने आइडल पड़ी रहीं तो इस टाइम के अन्दर आइडल पड़ी रहने के क्या कारण थे ?

चौधरी रण सिंह : सर, दो महीने के अन्दर तो आइडल नहीं पड़ रही हैं। इन डेट्स के मुताबिक तो एक मशीन कोई 20 दिन के करीब, एक मशीन कोई एक महीने के लियें और तीसरी कोई 1½ महीने पड़ी रहीं क्योंकि आदमियों को जिन्होनें काम करना था उनको ट्रनिग देनी थी।

मेजर अमी सिंह चौधरीः क्या मिनिस्टर महोदय बतायेंगें कि इन मशीनों ने आज तक कितनी बोरिंग की ?

चौधरी रण सिंहः टोटल नम्बर कितनी बोरिंग की, यह इन्फर्मेशन तो इस वक्त मेरें पास नहीं हैं। अलबत्ता यह बता सकता हूं कि तीनों में से एक मशीन दूर्धा, एक बरेलीजावां और एक फटीकरां में चल रही हैं।

मेजर अमी सिंह चौधरीः स्पीकर साहब आपकी तवज्जुह इस तरफ दिलाना चाहूंगा कि कब तक मुझे यह पता नहीं चल सकेगा कि कितनी नम्बर आफ बोरिंग हुई हैं ?

चौधरी रण सिंहः यह सूचना इकट्ठी करके दे देंगे कि कितनी बोरिंग हुई है। इस के अलावा यदि आप सैप्रेट नोटिस दें तो मैं उत्तर दे सकूंगा। या मेजर साहब को, जब भी वे मेरे आफिस में आयें, उन को बता दूंगा।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः नोटिस का तो क्वैश्चन एराइज नहीं होता। यह इन्फरमेंशन होनी चाहिए थी क्योंकि यह मशीनें आइडल पड़ी रहीं।

श्री अध्यक्षः उन्होंनें फरमाया हैं कि वह दो चार रोज में सूचना आप को दे देंगे।

मेजर अमीर चौधरी: अगर मिनिस्टर साहब महोदय, को इतमिनान हो जाये कि यह मशीनें आइडल पड़ी रही तों क्या वे एक्शन लेंगें ?

चौधरी रण सिंह: अगर यह खामखाह आइडल रही हैं तो हम उन के खिलाफ जरूर एक्शन लेंगें जो इसके जिम्मेदार होंगें।

Area under total and partial irrigation

***561. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the total area oa land in the State which is at present:

(i)under total irrigation;

(ii)under partial irrigation ; and

(iii)barren or kallar;

(b) whether any criterion has been fixed for classifying the land as under total irrigation or partial irrigation, if so, details there of;

(c) whether there is any plan under consideration of the Government to make the barren of kallar land usefull for cultivation and

(d) dwhether it is a fact that large areas of land between Panipat and Israna (Road to Gohana) are Kallar?

*the questions was put by sh. Bansi Dass Gupta M.L.A. on behalf of Shrimati Chandravati M.L.A.

Irrigation and power Minister (Sh. K.L. Poswal): (a) (i) 58288 acres of culturable commanded area is covered under irrigation schemes of canals and Government tubewells.

(ii) Nil

(iii) Over 10 lac acres- Position changes from year to year.

(iv)Question does not as there is no partial (non-perennial) irrigation.

(c) Yes

(d) Yes

श्री मंगल सैनः मन्त्री महोदय ने बताया हैं कि पानीपत और इसराना के बीच में कलर भूमि पड़ी हैं। तो क्या मन्त्री महोदय यह बतायेंगे कि उस कलर भूमि को ठीक करने की कोई प्लान या प्रोग्राम या स्कीम हरियाणा गवर्नमैंट के पास हैं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः जैसा मैंने पार्ट ''महोदय'' में बताया हैं, इस की प्लान हैं।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बतायेंगें कि इस एरिया के लिये जो स्कीम हैं, वह किस स्टेज पर है ?

कृषि तथा श्रम मंत्री (चौधरी रण सिंह): सर, इस का मुकम्मल सर्वे हो चुका हैं और इस दफा चौथी फाइव इयर प्लान में हम ने कोई 60 लाख रूपया इस के लिये रखा हैं। इस सत्र में 1970–71 के बजट में कोई 10 लाख रूपये के करीब इस पर खर्च करेंगें।

श्री बनारसी दास गुप्ता: क्या सिंचाई मन्त्री यह बतालाने का कष्ट करेगें कि जैसे उन्होंनें अभी बतलाया कि इतने रूपये का प्रोवीजर किया गया हैं, उस सिंचाई योजना का क्या रूप होगा ? वह सिंचाई ट्यूबवैल लगाकर करेंगे या नहरें निकालकर करेंगे ?

श्री के0 एल0 पोसवाल: वह तो कलर जमीन हैं। उस को हम किस तरह से ठीक करेंगे, यह डिकलेरेशन का मामला हैं इसलिये अभी नहीं बताया जा सकता है।

श्री फतेह चन्द विज: क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि चौथी प्लान में जो रूपया रखा गया हैं यह कब तक खर्च होना शुरू हो जायेगा और कब तक खत्म करेंगे ?

श्री के0 एल0 पोसवाल: जनाब, 10 लाख रूपये तो मार्च, 1970 से लेकर मार्च, 1971 तक खर्च करना हैं। जैसे पहले बताया, यह रूपया इस दौरान खर्च हो जायेगा।

श्री दया कृष्ण: क्या वजीर साहब यह बताने की कृपा करेंगे कि यह जो लाख एकड़ जमीन पड़ी बंजर पड़ी हैं, किस्म अरसे तक इसे काबिले–काश्त करवा देंगे ?

श्री के0 एल0 पोसवालः सर, यह डैफीनिट तो नही कहा जा सकता लेकिन हम कोशिश कर रहे हैं कि 5–6 साल में काफी जमीन ठीक कर सकें।

श्री दया कृष्णः क्या इसके मुताबिक इन्होंनें कोई प्लान बनाया हैं कि एक साल के अन्दर हम इतनी एकड़ जमीन को काबिले–काश्त बनायेंगे और अगर बनाया हैं तो वह प्लान क्या हैं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः पहले हमारा एक भ्रम था कि कोई 20 हजार एकड़ के करीब भूमि ठीक होनी थी । अब एक और भ्रम बनता जा रहा है, अभी दो महीने के अन्दर ही मौका देखेंगे कि कहां बनायें क्योंकि हम ऐसा करते हैं कि गवर्नमैंट जमीन एक्वायर करके लोगों के अन्दर बांट देती हैं। लेकिन मैं यह तो नही कह सकता 2 साल में कितनी जमीन काबिल काश्त हो जायेगी।

चौधरी चांद रामः उनका मतलब यह था कि क्या कोई प्लान बनायी हैं कि 5–10 साल में हम इतना काम करेंगे ?

श्री के0 एल0 पोसवालः सरष् यह तो डिपैन्ड करता है कि हम को कितना पानी मिलता हैं इसके लिए बहुत पानी चाहिये।

चौधरी नारायण सिंहः क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि यह जो भूमि 58,54,288 एकड़ हैं। क्या कामांडिड एरिया हैं जैसा कि यह बताते हैं या नहीं हैं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः यह कमांडिड एरिया हैं।

चौधरी नारायण सिंहः क्या डिस्ट्रिक्ट वाईज ब्रेकअप मन्त्री महोदय बता सकेगें ?

श्री के0 एल0 पोसवालः इस की मांग तो इन्होंनें नहीं की थी। बाकी सूचना मेरे पास हैं। वह तो अगर नोटिस देंगे तो मैं बता सकूंगा।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः क्या मन्त्री महोदय यह बता सकेंगें कि अगर कोई खास गांव फार्म बनाने के लिये विचारधीन नहीं हैं तो क्या वह मुडलाना जो गांव पानीपत–रोहतक सड़क पर हैं उसको फार्म बनाने के लिये निगाह में रखेंगे ?

श्री के0 एल0 पोसवालः जी हां, जरूर रखेंगे ?

सूबेदार प्रभु सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि जैसे उन्होंने बताया कि कलर जमीन ठीक करने के बाद लोगों में बाटं देंगे, क्या वह मुफ्त में दी जाती हैं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः मुफ्त में नहीं, आप मुफ्त में समझ सकेंगे। रैवेन्यू अथारिटी से कन्सलट करके बांटेंगे।

Expending on the maintenance of Railway Bridge between Yamunanagar and Saharnpur

***574 Dr. Malik Chand Gambhir:** Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state whether any contribution is being made by the Haryana Government as its share for the maintenance of the Railway bridge between Yamunanagar and Sharanpur; if so, details thereof ?

Minister for Agricuture adn Labour (Chandhri Ran Singh): No contribution is being made by Haryana Government.

डा0 मलिक चन्द गंभीरः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह जो दरिया गुजरते हैं इन में हरियाणा का कितना हिस्सा हैं ? (व्यवधान).....

चौधरी रण सिंहः दरिया में हरियाणे के हिस्से का क्या मतलब हैं, स्पीकर साहब, इनका सवाल मेरी समझ में नहीं आया।

श्री मंगल सैनः उन्होंनें यह पूछा था कि दरिया जमुना के साथ–साथ हरियाणा के कौन से इलाके लगते हैं तथा कितने हरियाणा में से गुजरते हैं जोकि हरियाणा और यू0 पी0 की हद को काटते हो ? किन–किन स्टेटस की हदें हमारे साथ लगती हैं। क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगें कि यह जो पुल हैं उसको मेनटेन कौन करता हैं ?

चौधरी रण सिंहः यह रेलवे ब्रिंज हैं, इसकी रेलवे मेनटेन करती हैं । इसको मेनटेन करना गवर्नमैट आफ इंडिया का काम हैं।

डा0 मलिक चन्द गंभीरः मेरा तात्पर्य यह था कि यह दरिया जो गुजरते हैं, उनमें कुछ हमारे गांव पड़ते हैं। मेरी वह, कांस्टीच्यूएन्सी पड़ती हैं इसलिये मुझे पता हैं। वहां दरिया की जो रेत हैं उसको यू0 पी0 गवर्नमैंट ले लेती हैं और हमें रेत उठाने की इजाजत नहीं हैं.....(व्यवधान).....सारी रेत यू0 पी0 गवर्नमेट ले लेती हैं, अगर हम रेत लेते हैं तो स्पीकर साहब, उसका रेत उठाने की इजाजत क्यों नहीं हैं ? (व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): जैसे गम्भीर साहब कह रहे हैं अगर इस किस्म की कोंई बात होगी स्टेट गवर्नमैंट देखेगी और अगर इस के लिये सैट्रल गवर्नमैट गवर्नमैंट को एप्रोच करना पड़ा तो हम जरूर करेंगें और अपना हक लेने की पूरी–पूरी कोशिश करेंगे।

Mr. Speaker: Mind you, the reply has been given not as a result of the supplementary, but as a result of the request. we now go to the next question.

Nationalistion of Passenger Transport

***629 Shri Daya Krishan:** Will theMinister for Irrigation and power be pleased to state:-

(a) whether the Government has decided to nationalise total passenger transport in the State;

(b) if so, the period within which there will be total pastion of passenger transport in the State;

(c) the criteria, if any, laid for taking over the routes from the transport companies;

(d) whether the State Government has sufficient funds for the purpose;

(e) the profit, if any, expected to be made out of new under taking; and

(f) whether the Government will give all the amenities to the passenger as are at present being given by the private companies?

Irrigation and Power Minister (Sh. K.L. Poswal): The objections to several draft schemes of nationalisation are being heard be a Quasi-Judicial Authority empowered for this purpose. The matter being subjudice, it will therefore, not be appropriate to furnish the required information at this stage.

श्री दया कृष्णः क्या वजीर साहब यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या पार्ट 'ए' पार्ट 'बी' और पार्ट 'डी' सबजुडिस हैं ? क्या परिवहन को नैशनालाईज करने की सरकार की कोई इच्छा हैं ; अगर हैं तो कब तक नैशनलाईजेशन हो जाएगी और इसका मकसद के लिये कितना रूपया रखा गया हैं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः मैं अर्ज कर चुका हूं क सर यह मुकम्मल तौर से, नैशलाईज करने की सरकार की इच्छा हैं, इसके

अलावा हाई कोर्ट में भी अभी दो एक कैसिज चले हुए हैं, जिन के स्टे आर्डर नहीं हुए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब को सवाल का जवाब देने में इवेसिव तरीका नहीं अपनाना चाहिए। क्या मिनिस्टर साहब सवाल को पढ़ कर जवाब देने की तकलीफ गवारा करेंगें ? इस के 'एफ' पार्ट में लिखा हुआ हैं:.

"whether the Government will give all the amenities to the passengers as are at present being by the private companies".

स्पीकर साहब, मैं तो पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार नैशनलाईज करने के बाद, जो ट्रांस्पोर्ट कम्पनीज होगी, उन के स्टाफ को, जो सुविधाएं जो अमैनेटीज प्राइवेट बस आपरेटज देते हैं, क्या आप भी वही एमैनेटी देंगे या नहीं ?

मुख्य मंत्री (बंसी लाल): जो प्राइवेट बस–आप्रैटर्ज अपने स्टाफ को एमेनिटीज देते हैं, हम उन से ज्यादा देंगे।

Sh. Mangal Sein: The hon.Minister should tell us what we want .

Mr. Speaker: Your question was very clear.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी सबमिशन हैं कि मिनिस्टर्ज से हम ने स्पैसीफिक क्वैशचन्ज पूछे हैं, हमारे मिनिस्टर्ज को टालने की बात नहीं करनी चाहिये।

The hon.Members should not think that we are heartless or brainless persons sitting here. My friend, the hon. Minister is a double graduate is a good and seasoned parliamentarian. When a specific question has been asked, he should have replied it.

Ch. Chand Ram: The Question asked in part (a) is :

"whether the Government has decided to nationalise total passenger transport in the State." यह सबजुडिस हो ही नही सकता हैं। टोटल रूटस जो हैं, उन का फैसला किया हुआ हैं कि हमने नैशनेलाईज करने हैं। आप वह स्पैसीफिकली क्यों नहीं बता रहें ? क्या गवर्नमैंट ने टोटल रूट्स नैशनेलाईज करने हैं या नहीं ? यह सीधा सा सवाल है, इसका 'न' या 'हा' में जवाब आना चाहिये।

श्री बंसी लाल : इस सप्लीमैंटरी का जवाब नहीं दिया जा सकता क्योंकि गवर्नरमैंट यदि कहे कि हम रूट नैशनेलाईज करेंगे या आधे करेगे तो इस बात का असर अदालत में, जो कार्यवाही चल रही हैं, उस पर असर पड़ता हैं।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगें कि आप ने कहा हैं कि जो सबजुडिस मामला हैं, क्या इसको दो तीन महीने के अन्दर पूरा भी कर देगे कि नहीं ?

श्री के0 एल0 पोसवालः यह तो ट्रीब्यूनल फैसला करेगा। कुछ रूटस नैशनलाईज किये जा रहे हैं और कुछ नहीं किये जा रहे हैं।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगें कि अगर यह केस सबजुडिस थे तो वे रूट्स इन्होंनें नैशनलाईज क्यों कर दिए हैं।

श्री बंसी लालः जो रूट्स गवर्नमैंट ने नोटीफाई किये हैं गवर्नमैंट उन सब रूट्स को नैशनेलाईज करने का इरादा रखती हैं। अगर किसी की रिट हाईकोट में हैं, उसके बारे में हम इस समय कुछ नहीं कर सकते हैं।

श्री मंगल सैनः क्या मुख्य मन्त्री महोदय या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि जो रूट्स नैशनलाईज किये जाएंगे, जिन प्राइवेट कम्पनियों से रूटों के परमिट ले लिये जाएंगे उनको रिहैबलीटेट करने के लिए गवर्नमैंट के पास कोई स्कीम है ?

श्री बंसी लाल : वक्त तो इसका जवाब नहीं दिया जा सकता।

श्री मंगल सैनः क्या मुख्यामन्त्री महोदय यह बतायेगें कि नैशनेलाईजेशन के बाद जो वहां के ऐम्पालाईज होगें, क्या ड्राइवर, क्या कन्डक्टर, क्या अड्डे में काम करने वाला जो स्टाफ हैं, उन को भी क्या सर्विस मे ले लिया जाएगा ?

श्री बंसी लाल: मैंक्सीमम आदमियों को अकमोडेट करने की कोशिश की जाएगी।

Sh.S.P. Jaiswal: Sir, it has been stated that the answer to the question is sub-judice. The question at (e), however, is;

"the profit, it any, expected to be made out of the new under-taking?

So, will the hon. Member please tell us to what is the expected profit out of the undertaking which are proposed to be nationalized?

श्री बंसी लाल: चूंकि केस सबज्यूडिस हैं इस लिये यह कहना कि कितना प्रोफिट होगा, यह नहीं कहा जा सकता। Every thing will have its effect on the appeal of the case pending in the courts.

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, उन्होंनें कहा कि मैक्सीमम आदमियों को एडजस्ट किया जाएगा। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा एश्योरेंस लेना चाहता हूं कि मैक्सीमम का क्या मतलब हैं ? क्या 70 प्रतिशत 80 प्रतिशत आदमी लिये जायेंगे इस बारे में क्या क्राइटिरया रखा जाएगा ?

श्री बंसी लाल: इस के बारे में सरकार की पालिसी यह हैं कि जो आदमी क्वालीफाई करते होगें और जिन–जिन का रिकार्ड अच्छा होगा, उन सब को रखा जाएगा।

खान अदुल गफ्फर खांः मेरी सबमिशन यह हैं कि ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर साहब दरअसल इस बात को बताने के लिये तैयार होकर नहीं आए ?

श्री के0 एल0 पोसवालः ऐसी कोई बात नहीं हैं।

खान अदुल गफ्फर खांः अब यह कहते हैं कि इफक्ट होगा। इस मामले में मैं समझता हूं कि कोई इफैक्ट नहीं होगा। यह दूसरी बात है कि They are taking shelter behind this:

महन्त गंगा सागरः श्री दया कृष्ण के सवाल के 'ई' भाग में यह था कि

"(e) the profit , if any, expected to be made out of the new undertakings" इस बारें में श्री एस0 पी0 जैसवाल ने पूछा था तो मुख्य मन्त्री ने उसके जवाब मे कहा था कि अभी नैशनेलाईज नहीं किया हैं क्योंकि केस सबज्यूडिस हैं, इसलिये जो प्राफिट होने की आशा हैं अभी उसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मैं ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि ट्रांस्पोर्ट के नेशनेलाइज होने से पहले इन्होनें क्या कुछ भी नफा–नूकसान का अंदाजा नहीं लगाया?

श्री बंसी लालः यह तो ठीक हैं कि हर रूट पर चलाने से कुछ न कुछ नफा तो होता हैं मगर रूट्स का तय हो जाने के बाद ही मैं क्लैरीफाइ कर सकूंगा।

Mr. Speaker: May I say something? I think that will clear the matter. There is no doubt that when any scheme of this nature is drawn up the whole thing is worked out कि उस में क्या खर्च और बाद में क्या आमदनी होगी लेकिन अब जो कुछ हैं वह यह हैं कि कुछ आबजैक्शन अंडर कंसिड्रेशन हैं। इसलिये इस वक्त पूरी स्कीम को बतला नहीं सकते। यह भी बात हैं कि कुछ मामलों अभी कोर्ट में होने के कारण सबजुडिस भी है। इसलिये इस वक्त बतला नहीं सकते। otherwis, I am sure when they work out the scheme originally taking into conmsideration that all the routes will be naticnalised, then they should be able to tell how much they have worked out.

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब, लास्ट सैशन के अन्दर चीफ मिनिस्टर साहब ने अपनी पालिसी नैशनेलाइजैशन आफ रूट्स के बारे में इस हाउस में डिकलेयर की और गवर्नमैट की नोटिफिकेशनज् भी अखबारात में आई थी और यह कहा गया था कि फलां–फलां रूट्स की फाइर्नेशल एम्पीलीकेशन की ऐग्जामिन करा लिया गया था?

श्री बंसी लालः यह ऐग्जिामिन तो करा लिया था लेकिन जब फाइनल फैसला होगा तभी इस बारे में कुछ कह सकते हैं। जब हम नैशनेलाठज कर देंगें तभी बतालाएगें।

चौधरी चांद रामः क्या गवर्नमैंट कोर्ट के फैसले के बाद कम्पिटेट हैं नैशनेलाइज् करने के लिये, और अब जो नैशनेलाइज् करेगी वह टोटल करेगी या पार्शल?

श्री बंसी लालः जब अदालत से फैसला होगा तब यह जवाब देंगे।

चौधरी चांद रामः पार्ट 'ए' में पूछा गया हैं:—

"(a) whether the Government has decided to nationlise total passenger transport in the State."

इसका मकसद गवर्नमैंट की पालिसी के बारे में था। अब तो उन्होंनें यह सहारा लिया हैं कि मामला कोर्ट मे हैं इसलिए सबजुडिस हैं।

Mr. Speaker: They will nationalise totally.

ch. Chand Ram: Let this assurance come from the hon.Chief Minister तो उसके बाद मैं पूछना चाहता हूं कि वह टोटल नैशनेलाइजेशन करेंगे या कि पार्शियल। क्योकिं हमारी सिस्टर स्टेट में 10 साल का ऐग्रीमैंट खत्म हो गया। तो मैं पूछना चाहता हूं कि वह ऐग्रीमेंट कब खत्म हुआ और कोर्ट से छुटकारा होने के बाद इस गवर्नमैट की पालिसी टोटल नैशनेलाइजेशन के बारे में क्या हैं ?

श्री बंसी लालः पालिसी क्वैश्चन में नही पूछी जा सकती। इनफर्मेशन मांगिए।

चौधरी चांद रामः पालिसी पूछी तो जा सकती हैं। मगर इनफार्मेशन ही सही।

Mr. Speaker: I will clear the matter. There is a rule in our Rules that a policy matter too large cannot be discussed through questions and it a large policy matter.

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय आप की इजाजत से मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जहां तक नीति निर्धारण का सवाल हैं, वह प्रश्नोत्तर काल में निर्धारित नहीं की जा सकती। मगर नीति क्या हैं, इस के बारे में जानकारी ली जा सकती हैं। क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या प्राइवेट कम्पनीज् को राष्ट्रीयकरण करने का नोटिस नहीं दिया गया हैं तो ऐसी कितनी कम्पनीज् हैं जिन को नोटिस दिया गया है?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, इस के लिए 3–4 दिन में, नोटिस के बाद हम बता सकेंगे। कम्पनीयों को नोटिस नहीं दे सकते। रूट्स के बारे में कह सकते हैं।

Mr. Speaker: What has happened now is that you will get information in reply to the question put by Ch. Ranbir Singh in the next three of four days.

श्री मगल सैनः स्पीकर साहब, बड़ा अच्छा हो कि इस क्वेश्चन को 4 दिन के लिये पोस्टपोन कर दें और चौधरी रणबीर सिंह जी ने जो बड़ी बैलिड बात पूछी है उसका भी जवाब दे दिया जाए।

श्री अध्यक्षः पोस्टपोन तो हो ही गया। तो क्या अब सप्लीमेंट्री करना चाहते हैं?

श्री फतेह चन्द बिज: क्या मन्त्री महोदय बतलाएंगे कि आप ने जो सुविधाओं के बारे मे कहा है कि बच्चों की जो स्कूल जाते हैं उन्हें सरकारी बसों में चढ़कर जाने की सुविधा दे दी गई हैं। क्या यही आर्डर प्राइवेट बसों की कम्पानियों को भी दिया गया हैं कि वह भी बच्चों को सड़क पर खड़े देख कर बसें रोक ले और उन्हें चढ़ा लें ?

Mr. Speaker: But this does not arise out of this question.

Sh. Satyan Narain Syngol: स्पीकर साहब गवर्नर ऐड्रैस में बताया गया हैं कि

" The Roadways expect to add about 400 vehicles to their existing fleet during 1970-71 exclusively for operations on routes which are proposed to be nationalised." उन्होंनें जब इतना कुछ बतलाया हैं तो बाकी जो भी अंदाजा इन्होंनें रखा हैं, उसके बारे में बतला क्यों नहीं सकते?

श्री अध्यक्ष: यह जो आप कह रहे हैं यह दूसरी चीज हैं?

महन्त गंगा सागर: स्पीकर साहब, जो इनफर्मेशन देनी बाकी हैं जो यह देंगे तो उसमें कितना और ऐड कर लें कि कितने रूट्स छोड़ दिए हैं? यह बतला दें?

Mr. Speaker: All right.

चौधरी रणबीर सिंहः क्या परिवहन मन्त्री महोदय बतांएगे कि वह कौन–कौन से प्रश्न हैं नैशनेलाइजेशन के बारे में जो आज सबजूडिस हैं?

श्री के0 एल0 पोसवालः स्पीकर साहब, बात यह हैं कि सवाल आया और मैंने उसका जवाब दे दिया। मैंने यह अर्ज की थी कि एक ट्रिब्यूनल हैं जिस के सामने सारे केसिज् जाते हैं। अब हम इस स्टेज पर क्या बता सकते हैं?

Mr. Speaker: I think, as agreed to earlier, we postpone this question. The hon. Members can ask supplementaries later.

चौधरी नारायण सिंहः अभी–अभी मुख्य मन्त्री महोदय ने बतलाया था कि जो प्रौफिट हैं वह असैस किया जाएगा और उसके बेसिज पर कुछ रूट्स की नैशनेलाइजेशन की जाएगी कुछ की नहीं की जाएगी। क्या इस का यह मतलब नहीं हैं कि होटल नैशनैलाइजेशन की स्कीम नहीं हैं?

श्री बंसी लालः मैंने यह कहा था कि जिन को नोटिस दिए गए हैं अदालत ने अगर किसी केस में रोक दिया तो उसका हिसाब हम क्या बतांएगे? मैने यह नही कहा था कि कुछ करने है और कुछ नहीं करने।

श्री अध्यक्षः पालिसी तो यह हैं कि कोशिश की जाएगी। सारे रूट्स की नैशनेलाइज करने की।

Creation of cell for ensuring representation of Scheduled Castes etc. Against Rserved posts.

***631 . Ch. Chand Ram:** Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) whether any cell has been created in the Directorate of the Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes to ensure and Backward Classes by the respective depattments are filled temporarily or otherwise from amonst these Classes of persons;

(b) whether the District Divisional, or State-Level Officers keep any regular register o ensure that Government orders to give due representation to the members of Scheduled Castes and Backward Classes in temporary of short-term vacancies in initial and promational recruitment are carried out; and

(c) whether the Employment Exchange are directed to send names of Scheduled Castes/Backward Classes according to the reserved quota to the various departments?

Agriculture and Labour Minister(Ch. Ran Singh): (a) Yes. A Research and Evaluation Cell has been set up for the purpose, among other thing of collection data regarding the recruitment of Scheduled Castes and Backward Classes to various Government Departments

(b) No

(c) No. Such a directive is not considered necessary because Employment Exchanges have to submit names of only Scheduled Castes and Backward Classes candidates in cases where the employing departments indicates that the posts are reserved for Scheduled

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि जो उन्होंने रिसर्च एंड इवैल्यूएशन सैक्शन कायम किया हैं उस का फन्कशन क्या हैं?

Ch. Ran Singh: I have already told the purpose of setting up the Research and Revaluation Cell. It is, among other things to collect data regarding the recruitment of Scheduled Castes and Backward Classes to various Government Departments.

चौधरी चांद रामः वजीर साहब ने पार्ट 'बी' के जवाब में बताया हैं ''नो'' कि जो डिविजनल आफिस हैं या जिला के आफिस है उनको कोई ऐसी हिदायत नहीं हैं कि वह रजिस्टर मेन्टेन करें कि कितनी वेकैंसीज फिल की गई है और कितनी रिर्जव थी। पार्ट 'सी' में बताया गया हैं कि एम्पलाएमैंट एक्सचेज को भी कोई ऐसी हिदायत नहीं हैं कि वह ऐसा रिकार्ड मेनटेन करे। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कैसे अन्दाजा लगाया जा सकता हैं कि कितनी पोस्टे कुल फिल की गई और कितनी रिजर्व थी ?

चौधरी रण सिंहः मैं ने पार्ट 'बी' के जवाब में कहा हैं कि रजिस्टर की जरूरत नहीं हैं और साथ ही पार्ट ''सी'' के जवाब में बताया हैं कि एम्पालाएमैट एक्सचैज वाले सिर्फ

शिडयूल्डकास्ट वालों के नाम भेजते हैं जब उन को डिपार्टमैंट की तरफ से इस किस्म की डिमाड जाती हैं।

चौधरी चांद रामः मैनें पूछा हैं शार्ट टर्म और टेम्परेरी बेकैसीज के बारे में। अब उनका कोई रजिस्टर ही नहीं मेनटेन होता तो वह डिपार्टमैंट एम्पालाएमैंट एक्सचेज को क्या लिखेगा कि कितने कैडिडेट शिडयूल्डकास्ट के चाहिए? नम्बर दो यह हैं कि जब आप ने एम्पालाएमैंट एक्सचेज की कोई शिकायत ही नहीं दी हुई, तो वह फिर भेजेंगे क्यों?

चौधरी रण सिंहः एम्पलाएमैंट एक्सचेंज से जब आदमी मांगे जाते हैं तो उनको लिखा जाता हैं कि कितनी पोस्टे रिजर्वड है और वह उसके मुताबिक आदमी भेज देते हैं। इस के अलावा जो आप ने सुझाव दिया हैं, हम इ स पर भी विचार कर लेंगे।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब.....(विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी चांद राम जी मिनिस्टर साहब ने पहले ही कहा है कि महकमें वाले एम्पलाएमेंट एक्सचेज वालों को लिख देते हैं कि हमें इतने आदमी शिडयूल्डकास्ट के चाहिये और नम्बर दो.....----- He is prepared to accept your suggestion regarding register if you give him your suggestion.

चौधरी चांद रामः इस में तो सवाल सिर्फ इतना ही हैं कि जब उने के पास कोई डैटा ही नहीं, डायरैक्टर वैलफेयर के पास कोई डैटा ही नहीं कि कितनी बेकैसीज भरी है और कितने

शिडयूल्डकास्ट लगाए गए हैं तो फिर यह कैसे पता लगेगा कि उनकी परसेंटज पूरी हूई हैं कि नहीं और किस बेसिज पर यह वेकसिज फिल करते हैं?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट एक्सचेजों के पास यह हिसाब नहीं रह सकता कि किस डिपार्टमैंट में कितनी रिजर्वेशन थी लेकिन स्टेट के सारे डिपार्टमैंट यह रिकार्ड रखते हैं और इस बात की पूरी कोशिश की जाती हैं कि जो रिजार्वड बैकेसी हैं उन के अर्गेस्ट शिडयूल्डकास्ट के लोग लगाए जांए।

चौधरी चांद राम: स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया था कि ऐसा कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता लेकिन चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया हैं कि स्टेट डिपार्टमैंट्स इस का रिकार्ड रखते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि इन दोनों में से किसका जवाब सही माना जाए?

श्री बंसी लाल: स्पीकर साहब, मै आपसे निवेदन करूंगा कि इस सवाल को पोस्टपोन कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: हां मैं भी यही चाहता हूं कि इस सवाल को पोस्टपोन कर दिया जाए क्योकि यह सवाल बहुत अहम हैं और इसके साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि विधानसभा में पहले बहुत कमी थी अब मैंने 22 परसैंट का शिडयूल्डकास्ट का कोटा पूरा कर दिया

Ch. Chand Ram: I am thanful, Sir. In fact, you have maintained a separate register. अपनी गवर्नमैंट को भी मेरा यही सुझाव हैं वह भी ऐसा कर दें तो अच्छा हैं।

Mr. Speaker: The Government has said that they will go into it thouroughly and are prepared to discuss the matter with you when it comes next ¾ days.

श्री सत्य नारायण सिंगोलः स्पीकर साहब, जो हरियाणा के चण्डीगढत्र में आफिस हैं उन मे जो टेम्परेरी पोस्टे क्रिएट होती हैं उन पर यहां सेही आदमी भरती कर लिए जाते हैं और बाद में उनको रेगुलेराइज करवा लिया जाता हैं जिस का नतीजा यह होता हैं कि हरियाणा में से कोई भी नहीं लिया जाता।

श्री अध्यक्षः यह सजैशन शायद पहले भी आया था कि डिसट्रिक्ट एम्पालाएमैंट एक्सचेंजिज से भी कैंडिडेट्स मंगाए जाएं। we come to the next question now.

(At this time Ch. Lal Singh rose in his seat)

This questions has been postponed.

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, आप ने कल वायदा किया था कि आप कल को यानी आज मुझ को सुन लेंगे। इस लिये मैं यह सरकार से पूछना चाहता हूं कि जो लंगड़े, लूलें, अन्धें और काने लोग हैं उनको रोजी देने के लिये सरकार ने क्या प्रबन्ध किया हैं?

श्री अध्यक्षः यह सवाल आप मुझे दे दें मैं इसे शारट नोटिस क्वैश्चन एडमिट कर दूंगा।

Allegatins against Secretary, Market Commitee, Rohtak

***612. Sh. Mangal Sein**: Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to State:-

whether the Government have received any latter from any Legislator in the year 1969 or 1970 against the Secretary, Market Committee, Rohatk

If so, a cop thereof may be laid on the table of the House?

Agriculture and Labour Mininter (Chaudhri Ran Singh): (a) Yes

(b) A copy is laid on the Tabel.

मंगल सैन,

एम0 एल0 ए0

फोन आफिसः 194 रैजीडैसः 495

भिवानी स्टैंड

रोहतक

दिनांक 6 जनवरी, 1970 ।

श्रीमान् बंसी लाल जी,

सादर नामस्कार।

आपकी जानकारी मे यह लाना चाहता हूं। कि रोहतक मारकेटिग बोर्ड में श्री रत्न सिंह नाम का नया सैक्ट्ररी बदल कर आया हैं उस ने मण्डी के व्यापारियों को तथा गांव में फुटकर व्यापार करने वालों को बहुत तंग कर रखा हैं। यहां तक कि मारकेटिग फीस जमा कराने वालो केा बजाये कोई सुविधा देने के लाईनों में खड़ा रखता हैं। दुकानों पर छापे मार कर घंटो–घटों उन के हिसाब किताब की पड़ताल और स्टाफ की अनावश्यक गिनती करता हैं। जिस के कारण दिन भर व्यापारी करोबार करने से वचिंत रह जाता हैं। यह महानुभाव पहले करनाल, पलवल में सैक्ट्ररी रहे हैं। वहां भी सस्पैड हुये थे। यह व्यापारियों के साथ पहले सख्ती करते हैं और बाद में रिश्वत लेते हैं। पिछले दिनों रोहतक मारकेटिग बोर्ड में 30 असामियों की जगह भरी गई जिस में इस ने अपनपे पक्ष के 6 आदमी बगैर रोजगार दफ्ता के भरती किये हैं ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध अवश्य करवाई होनी चाहिए। अतः मैं आशा करता हूं कि आप इस दिशा मे अवश्यक कदम उठायेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

हस्ताक्षर

(मंगल सैन)

श्री बंसी लाल जी,

मुख्यमंत्री हरियाणा,

चण्डीगढ़ ।

***653 Shri Randhir Singh:** Will the Chief Minister be pleased in state the total number of D.I.G. working in the Haryana police at present together with the total number of D.I .G working in the erst while Punajb Satae before the formation of Haryana State ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Total Number of D.I.G of Police working in the Haryana Police at present is two. Total number of D.I.Gs working in the erstwhile Punjab State before the formation of Haryana State was five.

श्री रणधीर सिंहः मैं जानना चाहता हूं कि जो डी0 आई0 जी0 हरियाणा में काम कर रहे है उनके पास अलग–अलग से क्या डियूटीज है ।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, जिन दो डी0 आई0 के बारे में जवाब में बताया है उनके अलावा एक डी0 आई0 जी0 बिजली बोर्ड डैपुटेशन पर गया है और एक डी आई जी विजीलैंस का है

Income derieved from Tubewells/Pumping Sets Connections

***644 Sh Hari Singh Yedav:**

Major Amir Singh Ch.: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) The year-wise amount of annual income derived by Haryana State Electricity Board form connection for tubewells and punping sets since the said Board was set up:

(b) The rate of service charges in the case of Agricultural connection together with particulars of the calculations of the annual among amount of income derived from such connection year-wise , for the corresponding period mentioned in part (a) above;

(c) Total annual income per Horse Power of the installed load being derived by the said Board from Agricultural connection yaer- wise, for the corresponding period mentined in part (a) above, together with averge monthly income per Horse power of the installed laod' and

(d) Whether there is any proposal for introducing flat rate system on Punjab patten; if not the reasons therfo?r

Irrigation and power Minister (Sh. K.L. Poswal): (a) (b) (d) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a)1967-68 (3-5-67 to 31-3-68)	Rs 10857658600
1968-69	Rs. 24856942.00
(b) 1967-78	
(i) Equlpment charges	
Pariculars	Rates P.M
Service line of capacity up to 5 KW	25
Service line of capacity above 5 KW up to 10KW	30 Paise
Service line of capacity above 10 KW up to 15KW	25 paise
Service line of capacity above 15KW up to 120KW	40 Paise
(ii) Meter Rent	
1-5-67 to 31-11-67	
Single phase meter	50 Paise
Poly phase meter up to 25 Amps	Rs 1.25
Poly phase meter up to 25	Rs 2.25

Amps up to 50 Amps	
1-12-67- to 31-3-68	
Single phase metter	75 Paise
Poly phase meter up to 25 Amps	Rs. 2.00
Poly phase meter up to 25 Amps up to 50 Amps	Rs. 2.25
2. 1968-69 (i) Equtipment Charge	
1-4-68	
Service lines of capacity up to 5 K.W	25 Paise
Service lines of capacity above 5 KW up to10 KW	30 Painse
Service lines of capacity above 15 KW up to10 KW	35 Paise
Service lines of capacity above 15 KW up to20 KW	40 Paise
1-7-68 To 31-3-1969	
Service lines of capacity up to 5	35 Paise

Service lines of capacity above 5 KW up to10 KW	45 Paise
Service lines of capacity above 10 15 KW up to10 KW	50 Paise
Service lines of capacity above 15 KW up to25 KW	60 Pasie
(ii) meter rent	
Single phase meter	75 Paise
Poly phase meter up to 25 Amps	Rs. 2.00
Poly phase meter up to 25 Amps up to 50 Amps	Rs. 2.25

Annual income me derived form service charges in respect of Agricultural Tube-well connections is accounted for under one head for all categories of connections, i.e. Agricultural, Domestic, Commercial etc. and therefore, cannot be disticnity indicated.

	1967-68	**1968-69**
	Rs.	Rs.
(c) (i) Total annual income per horse power of the installed load	72.00	107.00

(ii) Average monthly income per Horse Power	6.00	8.90

(d) Yes, the questions of adopting a flat rate tariff for agricultural connections are under the active consideration of the Board.

मेजर अमीर सिंहः क्या वजीर साहब बतायेंगें कि यह जो आपने डिमांड चार्जिज बताये है 25 पैसें और 40 पैसे, इन पर क्या वह रोशनी डालने की कृपा करेंगे कि यह क्या चीज हैं? हमें तो यही पता है कि डेढ़ रूपया पर हार्स पावर चार्ज किया जाता हैं। इसलिये मै जानना चाहता हूं कि 25 और 40 पैसे कैसे है?

श्री के0 एन0 पोसवालः यह उन से चार्ज करते है वही है और क्या हैं (हंसी)।

मेजर अमीर सिंहः पहले डिमांड चार्ज पर हार्स पावर एक रूपया था और अब डेढ़ रूपया कर दिया गया हैं इस बात का तो हमें पता हैं लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो आपने यहां लिख रखा हैं कि के0 बी0 लाईन के 25 और 40 पैसे, यह क्या है?

मलिक मुख्तियार सिंहः क्या यह बैटरी चाजिज तो नहीं हैं?

श्री के0 एल0 पोसवालः नहीं यह बैटरी चार्जिज नहीं हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप खुद ही देख ले कि कैसे जवाब आ रहे हैं। हमारी बात ठीक ही साबित हो रही हैं। हम कल भी कह रहे थें।

Mr. Speaker: I think we should postpone this questions. Mr. Poswal, can you explain the various details given here?

श्री के0 एल0 पोसवालः यह तो फैक्टस की बात हैं।

श्री अध्यक्षः लेकिन यह उनको समझ नहीं आ रही हैं। आप समझा दें।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः अगर आप यह कह दें कि आप समझ गये तो मैं मान जाऊंगा कि आप समझ गये हैं। (हंसी)

Mr. Speaker: We postpone this question.

Persons killed/wounded/arrested after 29th January, 1970

***623 Sh. Shyam Chand:** Will the Chief Minster be pleased to state:-

(a) Number of persons if any, killed and wounded (separately due to Police or Military firing at various places in Haryana after the

announcement of Chandigarth award on the 29th January, 1970;

(b) Total number of rounds fired by the Police together with townwise break-up thereof;

(c) Total number of persons, if any, arrested at various places in the State after the announcement of that award; and

(d) Total number of the force mobilized throughout the state together with the Distrit wise break-up thereof?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a) Statement is laid on the Tabel of the House

(b) It is not in public interest to give a reply to this.

(c) Statement is laid on the Tabel of the House.

(d) It is not in the public interest to give a reply to this.

Statement

Sr. NO.	Districtct	(a)		(c)
		Died	Injured	Number of persons arrested
1	Hisar	-	-	185

2	Rohtak	-	-	135
3	Gurgaon	6	12	120
4	Jind	-	-	339
5	Karnal			314
6	Ambala	1	2	70
7	Narnaul	2	7	9
	Total	9	21	1190

Shri Shyam Chand: Sir, I understand at Rewari nine persons died whereas number given here six. At Rohtak one person died and Dadri two persons died:

चौधरी लाल सिंहः आन ए, प्वायंट आफ आर्डर, सर कौन से विलायत से आये हैं जो अंगेज बोलते हैं। जब हमारे मिनिस्टर्ज से हिन्दी में जवाब बताने को कहा जाता हैं तो क्या यह हिन्दी में नहीं पूछ सकते ?(शोर)

Mr Speaker: I request the whips of either side to explain the meaning of the point of order to the member.

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब यह बड़ा ही अहम हो सकता हैं। आज स्टेट में और स्टेट के बाहर हर आदमी के पार्ट 'डी' में यह पूछा हैं–

"Total number of the force mobilized thoughhout the state together with the district-wise break-up thereof?

In reply thereto they have said that it is not in public interest to answer to these questions?

In reply thereto they have said that it is not in public interest to answer to this question. स्पीकर साहब मैं आप का रूलिंग चाहता हूं कि जब एक बात सरेआम लोगों को दिखाई दे रही हैं पेपर्ज मे सारी बात छपी हैं और रेडियों पर भी ब्राडकास्ट की जाती हैं कि रिवाड़ी, नारनौल, जगााधरी वगैरह में इतने लोग मरे और सोनीपत में स्टूडैंस को होस्टल मैं घूस कर बुरी तरह से पीटा गया और वहां गोली भी गोली भी चली। मेरी समझ में आता हैं कि यह सरकार फैक्टस को छुपानी की क्यों कोशिश करती हैं? स्पीकर साहब, हमारा बतौर जनता के चुने हुए प्रतनिधि होने के प्रिविलेज हैं और राइट हैं लेकिन हमें यह इन्फर्मेशन न देकर उसे से वंचित कर रहे हैं। इसलिए मैं आप से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप इस पर रूलिंग दें और इन को कहें कि हमें बताये कि कितनी गोलियां चली, कितने मरे और कितनी मिल्टरी फोर्स बार्डर सिक्योरटी फोर्स और सी 0 आर0 पी0 आई?

Mr. Speaker: As to who should decide whether certain thing is in public intereswt or not is the responsibility of the Minister concerned. This point was raised last year also. Secondly, I think deployment of forces is normally kept secret,

whether it is Border Security Force of Army. In fact the State may not know either.

(Voice from the Oppostion Benches: No.)

Mr. Speaker: It is for the Chief Minister of the Minister to decide whether a certain thing is in public interest, because they know the reason.

श्री मंगल सैनः इस से मेरी बात को स्पोर्ट मिलता हैं और आप भी मुझे स्पोर्ट करते हैं कि एपेरैट केसों में ऐसा हो सकता हैं। तो मैं यही कहना चाहता हूं कि यह बात एपेरैंट हैं कि रिवाड़ी, नारनौल और दादरी में गोली चली, भिवानी मे हवाई फायर हुये, सोनीपत में लड़को पीटा गया, वगैरह सारी बाते एपेरैट हैं। जो रैफ्रेस आपने दिया हैं वह हमारे हक में जाता हैं कि एपेंरैट मामलों में आप उन से कह सकते हैं। इसलिये मैं आप से निवेदन करता हूं कि उन को कहें कि वह इस मामले को कन्सील न करें।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, जहां–जहां पर गोली चली हैं वहां डिस्ट्रिक्टस मैजिस्ट्रेट्स को आन दी। स्पाट मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी के आर्डर कर दिये हैं और वह इन्क्वायरी पैडिग हैं। इसलिये इंन्क्वायरी के पैडिग होते ही सरकार के लिये जवाब देना मुनासिब नहीं होगा।

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब, मै एक सबमिशन करना चाहता हूं कि यह फैक्ट्स की बात हैं और इन्होनें फायर

किये हुये हैं। इस के अन्दर कोई किसी किस्म की पालिसी का सवाल नही हैं और कोई ऐसी बात इस में नहीं हैं जिसका इन्क्वायरी पर असर पड़ता हो।

Mr. Speaker: I remember this point was raised last year also. Normally it is the function of the Government to see what ought to be disclosed and what ought not to be disclosed. The Speaker does not sit in judgment over that. In apparent cases only the Governmet cannot claim that privilege.

मलिक मुख्तियार सिंहः इनको यह बताने मे क्या हिचकिचाहट हो सकती हैं कि इतने फायर हम ने फंला जगह किए है, इतने फंला जगह किये हैं, इस चीज का रिकार्ड रखा जाता हैं। मिल्ट्री फोर्स के नम्बर की बाबत हम नहीं पूछ रहे। हम पूछते हैं कि कितने टीयर गैस शैल्ज और राऊंडस चलाये हैं। इस चीज की चर्चा अखबारों के अन्दर हुई, गवर्नमैंट को बताने में क्या हैजिटेशन हैं। इन को साफ बता देना चाहिये जैस जनरल डायर ने बोर्डनी कहा था कि "Yes, I fire and fired till my ammunition was finished".

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, एक तो मैंने पहले ही आप से रिक्वेस्ट की हैं इस के साथ ही दूसरी बात यह है कि चीफ मिनिस्टर ने कहा हैं कि मामला सबज्युडिस है। हम ने तो नहीं पूछा कि कितने कसूरवार है? हम ने पूछा हैं कि कितने राऊंड चले, कितने मिस हुए और कितने वापिस हुए?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहबष आज अगर मैं यह कहता हूं कि रिवाड़ी, दादरी, नारनौल या सोनीपत में इतने राऊंड बता दे तो ठीक नहीं होगा। कितने राऊंड चले हैं यह मजिस्ट्रेट इन्क्वायरी आने के बाद ही बताया जा सकता हैं, पहले नहीं।

Mr. Speaker: Let me make things clear. It appears to me that the stand taken by the Government is that in order to find out certain things and definite information they have instututed this magisterial enquiry. They will be able to give you definite answers to your questions after the said enquiry is completed.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमिशन हैं। चीफ मिनिस्टर साहब ने बड़ी ब्युटिफुली यह बात कह दी कि राऊंडस की संख्या हाउस में कह देने के बाद उस संख्या को घटा बढ़ा नहीं सकते। स्पीकर साहब, हम चह चीज चाहते हैं, जो कुछ इन्होंनें वहां कहना हैं वह यहां हाउस में कहे। स्पीकर साहब, हम हाउस के कस्टोडियन हैं, हरियाणा की 81 लाख जनता को न्याय दिलाने वाले हैं। हमारे मैंम्बरों ने डिफिनिट टाईम पर यह सवाल उठाया हैं, इसका जवाब हाउस में आना चाहिये। जो रूलिंग आपने कोट की हैं उस का जवाब देना चाहिये।

श्री बंसी लालः हम मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी के बाद ही कह सकते हैं कि कहां पर कितने राऊंड चले हैं क्योंकि यह मामला पब्लिक इन्ट्रेस्ट में नही आता हैं। इस के इलावा हमें पूरी डिटेल मालूम नहीं हैं कि सी0 आर0 पी0 और आर0 पी0 एक0 ने

कितने राऊंड चलाये हैं। लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि गोली नहीं चलीं हैं गोली, लेकिन यह कहना कि कितने राऊंड चले हैं, किन हालत मे चले हैं यह मैजिस्ट्रेट की इन्क्वायरी के बाद बताया जा सका हैं।

चौधरी रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि आया सरकार के पास, हरियाणा में गोली चलाने के बारे में कोई रिपोर्ट आई हैं? चहे बी0 एस0 एफ0 ने गोली चलाई हो, चाहे आ0 पी0 एफ0 ने चलाई हो या किसी और संस्था की तरफ से गोली चली हो, क्या किसी किस्म की रिपोर्ट सरकार के पास आई हैं?

श्री बंसी लालः अभी तक कम्पलीट रिपोर्ट नहीं आई।

चौधरी जय सिंह राठीः क्या मुख्य मन्त्री बतायेंगे कि हरियाणा में जो पुलिस तैनात थी, पुलिस के हर सिपाही को ड्यूटी पर जाते वक्त कितने राऊंड इशू किये गये थें और वापसी पर कितने राऊंड वापिस आये?

Mr. Speaker: That will be very diffcult at this stage, I think.

चौधरी जय सिंह राठीः ये इस सवाल का जवाब दे दें कि सरकारी ड्यूटी पर जाने से पहले कितने राऊंड इशू किये जाते हैं...(विघ्न)

श्री बंसी लालः यह सप्लीमैंटरी इस क्वश्चैन से एराईज नहीं होता।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः क्या मुख्य मन्त्री महोदय बतायेंगें कि सीधे गोली के साथ कितने आदमी मरे हैं और टेढ़ी गोली के साथ कितने मरे हैं?

श्री बंसी लालः यह इन्क्वायरी के बाद बतायेंगे।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि गोली चलने से एट दि स्पोट कितने मरे हैं और हस्पताल में कितने मरे हैं?

(No reply)

चौधरी रणबीर सिंहः क्या मुख्य मंत्री महोदय इस सदन को विश्वास दिलायेंगे कि क्या वे हर मामले के बारे में जल्दी से जल्दी रिपोर्ट हासिल करेंगे ताकि जो आफिसर मुलजिम पाया जाए वह अपनी बात को घटा बढ़ा नहीं सकें?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैजिस्ट्रेट के ऊपर सरकारी नियन्त्रण नही कर सकते कि वे जल्दी काम करें। इतना जरूर हैं कि जो आदमी कसूरवार पाया जायेगा उसको जरूर सजा दी जाएगी।

Mr. Speaker: This question by the hon. Member is very good and very fair. What he means to say is that the Govenmetn may now get this information from the Police

officer and others concerned, so that later on they may not chage their statements to suit their purpose That, I think is quite reasonable.

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब, 30 जनवरी को हरियाणा प्रदेश के अन्दर गोली चली थी, आज 10 फरवरी हो गई हैं। तकरीबन बीस दिन हो गये हैं। क्या मैं चीफ मिनिस्टर साहब से पूछ सकता हूं कि जहां पर गोली चली हैं, वहां से इमिजिएटली रिपोर्ट आई हैं कि इतनी डैथ्स हूई है? क्या आप ने रिपोर्ट मंगवाई हैं?

श्री बंसी लालः इसका जवाब मै दे चूका हूं कि यह बताना पब्लिक इंट्रेस्ट में नही हैं।

श्री अध्यक्षः वे यह पूछ रहे हैं कि जब कोई ऐसा वाक्या होता हैं, क्या कोई ऐसा प्रोसीजर हैं जिस के तहत वाक्यात की रिपोर्ट आई0 जी0 या आपके पास दो दिन में, चार दिन में, पांच दिन में या दस दिन में पहुच जायें?

श्री बंसी लालः रिपार्ट्स अथौरिटी कंन्सर्न्ड के पास आती रहती हैं, अगर कोई सीरियस केस हो तो ऊपर के लेवल पर आती हैं।

मलिक मुख्तियार सिंहः जो फांयरिग हुई हैं क्या वह सीरियस केस नहीं था?

श्री बंसी लालः मैंने तो यह कहा हैं कि इस सवाल का जवाब देना पब्लिक इन्ट्रैस्ट में नही हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री के सवाल के पार्ट ए के जवाब में फायरिंग से मरने वालों के बारे में बताया हैं क्या संस्था ने या किसी डैपुटेशन ने उन से यह मांग की हैं कि मैजिस्ट्रीरियल इन्क्वायरी के साथ जुडिशियल इन्क्वायरी भी होनी चाहिए?

श्री बंसी लालः जी हां।

चौधरी लाल सिंहः क्या मुख्य मन्त्री महोदय बतायेंगे कि जो व्यक्ति आग लगाने में आगे रहे, क्या उनकी पड़ताल हो रही हैं?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने हाउस में कन्फैस किया हैं कि जुडियिशन इन्क्वायरी की मांग की गई थी, तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या किसी हाई कोर्ट के सैशन जज को जुडिशियल इन्क्वायरी के लिये तैनात करेंगे?

श्री बंसी लालः यह कोई पापुलर डिमांड नहीं हैं जिस के लिये जुडिशियल इन्क्वायरी की जाए। हमारा कोई इरादा नहीं है जुडिशियल इन्क्वायरी के लिए तैनात करेंगे?

चौधरी रणबीर सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मत्री जी ने पहले प्रश्न के जवाब में कहा कि महकमे को रिपोर्ट आई परन्तुं मैं

जानना चाहता हूं कि क्या मामलात में सरकार रिपोर्ट मंगवाती हैं और अगर मंगवाती हैं तो क्या आई या नहीं आई, और यदि मांगवाते हैं तो क्या सरकार मंगवाने के लिये तैयार हैं?

श्री बंसी लालः मैंने कहा कि एथौरटीज को इन्फर्मेशन आती हैं। एथौरिटीज में सरकार भी शामिल हैं और वह रिपार्ट इसे भी आती हैं।

(Dr. Mangal Sein and some other hon. Member rose to ask supplementaries)

Mr. Speaker: I am afraid the time is over. Normally, I said five minutes for a questions , but this question has taken ten minutes.

(Sh. Mangal Sein and some other hon. Member again rose to ask supplementaries)

Mr. Speaker: I am afraid, we have far exceeded our normal limit. Now we will have the last supplementary question from Dr. Mangal Sein.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने अभी कहा कि यह पापुलर डिमांड नहीं हैं। मैं उन से जानना चाहता हूं कि पापुलर डिमांड कब होती हैं और दूसरे किस हालत में ये जुडिशियल इंक्वायरी कराने के लिये तैयार हैं?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, कोई हालारत सामने आएं, तभी कहा जा सकेगा कि इंक्वायरी होगी या नही । इस

वक्त ति के वाक्यात में गवर्नमैंट मुनासिब नहीं समझती कि जुडिशियल इंक्वायरी करवाने की जरूरत हैं।

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE UNDER RULE 45

Names of villages where Cholera broke out

***415. Major Amir Singh Chaudhry:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Names of villages Tehsil-wise, in Mahendergarh district where Cholera broke out during the current year together with number of Cholera cases village-wise and number of deaths occurred as a result thereof;

(b) Details of the steps taken to check this epidemic;

(c) Whether any deaths have occurred during the corresponding period as mentioned in part (a0 above, in

some villages of Dadri Tehsil due to vomiting and diarrhea also;

(d) If the reply to part (c) above be in the affirmative, details of such cases and deaths along with names of respective villages?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) The requisite information is placed on the table of the House.

(b) The following measures were taken to check the epidemic:-

(i) 13 check-posts were established in the affected areas. 11 Medical Teams were formed to undertake control measures;

(ii) Repeated cholorination of wells;

(iii) Antifly measures;

(iv) Mass cholera inoculations;

(v) Notification to prohibit sale of contaminated food; raw fruits/ vegetables/ Ice/ Ice Creams, etc.

(vi) Mass publicity through cinema slides;

(vii) In addition to the normal Health Staff in the district special laboratory staff from the Bacteroilogical Laboratory, Karnal was deputed in Mohindergarh district to carry out stool examination. Arrangements were made for hospitalization treatment of cases also.

(viii) Two Assistant Directors and two Public Health Trained officers were deputed to organize control measures in Mohindergarh district.

(a) Cholera, Gastroenteritis, vomiting, etc., are such diseases the signs of which are sometimes quite confusing, but confirmation of cholera cases requires examination of stools. No deaths were reported from out of 7 confirmed cases of Cholera. 41 deaths occurred due to diarrhea and vomiting and 21 deaths occurred due to Diarrhoea only.

(b) The requisite information is placed on the Table of the House.

STATEMENT

Sr.	Name of Village		Tehsil	Total cases	Total deaths	Toal inocution done	Wells chlorination	Remarks
Cholera. I. Tehsil Dadri								
1	Dokhi		Dadri	3	Nil	1,435	10	
2	Kitlana		Dadri	¼	Nil	310	10	
II. Tehsil Mohindergarh								
1	Satnali		Mohindergarh	1	Nil	200	6	
2	Janjariwas		Mohindergarh	1	Nil	900	9	
3	Mohindergarh		Mohindergarh	1/3	Nil	9,000	10	
Diarrhoea Tehsilwise Tehsil Dadri								
1	Balali		Dadri	2	Nil	453	6	
2	Mandola		Do	3	...	300	7	

3	Brihi Kalan		Do	4	...	1,053	11	
4	Nimriwali		Do	1	1	829	5	
5	Dokhi		Do	17	3	927	6	
6	Kitlana		Do	37	9	1435	10	
7	Kakroli		Do	1	1	761	6	
Tehsil Mohindergar								
8	Jbook		Mohindergarh	3	1	916	6	
9	Janjariwas		Do	5	1	500	9	
Tehsil Narnaul								
10	Seema		Narnaul	2	1	827	10	
11	Surana		Do	2	1	400	3	
12	Bachhod		Do	1	...	656	1	Water supply
13	Lahooda		Do	8	1	629	6	

14	Jadopur		Do	2	...	150	3	
15	Khatoli Jat		Do	4	1	670	6	
16	Maroli		Do	5	2	475	4	
Gastro-enteritis/ Vomitting Tehsil wise Tehsil Narnaul								
1	Chapra Salimpur		Narnaul	10	2	780	6	
2	Saloni		Do	5	3	827	10	
3	Chidalia		Do	3	1	612	6	
4	Gahli		Do	7	3	2,000	9	
Tehsil Dadri								
5	Jhoju Kalan		Dadri	7	1	3,000	1	
6	Kalali		Do	11	2	776	5	
7	Khorda		Do	12	3	976	5	
8	Chappar		Do	20	3	1,929	1	

9	Nand Gaon		Do	14	1	1,000	6	
Tehsil Mohindergarh								
10	Khatod		Mohindergarh	10	5	500	9	
11	Chitlang		Do	120	17	500	6	
12	Kheroli		Do	20	Nil	550	10	

Criteria fixed for the supply of Canal Water

***562. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) Whether any criteria have been fixed by the Government for supply of canal water to the fields; if so, details thereof ; and

(b) Wether any different criteria have been fixed for the supply of canal water to fields where wheat has heen sown?

Irrigation and Power Minister (Shri K.L. Poswal): (a) Yes, the canal water is supplied at the rates varying from 1.95 Cs. To 4.29 Cs. Per 1,000 acres of Culturable Commanded Area. The rates of canal water for different areas are as below:-

(i) 1.95 Cs. Per 1,000 acre for Pehowa Tract on Narwana Branch.

(ii) 4.29 Cs. Per 1,000 acre on Hissar Major Distributory System of W.J.C.

(iii) On remaining areas of W.J.C. and Bhakra Canal 2.4 Cs. Per 1,000 acres.

(b) No.

Total number of Municipal Committees in the State

***579. Dr. Malik Chand Gambhir:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) The total Number of Municipal Committees in Haryana;

(b) The number of Municipal Committees out of those referred to in part (a) above which have been superseded so far together with the number of those whom show cause notices have been issued since 1st January, 1968; and

(c) The number of the superseded Municipal Committees out of those referred to in part (b) above which were dominated by the non-congressites and congressites, separately?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) 59 (b) (i) 18. (ii) 4. (c) The information asked for is not available with the Government.

Setting up of new big Industries in the State

***630. Shri Daya Krishan:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether any big industry has been set up in the State during the calendar year 1969;

(b) Whether there is any proposal to set up any big industry in the State during the calendar year 1970;

(c) If reply to parts (a) and (b) above be in affirmative, the kinds of incentives, if any, the State Government proposes to give to the people desirous of setting up new industries in the State;

(d) Whether there is any proposal to set up new industries in Haryana around Delhi;

(e) If so, the details thereof;

(f) Whether there is also any proposal to develop the small scale industry in the State; and

(g) If so, the details thereof?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) No.

(b) Yes.

(c) Incentives like sale of land on easy terms, supply of water and power, rebate in taxation, concession in power tariff and electricity duty, underwriting/ participation in the share capital, exemption from property tax and octroi etc. are under consideration of Government.

(d) Yes.

(e) Land has been allotted for industrial purposes at Faridabad and is due to be acquired near Sonepat along the G.T. Road. A number of industrial units are likely to be set up at these places.

(f) Yes.

(g) Various types of industries are coming up. To step up this process assistance is being extended in the following directions:-

i. Selection of Industries through supply of prepared schemes;

ii. Technical Guidance;

iii. Financial Assistance;

iv. Machinery on Hire Purchase basic;

v. Developed plots (for construction of factory buildings) on easy instalments;

vi. Price preference in the purchases effected by the Stores Purchase Organisation;

vii. Common Facilities from Development Centres;

viii. Testing and Quality Marking;

ix. Procurement of raw materials;

x. Exports.

Reservation of posts for Scheduled Castes, etc., in Promotion Cases

***638. Chaudhry Chand Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has decided to restore the reservation in promotions to class I, II and III for members of Scheduled Castes and Back ward Classes, and if so, whether the Government has taken any steps to implement that decision?

Agriculture and Labour Minister (Chaudhri Ram Singh): The matter is under consideration.

Municipal Committees Superseded after the Mid-Term Poll in the State

***613. Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) The names of the Municipal Committees superseded in the State after the mid-term poll together with the names of those to whom the show cause notices have been issued;

(b) The number of members of the Municipal Committees removed from their offices in the State during the period referred to in (a) above?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) (i) Karnal, Hissar, Nuh, Loharu, Hansi, Kaithal, Bahadurgarh, Sohna, Mandi Dabwali, Fatehabad, Kalka (Reinstated subsequently) and Yamunanagar (ii) Uklana Mandi, Rohtak, Kanina and Mohindiergarh.

(b) 1. Shri Madan Lal, M.C. Uklana Mandi.

2. Shri Ganga Jal, M.C. Uklana Mandi.

3. Shri Bakshi Ram, M.C., Tohana.

4. Shri Madan Lal, M.C., Tohana.

5. Shri Santu Ram, M.C., Tohana.

6. Shri Amrit Kumar Jain, M.C., Tohana.

7. Shri Santu Ram, M.C., Tohana.

8. Shri Lalu Ram, M.C., Safidon.

9. Shri Gaya Lal, M.C., Hodel.

10. Shri Bhagirath Lal Dukhi, M.C., Fatehabad.

11. Shri Nathi Ram, M.C., Hodel.

12. Shri Ram Singh, M.C., Rewari.

13. Shri Amar Nath, M.C., Rewari.

14. Shri Bishamber Dayal, M.C., Rewari.

15. Shri Brahma Nand, M.C., Rewari.

16. Shri Fateh Chand, M.C., Rewari.

17. Shri Neel Kanth, M.c., Pehowa.

New and upgraded Hingh Schools in the State

***654. Shri Randhir Singh:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Total number of Schools upgraded as High Schools during the year 1968-69 together with the names of the places where such schools are situated; and

(b) The number of new High Schools if any, opened in the State during this period?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) 68 Middle Schools were upgraded to

High Standard in 1968-69. The list of these schools is laid on the Table of the house.

(b) Nil.

List of Government Middle Schools upgraded to High Standard during 1969-69.

1. District Hissar

1. Kuri.
2. Kalirwan.
3. Samain.
4. Sarsod Bichpuri.
5. Dhansu.
6. Leghana.
7. Kaunt.
8. Bapora.
9. Mandholi Shoran Kalan.
10. Kanwari.
11. Jamwari.
12. Ranjawana.
13. Paniwala Motan.

14. Hijranwan Khurd.

2. District Mohindergarh

1. Akbarpur.
2. Banihari.
3. Budhwal.
4. Sarohi Behali.
5. Shamaspur.
6. Mandola (Actually not upgraded.)

3. District Rohtak

1. Ghanaur.
2. Moi.
3. Mahra.
4. Bhambewa.
5. Madna Kalan.
6. Achhej.
7. Roorki
8. Khanda.
9. Kansala.
10. Bidhlan.
11. Anwal

12. Meham.

13. Kahni.

14. Chiri.

4. District Ambala

1. Sauran.
2. Sahepur.
3. Rattewali.
4. Ledia.
5. Saran.
6. Jansui.

5. District Jind

1. Badsikri Khrud.
2. Doomarkha Kalan.
3. Bhartana.
4. Malwi.
5. Moorkhi.
6. Gangoli.
7. Ram Rai.

6. **District Karnal**

1. Badson.

2. Shamgarh.

3. Bastli.

4. Mathana.

5. Thaska Miran.

6. Kiwana.

7. Mandi.

8. Ahar.

9. Papnawa.

10. Agand.

11. Kheri Sharafali.

12. Harsola.

13. Rihara.

7. District Gurgaon

1. Khor.

2. Kanhori.

3. Dahina.

4. Chhainssa.

5. Kheri Kalan.

6. Mandkola.

7. Ghangola.

8. Bahmni Khera.

9. Mandi Khera.

Providing of Street Light in Villages

***645. Shri Hari Singh Yadav:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

Major Amir Singh Chaudhri: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) Whether the Street light will simultaneously be provided in the villages proposed to be electrified during the year 1969-70; and

(b) If not, details of the procedure for getting the street light and the prescribed tariff therefor?

Irrigation and Power Minister (Shri K.L. Poswal) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a). No.

(b). The street lighting is provided on the application of the Village Panchayat or any other local body concerned.

The tariff rates in respect of street lighting are as under:-

Energy charges Plus Line Maintenance

And Lamp renewal charges .. 18 Paise per KWH

(a) Ordinary Lamps

(i) Lamps up to 40 watts	..	Rs 2.00 per lamp per month
(ii) Lamps of 60 and 75 watts	..	Rs 2.25 per lamp per month
(iii) Lamps of 100 watts	..	Rs 2.50 per lamp per month
(iv) Lamps of 150 watts	..	Rs 2.75 per lamp per month
(v) Lamps above 150 watts and special lamps	..	Special quotation

(b) **Mercury Vapour Lamps**

(i) Lamps of 80 watts	..	Rs 8.50 per lamp per month
(ii) Lamps of 125 watts	..	Rs 9.00 per lamp per month
(iii) Lamps of 250 watts	..	Rs 15.00 per lamp per month
(iv) Lamps of 400 watts	..	Rs 17.50 per lamp per month

(c) **Flourscent Tubes**

(i) Double 2 ft. 20 watts	..	Rs 7.50 per point per month

(ii) Double 4 ft. 40 watts .. Rs 11.00 per point per month

(iii) Single 2 ft. 20 watts .. Rs 4.25 per point per month

Note:- In the case of street lighting supply to Village Panchayats, a rebate of twenty-five per cent over the standard tariff (i.e. energy charges and line maintenance and lamp renewal charges all categories) is allowed w.e.f. 1st April, 1964.

Post mortems in Mahindergarh District.

*__416. Major Amir Singh Chaudhri:__ Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that in the entire district of Mahindergarh, Post-mortems are authorized to be carried out at Dadri and Narnaul only; and

(b) If reply to part (a) above be in the affirmative, the reasons for not authorising all competent medical officers incharge of Hospitals and Health Centres in the district to conduct post-mortems in the areas falling unde their jurisdiction?

Minister for Health and Development (Chaudhri Khurshed Ahmed):

(a) Yes.

(b) Postmortems are permissible in places where mortuaries are available and facilities for storage of dead bodies

exist. In Mohindergarh District these facilities are available only at two places, namely, Narnaul and Dadri.

Utilisation of Sub-Soil Water for Irrigation purposes

***563. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be Pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that sub-soil water is available in Haryana in adequate quantities for irrigation; and

(b) Whether such water can be utilized for irrigation in all areas and if not, whether any steps are proposed to be taken by the Government for desalination of such water?

Irrigation and Power Minister (Shri K.L. Poswal):

(a) No. Sufficient underground water is not available in Haryana for irrigation purposes.

(b) (i) Wherever possible, the available ground water is being exploited for irrigation purposes.

(ii) Desalination of saline water is usually expensive and there is no proposal in this regard as yet under the consideration of the Government.

Nationalisation of Sugar Industry

***580. Dr. Malik Chand Gambhir:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is

any proposal under consideration of the Government to nationalise the sugar industry in the State?

कृषि तथा श्रम मंत्री (चौधरी रण सिंह): नहीं जी।

Saving from State Lotteries

***608. Shri Daya Krishan:** Will the Minister for Finance be pleased to state:-

(a) The amount, if any, saved by the Government out of the Haryana State Lotteries upto 31st December, 1969 ;

Finance Minister (Shrimati Om Prabha Jain): (a) Rs. 1,63,88,826.28 (b) Rs. 1,52,800.

University at Rohtak

***614. Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Health and development be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to establish a University at Rohtak ; if so, the time by which the same is likely to be established?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): There is no such proposal under consideration at present.

Cut in the Languages Department Staff

***655. Shri Randhir Singh:** Will the Minister for Finance be pleased to state whether any cut is being imposed on the staff of the Languages Department ; if so, the reason therefor ?

Finance Minister (Shrimati Om Prabha Jain): Yes, the reduction in the staff has been affected with a view to streamline the functioning of the department as also because the staff employed for the introduction of Hindi in the administration is no longer required.

Areas under Flood Water in Rohtak District

***646. Shri Hari Singh Yadav, Major Amir Singh Chaudhri:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) Whether there are any areas in Rohtak District where flood water is still standing.

(b) If so, the total acreage of all such areas in Rohtak District, together with village-wise break-up thereof ;

(c) Reasons for not de-watering the said areas before Rabi sowing ;

(d) Total estimated loss, if any, which the farmers of these areas are likely to bear for losing Rabi crop this year ; and

(e) The details of the steps, if any, the Government purposes to take to eliminate the chances of recurrence of floods in the said areas together with the time schedule therefor?

Irrigation and Power Minister (Shri K.L. Poswal): The requisite information is given below.

(a) Yes.

(b) Approximately 1,000 acres. Main villages affected are Ismaila, Sampla 500 acres, Rithal, 100 acres, Dhanana/Rindhana, 100 acres. Areas in other villages are small.

(c) Area under water comprises the local depression and ponds which are not connected with the drainage system of pumping station.

(d) Such ponds and depressions which are now under water are subjected to flooding every year and Rabi not sown. It is, therefore, difficult to give a realistic figure for loss of Rabi.

(e) Area has been inspected by the Irrigation and Power Minister and Chief Engineer, and a number of comprehensive drainage schemes have been drawn up. Some of these drains are, Rithal Link Drain, Dulehra Link Drain and Tributaries, Pakasma and Jassia drains with tributaries.

Work has been authorized on these drains. Small drains would be completed before the next rainy season and the bigger drainage system such as pakasma may take 2-3 years. Some essential link drains would also be excavated at Government cost.

Amount of Discretionary Grants of Chief Minister/ Ministers

***685. Chaudhri Chand Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) The total amount placed at the disposal of Chief Minister and other Minister out of the discretionary grants in the years 1968-69 and 1969-70 ; and

(b) The details of discretionary grants given by each Minister during 1968-69 and 1969-70 ?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) and (b) Requisite information is given in the statement below.

Statement

(a) Details of the funds placed at the disposal of the Chief Minister and Ministers from the Discretionary Fund finally for the year 1968-69 are as under:-

		Rs.
Governor	:	16,200
Chief Minister	:	1,00,000
Finance Minister	:	50,000
Agriculture and Labour Minister	:	31,000
Irrigation and Power Minister	:	30,400

Public Works Minister : 50,000

Health Minister : 50,000

Details of the funds placed at the disposal of the Chief Minister and Ministers for the year, 1969-70, are as under:-

		Rs.
Chief Minister	:	1,00,000
Finance Minister	:	47,000
Health and Development Minister	:	47,000
Irrigation and Power Minister	:	47,000
Agriculture and Labour Minister	:	47,000
Parliamentary Secretary, Irr. and power	:	28,000
Parliamentary Secretary, Transport	:	28,000
Parliamentary Secretary, Revenue	:	28,000
Parliamentary Secretary, Education	:	28,000

(b) Details of discretionary grants given by each Minister during 1968-69 and 1969-70 (up to 31st January, 1970) are given in the statements given below:

STATEMENTS

Sr. No.	Purpose with place and District	Amount of grant given Rs.	Executing Agency
1968-69			
Governor			
1	For the expansion of the building of Middle School, village Kanwari, Distt.	1100	D.C. Hissar
2	For the constructionof building of Chhaju Ram Memorial Jat Collage, Hissar	5100	Ditto
3	For the construction of two additional rooms in G.R.S.D. High School, Ambala	10000	D.C. Ambala
Chief Minister			

1	Constrution of village streets in Village Bushan, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Village Panchayat, through D.C., Hissar
2	Construction of Mahavir Dal Free Eye Hospital building at Karnal	5000	Mahavir Dal Karnal, in consultation with D.C., Karnal
3	Construction of Psras Harijans of Panashnan and panakhanaderao in Village and Post office Tigrana, Tehsil Bhiwani, District Hissar	4000	B.D.O., Bhiwani
4	For construction of a school building by the Gram Panchayat in Village Barahna, Tehsil Jhajjar, District Rohtak	5000	D.C., Rohtak, through Gram Panchayat, Barahna.
5	Construction of Library in the S.D.	5000	D.C., Gurgaon, through the

	College, Palwal, District Gurgaon		Management of S.D. College, Palwal
6	For making village streets pacca, village Dhani Daryapur, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar through Gram Panchayat, Daryapur
7	For making village streets pacca, village Daryaopur, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar, through Gram Panchayat, Daryaopur
8	For making village streets pacca, village Garampur, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar through Gram Panchayat
9	For making village streets pacca, Village Channa, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar through Gram Panchayat, Daryapur
10	For making village streets pacca, Village Khanik, Tehsil Bhiwani, District	2000	D.C., Hissar, through Gram Panchayat

	Hissar		
11	For the construction of a well in village Chhapur Jogian, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar through village Panchayat
12	For the construction of a well in village Jainawas, Tehsil Bhiwani, District Hissar.	2000	D.C., Hissar, through B.D.O., Tosham
13	For making village streets pacca, Village Sidhan, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar, through Gram Panchayat
14	For developmental works in Village Baghru Kalan, District Jind	2000	D.C., Jind, through Gram Panchayat, Baghru Kalan
15	For development works in Village Morkhi, District Jind	2000	D.C., Jind, through Gram Panchayat, Morkhi
16	For developmental works in Village Baghru Khurd,	2000	D.C., Jind, through Gram Panchayat,

	District Jind		Baghru Khurd
17	Construction of a Harijans Chopal at Village Dahina in Gurgaon District	2000	D.C., Gurgaon, through Gram Panchayat
18	For repair of a well in Village Bapora Tehsil Bhiwani, District Hissar	1500	D.C., Gurgaon, through Gram Panchayat
19	For construction of pacca streets in village Knawari, Tehsil Hansi District Hissar	2000	D.C., Hissar
20	For the construction of pucca streets in village Simli, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
21	For the construction of a pond for drinking water for cattle in village Devsar, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar, through Gram Panchayat
22	For construction of streets of Village	2000	D.C., Rohtak

	Bidhlan, Tehsil Rohtak, District Rohtak		
23	For the construction of chopal in village Bayanpur Tehsil Sonepat, District Rohtak	500	D.C., Rohtak through Gram Panchayat
24	For construction of Home Science Block in Hindu Girls College, Jagadhri, District Ambala	5000	D.C., Ambala
25	For the construction of Harijan Chopal at Village Titani, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar, through Gram Panchayat, Titani
26	For construction of building of S.D. College, Panipat, District Karnal	5000	D.C., Karnal
27	For construction of building of Maharana Partap College for women, Dabwali, District Hissar	5000	D.C., Hissar

28	For construction of pucca streets in village Mansarbar, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar
29	For construction of streets of Village Sarl Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Ditto
30	For providing amenities and recreation to the soldiers of 102 Infantry Battalion (T.A.) Ambala	2000	D.C., Ambala
31	For the construction of well for Balmiks in Village Dhatrat, Tehsil Rajaund District Karnal	2000	D.C., Karnal
32	For the construction of wells for use by Adh-dharmis in Village Dhatrat, Tehsil Rajaund, District Karnal	1000	Ditto
33	For the construction	1500	Ditto

	of wells for use by Harijans in Village Rajaund, District Karnal		
34	For the construction of the building of Jat High School, Thol, District Karnal	5000	Ditto
35	For the repairs of a well being used by Balmiks in Village Murtajpur, Tehsil Guhla, Police Station Pehowa, District Karnal	1000	Ditto
36	For the construction of a chopal for Harijans in village Charasa, Tehsil Sonepat, District Rohtak	1500	D.C., Rohtak
37	For the construction of well in village Dhatrat Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	D.C., Karnal
38	For the construction	1000	D.C., Hissar

	of well in village Behra, Tehsil Bhiwani, District Hissar		through Gram Panchayat
39	For A.S.D. High School, Narnaul (For the construction of school building)	2000	D.C., Mohindergarh
40	For construction of Khatik paras in village Kairu Tehsil, Bhiwani, District Hissar	1500	D.C., Hissar
41	For the making the streets pucca in Village Ghuskani, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Ditto
42	For the construction of Chaupal for Harijans of Dhanakan of village Ahulana Tehsil Sonepat, District Rohtak	1500	D.C., Rohtak
43	For providing amenities to the ex-servicemen of Hissar,	2100	The amount to be placed at the disposal of

	District Hissar		D.C., Hissar
44	For the construction of pucca streets and other Developmental works in village Seria, District Rohtak	2400	D.C., Rohtak
45	For library in village Gurukul Matindu, District Rohtak	1500	Ditto
Finance Minister			
1	Construction of well in the Basti of Sehnsi Village Padla, Tehsil Kaithal, District Karnal	2000	S.D.M. Kaithal
2	Installation of handpump in Basti Jhimran near talab in Village Bhuna, P.O.Peedal, Tehsil Guhla, District Karnal	300	B.D.P.O. Guhla
3	For the construction of Harijans well at Kasor Village,Tehsil Kaithal, District	1000	B.D.P.O. Chika,

	Karnal		
4	For the construction of Balmiki's well at Kasor Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	Ditto
5	For the construction of well in the Harijan Colony at Kangthali, Tehsil Guhla, District Karnal	300	B.D.P.O., Guhla (at Chika)
6	Completion of Harijan Dharamsala, at Bahadurgarh, District Rohtak	1100	S.D.O., Jhajjar.
7	For library books to Nav Yuvak Krishan Dramatic Club, Bahadurgarh, (through Murari Lal, President), Teshil Jhajjar, District Rohtak	250	S.D.O., (C) Jhajjar
8	For the construction of school building Vaish Kanya Pathshala, Smalkha, Tehsil Panipat,	5000	B.D.P.O., Smalkha

	District Karnal		
9	For the provision of electric fans, Andh Maha Vidyala, Hissar	1500	D.C., Hissar
10	For the construction of V.R. Bridge at R.D. 15,950, Bhatian Minor, Bhatian, Tehsil Guhla (Karnal)	1500	B.D.P.O., Guhla
11	For repair of school building, Harijan Dhanak Primary School, Rohtak	500	D.C., Rohtak
12	For the construction of school building, Jain Girls High School, Rewari, District Gurgaon	4000	S.D.M., Rewari,
13	For the extension of building Jain High School, Panipat, District Karnal	4000	S.D.M., Panipat
14	For the construction of building of Arya Kanya Maha Vidyalya, Shahabad Tehsil Thanesar, District	4000	B.D.P.O., Shahabad

	Karnal		
15	Pavement of streets in village Kalsana, Tehsil Thanesar, District Karnal	1000	B.D.P.O., Shahabad
16	Extension of the Building of Free Maternity Hospital by Shri Sanatan Dharam Mahabir Dal (Regd), Karnal	2000	S.D.M., Karnal
17	For the Pavement of Streets for village Dighal Tehsil Jhajjar, District Rohtak	5100	B.D.O., Beri
18	For provision of furniture in Janta High School, Ganaur, Tehsil Sonepat, District Rohtak	2500	S.D.M., Sonipat
19	For Kund fordrinking water for school children, Mandoli Kalan, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2500	S.D.M., Bhiwani

20	For the purchase of Library Books, Haryana Lok Manch, Tohana, District Hissar	2000	B.D.P.O., Tohana
21	For expansion of building of Nehru Children School, Charkhi Dadri, District Mohindergarh	2500	S.D.M., Charkhi Dadri
22	For the construction Panchayat Ghar, Piyala, Tehsil Ballabgarh, District Gurgaon	1900	B.D.O., Ballabgarh
23	To assist the Panchayat in the construction of Chopal, V. Gurera, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Sarpanch, Gram Panchayat Gurera.
24	To help the Panchayat for the construction of school building at Seomajra, Tehsil Guhla, Distric Karnal	2000	B.D.P.O., Guhla (Chika)
AGRICULTURE AND LABOUR MINISTER			

1	Repair and reconditioning of the Balmiki Chaupal in Harijan Basti, Jind	1000	President Municipal Committee, Jind
2	Extension of school building of D.A.V. School, Gurgaon	2000	D.C.
3	Construction of Harijans chopal, village Siwan, Tehsil Kaithal, District Karnal	2000	Sarpanch
4	Construction of drinking water village well for Balmiki Harijans, Village Khanda, Tehsil Kaithal, District Karnal	2000	Sarpanch, Khanda
5	Completion of Harijans chopal, village Siwan, Tehsil Kaithal, District Karnal	3000	B.D.P.O., Kaithal
6	Repair of Rangray Chamaran Chopal, village Pundri,	2500	Municipal Committee

	District Karnal		
7	Repair to the Balmiki Harijans well, village Sarhada. Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	Sarpanch
8	Completion of Chopal of Ravidasi Harijans, village Sarhada, Tehsil Kaithal, District Karnal	3000	Sarpanch
9	Extension of college Building of D.A.V. College for Women, Karnal	4000	D.C.
10	Completion of drinking water well for Balmiki Harijans, villages Alewa, Tehsil Kaithal, District Karnal	1500	Sarpanch
11	Construction of Drinking water well for Balmiki Harijans, village Lodhar, District Karnal	2000	Sarpanch

12	Completion of drinking water well for Ramdasia Harijans, Village Bahri, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	Sarpanch
13	Construction of a drinking water village well for Ravidasi Harijans, village Chuharpur, Tehsil Kaithal, District Karnal	2000	Sarpanch
14	Sinking of Tubewell in the Agricultural land allotted to Harijans under the centrally sponsored welfare scheme for Scheduled Castes, village Niwarsi Colony, Tehsil Thanesar, District Karnal	4000	District Harijan Welfare Officer
IRRIGATION AND POWER MINISTER			
1	For the installation of pumping sets for drinking purposes at	2100	Sarpanch, Gram Panchayat,

	village Dujana, District Rohtak		Dujana
2	For the purpose of Library books to the All India Hindu Mission, Jyotisar Gita Tirtha, Kurukshetra, District Karnal	2100	D.C. Karnal
3	For the construction of a bathing ghat at Gao Karan, Rohtak	3100	D.C., Rohtak
4	For the construction of culverts of village Pinana, tehsil Sonepat, District Rohtak	1100	Sarpanch, Gram Panchayat, Pinana
5	For the construction of culverts of village Piana, tehsil Soepat, District Rohtak	1100	Sarpanch, Gram Panchayat Bhainswan Khurd
6	For the purchase of Library books for Maharana Pratap College for Women Mandi Dabwali, District Hissar	2100	D.C., Hissar

7	For the construction of Balmiki well at Sarainam Dhar Kha, Tehsil Gohana, District Rohtak	200	Sarpanch, Gram Panchayat, Sarainam Dhar Khan
8	Constructio of Ramdasi Chopal at Saraiam Dhar Khan, Tehsil Gohana, District Rohtak	1100	Ditto
9	Construction of Dhanak Chopal at Khanpur Kalan, District Rohtak	1100	S.D.O. (C.) Gohana
10	For the construction of Nehru Block in Haryana High School, Sonepat, District Rohtak	5100	D.C., Rohtak
11	For pavement of streets ad costruction of nali of Village Garhi Ujale Khan, Tehsil Gohana, District, Rohtak	1300	Sarpanch, Gram Panchayat, Garhi Ujale Khan
12	For the ccconstruction of	2100	B.D.O., Uchana

	DDDharamsala at Dhaula Kuan District Jind		
13	For the construction of Pannchayat Ghar of Village Asoti, Tehsil Palwal, District Rohtak	2500	Sarpanch, Gram Panchayat, Asoti
14	Construction of Harija Dhanak Chopal at Khandrai, Teshil Gohana, District Rohtak	1100	S.D.O. (C.), Gohana
15	For the construction of Dhanak Chopal at Village Puthi, District Rohtak	2100	Ditto
16	For the construction of Chopal of Harijas i Village Sidhipur, Tehsil Bahadurgarh, District Rohtak	500	Sarpanch, Gram Panchayat, Sidhipur
17	For the Construction of street of Village Sidhipur, Tehsil Bahadurgarh, District Rohtak	600	Sarpanch, Gram Panchayat, Sidhipur

18	For repairs to the building of the Middle School, Bhamewa, Tehsil and District Jind	1100	D.C., Jind
PUBLIC WORKS MINISTER			
1	For water-supply Scheme for Bishambhar Lal High School, Khol, Tehsil Rewari, District Gurgaon	2500	District Education Officer, Gurgaon
2	For the construction of boundary wall of Primary School, Rai Malikpur, Tehsil Naraul, District Mahedergarh	2000	District Educatio Officer, Mahendergarh
3	For the costruction of boundary wall of High School at angal Durgu, Tehsil Narnaul (the building wall constructed by panchayat), District Mahendergarh	5000	Ditto
4	For the construction	5000	District

	of Hostel for Mukand Lal College, Yamuna agar, District Ambala		Educatio Officer, Ambala
5	For purchase f equipment etc. And construction of Dispensary, Kamalia Bhawa, Model Town, Panipat, District Karnal	1000	D.C.
6	For purchase of sports material, Village Atta, Tehsil Panipat, District Karnal	1000	Panchayat, village Atta
7	Construction of building of Gurukul Vidya Peeth, Gadpuri, Tehsil palwal, District Gurgaon	5000	District Educatio Officer, Gurgaon
8	For the purchase of medicines, library books etc. For Shri Bhagwad Bhakti Ashram, Jind	2000	D.C., Jind
9	For the purchase of libary books, and	2500	District Educatio

	additionn in the building, etc. Of jain High School, Rewari, district Gurgaon		Officer, Gurgaon
10	For purchase of sports goods and maintenance of sports fields, etc, to Gurgao District Badminton Association, Gurgaon	1500	D.C. Gurgaon
11	For School building, Dhani Kutabpur, Tehsil Hansi, District Hissar	1000	B.D.P.O., HANSI
12	For the purchase of Sanitary and electric fittings for Daya and Brahm Mahavidyalaya, Hissar	2000	D.C., Hissar
13	For the construction of additional building of Primary School, Jaurasi near Tauru, District Gurgaon	1000	B.D.P.O.
14	For the development of Gaushala, Gurgaon	1000	D.C., Gurgaon

15	For the purchase of medicines, food, etc. For the patients of the eye operation camp, Gurgaon	1500	D.C.
16	For the additional costructio of Middle School, Hassapur Jat near Tauru, District Gurgao	1000	B.D.P.O.
17	For meeting expediture of State Atheletic teams by the Asmateur Athletic Association, Haryana, Haryana State, Ambala Cantt.	1500	District Sports Officer
18	Repairs to village Pod, Patti Kalyaa, Tehsil Panipat,District Karnal	1000	Gram Panchayat
19	For Stadium of Gadhi Vidya Mandir G.R.R. College, Charkhi Dadri, District Mohindergarh	5000	District Educatio Officer, Mohindergarh

20	For extensio of building of F.C. College for Women, Hissar	2000	District Educatio Officer, Hissar
21	For the costructio of room in the second floor of Jain High School for Boys, Rohtak	2000	District Educatio Officer, Rohtak
22	For the extesio fo the existing building of Hindu High School, Rewari, District Gurgaon	1500	District Educatio Officer, Gurgaon
23	For the flooring, doors and coverigs of the three urooted rooms of the Modern Public High School, Rewari, District Gurgaon	2000	District Educatio Officer, Gurgaon
HEALTH MINISTER			
1	For the construction of Gandhi Vidya Mandir College Building, Charkhi Dadri, Tehsil Dadri,	8100	D.C., Mohindergarh

	District Mohindergarh		
2	For the Purchase of Medicines Sewa Samiti Ayurvedic Hosptal, Charkhi Dadri, District Mohindergarh	1000	Ditto
3	For the Purchase of furniture and equipment for the free Eye Camp, village Shabzadpur, Tehsil Naraingarh, District Ambala	500	S.D.O. (C.), Naraingarh
4	For the construction of Free Family Plannig Hospital, by Shri S.D. Mahavir Dal (Regd.), Karnal, Karnal	5000	D.C., Karnal
5	For the construction of reading room, village Kurali, tehsil Ballabgarh, district Gurgaon	7000	Village Panchayat, Kurali
6	For the Construction of Class Rooms of	2100	S.D.O.(C.), Gohana

	Haryana Public School, Gohana, District Rohtak		
7	For excavation of village tank, village Mattan (in Beri Constituecy) Tehsil Jhajjar, District Rohtak	1100	Gram Panchayat, Village Mattan
8	Purchase of library books for S.D. College, Palwal, District Gurgaon	5000	D.C.Gurgaon, through the management of S.D. College, Palwal
9	For the purchase of furniture, Shishu Shala, Rewari, District Gurgaon	200	S.D.O. (C.), Rewari
10	For purchase of articles of Cultural Programme, Hindu High School, Rewari, District Gurgaon	200	Ditto
11	For the purchase of Uniform of the Band Group, Shri Gauri datt Aggarwal Girls	200	Ditto

	Higher Secondary School, Rewari, District Gurgaon		
12	For the purchase of musical instruments and uniforms for cultural programmes, Rashtriya High and Basic Training School. Rewari, District Gurgaon	200	Ditto
13	For purchase of uniform of Band Group, Jain Girls High and Basic Training School. Rewaro. Dostroct Girgaon	200	Ditto
14	For purchase of furniture for medical room, Modern Public High School, Rewari, District Gurgaon	200	S.D.O. (Civil) Rewari
15	For the Construction of a Harijan well, village Tataheri, Tehsil Narnaul, District	1000	S.D.O. Civil, Narnaul

	Mahendergarh		
16	For the Construction of Harijan well, village Silarpur, Tehsil Narnaul, District Mahendargarh	1000	Ditto
17	For the Construction of a Harijans Dharamsala at Kaithal (in Harijan Basti near Sarvdev temple, Railway Station, Kaithal), District Karnal	2000	S.D.M., Kaithal
18	For the Construction of pacca streets, etc., village Bhushan Kalan, Tehsil Narnaul, District Mahendergarh	2000	S.D.O., Narnaul
19	For the Construction of pacca streets in village Talwani, Tehsil and District Hissar	2000	Sarpanch, village Talwani
20	For repairs of streets and roads, villages	2000	Gram Panchayat

	Chehar Kalan, Tehsil Bhiwani, District Hissar		Chehar kalan
21	For purchase of medicines for jain Dharamarth Charitable Aushadhalya, Rohtak	1000	S.D.O.(C), Rohtak
22	For the Construction of building and purchase of books for Bhajan Asharm Primary School, Bahadurgarh, Tehsil Jhajjar, District Rohtak	2000	S.D.O. (C.), Jhajjar
23	For the Construction of of Harijan Chopal, Kunjpura, Tehsil and District Karnal	1000	B.D.P.O., Karnal
24	For the Construction of Harijan Chopal, Kunjpura, Tehsil and District Karnal	2000	Ditto
25	For the Construction of school building Syed Chhapra, Tehsil	2000	Ditto

	and District Karnal		
26	For the Construction of pacca streets in the village (street chimaran, pana Roran), village Katlehri, Tehsil and District Karnal	1000	Sarpanch, Katlehri
1969-70 (upto 31-1-1970)			
Chief Minister			
1	For making village streets pucca, village Khapar ka Bas, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar
2	For making village streets pucca, village Golpura, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
3	For making streets pucca, village Khariya Bas, TEHSIL Bhiwani, District Hissar	1000	D.C., Hissar
4	For making streets pucca, village Simli,	2000	Ditto

	Tehsil Bhiwani, District Hissar		
5	For making streets pucca, village Bhamni Wali, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
6	For making streets pucca, village Bhakra, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1500	Ditto
7	For installing Pumping set in panchayat well Village Dharwan Bas, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Ditto
8	For repair of well, village Girwa, Tehsil Bhiwani, District Hissar	3000	Ditto
9	For making village streets pucca, village Dhani Mahu, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Ditto

10	For construction of Harijan Dharamshala, Village Rori, Tehsil Sirsa, District Hissar	1000	Ditto
11	For construction of Harijan Chopal, Village Bajina, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
12	For construction of Ghat, Village Khanpur Kalan, Tehsil Gohana, District Hissar	5000	D.C. through Manager, Bhagat Phool Singh Memorial College, Khanpur Kalan
13	For construction of well for Harijans (Chamar), Village Meham, Tehsil Gohana, District Rohtak	1000	D.C., Rohtak
14	For construction of Chopal for Balmikies, village Meham, Tehsil Gohana, District Rohtak	1000	Ditto

15	For construction of Harijan Chopal, village Bhadson, District Karnal	2000	Sarpanch, Bhadson through D.C., Karnal
16	For making Village streets pucca, village Kunjpura, District Karnal	2000	Sarpanch, Kunjpura, through D.C., Karnal
17	For construction of Chopal for Harijans, Village Sultanpur, Tehsil and District Karnal	5000	D.C., Rohtak
18	For construction of Chopal for Harijans, village Sultanpur, Tehsil and District Karnal	1000	D.C., Karnal
19	For making village streets pucca, village Khasapathana, District Hissar	2000	D.C., Hissar
20	For the purchase of machine and other equipment for the training of helpless women, village	1000	D.C., Ambala

	Yamunanagar, Tehsil Jagadhri, District Ambala		
21	For the construction of Chopal for Harijans, village Mandkola, Tehsil Nuh, District Gurgaon	1000	D.C., Gurgaon
22	For the construction of the building of Shri Sanatan Dharma Jagdish Kanya Uch Vidyala, Krishnanagar, Bhiwani, District Hissar	5000	D.C., Hissar
23	For making street pucca, village Biran, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	D.C., Hissar
24	For making street pucca, village Mandan, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
25	For making street	1500	Ditto

	pucca, village Khawa, Tehsil Bhiwani, District Hissar		
26	For making street pucca, village Alampur, Tehsil Bhiwani, District Hissar	2000	Ditto
27	For making street pucca, village Jainawas, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1000	Ditto
Finance Minister			
1	For completion of Janta High School Building, Tehsil Sonepat, District Rohtak	2000	B.D.O., Ganaur
2	For additions and alterations in the College building (Braj Mandal College, Hodel), Hodel, Tehsil Palwal, District Gurgaon	2500	D.E.O., Gurgaon

3	For expansion of Kanya Gurukul Building, Khanpur, Tehsil Gohana, District Rohtak	4000	D.E.O., Rohtak
4	For expansion of Hindu Girls Higher Secondary School Building, Kalka, District Ambala	2000	D.E.O., Ambala
5	For additions and alterations in Middle School Building, Isharwal, Tehsil Bhiwani, District Hissar	1500	S.D.M., Bhiwani
6	For additions in Modern School Building, Kaithal (under the auspices of Bal Shiksha Samiti, Kaithal), Kaithal, District Karnal	6000	S.D.M., Kaithal
7	Extension of the building of S.D. Adarsh Jain Kanya Mahavidyala and	2000	D.E.O., Ambala

	Girls Jr. Basic Training Istitute, Sadhaura, Tehsil Naraingarh, District Ambala		
8	Construction of the Maharana Partap College for Women Building Mandi Dabwali, Tehsil Sirsa, District Hissar	1000	B.D.O., Mandi Dabwali
9	Construction of Ramdasi Dharamsala at Village Serta, Tehsil Kaithal, District Karnal	500	B.D.O., Kaithal
10	Construction of Harijan Dharamsala, Village Peoda, Tehsil Kaithal, District Karnal	500	Ditto
11	Installation of Handpump in Balmiki Basti, Village Kalsana, Tehsil Thanesar, District Karnal	300	B.D.O., Shahabad

12	Construction of Harijan Dharamshala, Jind	500	B.D.O., Jind
13	Additions to the school building of the Samaj Kalyan High School, Rohtak, Tehsil Sonepat, District Rohtak	1100	B.D.P.O., Sonepat
14	Construction of a children Park at Jakhauli, Tehsil Sonepat, District Rohtak	1100	B.D.P.O., Rai
Agriculture and Labour Minister			
1	Extersion of Library Building of Partap Public Library, Karnal	1000	S.D.O. (C.), Karnal
2	Construction of Haryana High and Basic Training School Building, Sonepat, District Rohtak	1000	S.D.O. (C.), Sonepat
3	Construction of Ravidasia Harijan Chopal at Ratauli, Tehsil Kaithal,	1000	B.D.P.O., Assandh

	District Karnal		
4	Construction of well for Ravidasia Harijans at Kathana, Tehsil Kaithal, District Karnal	1500	Sarpanch
5	Repair to the Ravidasia Harijans well at Pegan, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	Sarpanch
6	Construction of Balmiki Harijans Chopal in village Gheer, Tehsil and District Karnal	1000	B.D.O., Karnal
7	Construction of D.A.V. College, Pundri, Tehsil Kaithal, District Karnal	4000	D.C., Karnal
8	Construction of R.K.S.D. College Building, Kaithal, District Karnal	2500	S.D.O. (C.), Kaithal
9	Repair to the well of Ravidasia Harijans at	1000	Sarpanch

	Village Popran, Tehsil Kaithal, District Karnal		
10	Construction of Ravidasia Harijans Chopal at Bara Gaon, District Karnal	1000	B.D.O., Karnal
11	Construction of drinking water well for Balmiki Harijans, Shingara Patti at Chhattar, village Chhattar, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	B.D.P.O., Rajaund
12	Construction of drinking water well for Ravidasia Harijans, Village Iodhar, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	Ditto
13	Construction of building for S.D. Kanya Maha Vidyala, Narwana, District Jind	2000	S.D.O. (C.), Narwana

14	Construction of Ravidasia Harijans Chopal at village Sangatpura, Tehsil Guhal, District Karnal	2000	B.D.P.O., Guhla
15	Repair of well for Ravidasia Harijans of Ahlan Patti Membran Bara Bagar at Naguran, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	B.D.P.O., Rajaund
Irrigation and Power Minister			
1	For repairs to Dispensary Building, Village Bhandwari, Tehsil and District Gurgaon	1000	B.D.O.
2	For the improvement of Adarsh Bal Vidyala School, Gurgaon	2100	D.E.O., Gurgaon
3	Installation of a handpump to provide drinking water for Harijans, Village Keorak, Tehsil	500	B.D.P.O., Kaithal

	Kaithal, District Karnal		
4	To help the Panchayat in the Construction of building of High School, Bhaslan, District Jind	2000	D.E.O., Jind
5	For the development of Gurukul Vidyapeeth Bhainswal Kalan, Tehsil Gohana, District Rohtak	1000	D.E.O., Rohtak
6	For the development of school building, Sohna, District Gurgaon	3000	D.E.O., Gurgaon
7	For the development of Dayanand Model School, Faridabad N.I.T. Tehsil, Ballabgarh, District Gurgaon	1000	Ditto
8	For extension of the exising building of parupkar Arya Homeo Hospital, New Colony, Gurgaon	500	C.M.O., Gurgaon

9	To help the panchayat in the construction of building of Primary School, Village Haria Hera, District Gurgaon	2500	B.D.O.,Sohna
10	For purchase of science apparatus and equipment for Mohindergarh Degree College, Mohindergarh	2500	D.E.O., Mohindiergarh at Narnaul
11	For the construction of Primary School Building, Dhanipal, Tehsil Hansi, District Hissar	500	B.D.O., Hansi
12	For purchase of fans, electricity fittings and furniture of Bharat Tek Girls High School, Rohtak	1000	D.E.O., Rohtak
13	For the improvement of Braj Mandal College, Hodel, District Gurgaon	2000	D.E.O., Gurgaon
14	To help the Panchayat	1500	D.E.O.,

	in the construction of High School Building of V. Barwala, Tehsil Kalka District Ambala		Ambala
15	For the purchase of medicines for Jain Aushadhalaya, Bara Bazar, Rohtak	900	C.M.O., Rohtak
Health and Development Minister			
1	For construction of street Chamaran Pana Rajput, Village Katlehri, District Karnal	1000	B.D.P.O., Nisang
2	For purchase of Library books in Janta Library, Bawal District Gurgaon	1000	S.D.O. (C.), Rewari
3	For the construction of tank village Sangani, Tehsil Rewari, District Gurgaon	1000	B.D.P.O., Bawal
4	For construction of tank in village Dera, Tehsil Naraingarh,	1000	B.D.P.O., Naraingarh

	District Ambala		
5	For construction of approach road, village Kara Sahab, District Karnal	1000	B.D.P.O., Guhla
6	For construction of School Building, Village Ferozepur Nimak, Tehsil Nuh, District Gurgaon	2500	B.D.P.O., Nuh
7	For construction of Khaik chopal, Village Kairu, TEHSIL Bhiwani, District Hissar	1000	S.D.O. (C) Bhiwani
8	For construction of Panchayat Ghar, Village Dimorkhan Kalan, Tehsil Narwana, District Jind	2000	B.D.P.O., Uchana
9	For construction of Balmiki Chopal in Village Sarhada, Tehsil Kaithal, District Karnal	1000	B.D.P.O., Kaithal

10	For construction of Pacca streets, village Khandewla, Tehsil Gurgaon	1000	B.D.P.O., Pataudi
11	For construction of approach road, Village Siana Saidan, Tehsil Thanesar, District Karnal	1000	B.D.P.O., Thanessar
12	For construction of Ladies Wing in Sir Tek Chand Club, Rewari, District Gurgaon	1000	S.D.O. (C), Rewari
13	For channel in the Agricultural Farm of B.L. High School, Khol, Tehsil Rewari, District Gurgaon	1000	Ditto
14	For publication of Magazine and Books by the Bazam-e-Adab, Jind	1000	D.C., Jind
15	For purchase of library books for Amar Sanskrit Vidyala, Pataudi,	1000	S.D.O. (C.), Rewari

	Tehsil Rewari, District Gurgaon		
16	To meet part of the expenditure incurred by the Lions Club, Gurgaon, On the Free Eye Operation Camp, Gurgaon	2100	S.D.O. (C.), Gurgaon
17	For pavement of streets of Village AKBARPUR, Tehsil Narnaul	1000	S.D.O. (C.), Narnaul
18	For construction of pucca streets in Village Ter, Tehsil Ferozepure Jhikra. District Gurgaon	2100	B.D.P.O., Punhana
19	For purchase of equipment for the Haryana state Basket Ball Association, Kurukshetra, Tehsil Thanesar, District Karnal	500	S.D.O. (C.), Thanesar
Parliamentary Secretary, Irrigation and Power			
1	For the completion of Harijan chorpal in	1000	B.D.O., Rai

	village Kabirpur, Tehsil Sonepat, District Rohtak		
2	Construction of Hospital Building Of Janta Dharmarth Hospital, Sonepat, Mandi Sonepat, District Rohtak	1500	S.D.O. (C.), Sonepat
3	For the construction of Village Chopal, village Ladpur, Tehsil Sonepat, District Rohtak	500	B.D.O., Rai
4	In connection with quincentenary celebration of Guru Nanak by Shri Guru Nanak Mission Parchar Sabha, 2-Sujan Singh Park, Sonepat, District Rohtak	1100	S.D.O. (C.), Sonepat
5	For filling up a pond in the Harijan Basti and other improvements in the locality in village	1000	Ditto

	Shahpur Turk, Tehsil Sonepat, District Rohtak		
6	For the purchase of medicines and equipment for the local private dispensary, Village Lohari, Tehsil Jhajjar, District Rohtak	1000	Chairman, panchayat Samiti, Sahlawas, through D.C., Rohtak
7	For the deepening of Pond for drinking water, Village Manglore, Tehsil Naraingarh, District Ambala	500	Sarpanch, Gram Panchayat, Manglore through D.C., Ambala
Parliamentary Secretary, Transport			
1	Repair/addition of school building, Village Inda Chhui, District Hissar	1000	Sarpanch, Gram Panchayat, Inda Chhui
2	Repair of Diggi in school compound, village Dhingtana, District Hissar	400	Sarpanch, Gram Panchayat, Dhingtana

3	Repair/addition of school building, village Baibelpur, District Hissar	2000	Sarpanch, Gram Panchayat, Baibelpur
4	For the purchase of medicines, Dharamarth Aushadalya, Nagar Panchayat, Dev Nagar, Sonepat, District Rohtak	1000	C.M.O., Rohtak
5	Construction of Student Hostel, Kurukshetra, Tehsil Thanesar, District Karnal	5000	S.D.M., Thanesar
6	Construction of Hathai, village Balak, Tehisl and District Hissar	1000	Sarpanch, Gram Panchayat, Balak
7	Construction of Hathai, Village Sarsaud, Tehsil and District Hissar	500	Sarpanch, Gram Panchayat, Sarsaud
Parliamentary Secretary, Revenue			
1	For the construction of a shed for use by	500	D.C., Ambala

	Harijans, Village Uncha Chandua, Rly. Stn. Mustafabad, Tehsil Jagadhri, District Amabal		
2	For the purchase of books by Harijan Students of Lakshmi Devi Arya Girls High School, Ambala Cantt.	500	Ditto
3	For the construction of a Harijan well village Kalpi, Tahsil and District Ambala	500	Ditto
4	For the construction of a well in the locality of Majri of Shri Jyoti Ram, Lambardar, village Bihta, Tehsil and District Ambala	500	Ditto
5	For the repairs of well of school, Kunjal Jattan, Village Hafazpur, Tehsil Jagadhri, District	500	Ditto

	Ambala		
6	For the repairs of the well of the Ashram, village Radaur, District Karnal	500	D.C., Karnal
7	For the construction of street roads of village Adhoya, Tehsil Ambala	1000	D.C., Ambala
8	For the repairs of well, Majri Ramdasian, village Sabga, Tehsil Ambala	500	Ditto
9	For the repairs of Harijan well, village Shahlapur, Tehsil and District Ambala	500	Ditto
10	Uniforms to be supplied to poor students of the Milap Bai Sangh, Jagadhri, District Ambala	500	Ditto
Parliamentary Secretary, Education			
1	Construction of well for Balmikis, Village Jandola, Tehsil	500	B.D.P.O., Pundri

	Kaithal, District Karnal		

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Patients suffering from Skin Diseases/ Leprosy

255. Shrimati Chandravati : Will the Minsiter for Health and Development be pleased to state:-

(a) The number of patients suffering from skin diseases at present registered at various hospitals/ dispensaries in the State Together with the number of those suffering from leprosy ;

(b) Whether the patients suffering from leprosy have been isolated after conducting the necessary survery?

Health and Development Minister: (Chaudhri Khurshed Ahmed)

(a) The number of patients suffering from:-

(i) Skin diseases .. 158846

(ii) Leprosy .. 232

(b) Only one patient has been isolated because the remaining patients were getting effective treatment and were of migratory nature. There is no danger of spread of the disease from the other231 patients.

T.B. Patients/T.B. Hospitals in the State

256. Shrimati Chandravati : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) The number of T.B. Patients at present registered at various hospital/dispensaries in the State together with the number of T.B. hospital in the State ; and

(b) Whether the Government propose to have T.B. departments in each hospitals for the treatment of T.B. Patients ?

Health and Development Minister : (Chaudhri Khurshed Ahmed) (a) (i) 21435 T.B. Patients. (ii) There is One T.B. Hospital & eight T.B. Clinics in the State. (b) There is no necessity to open a T.B. Department in each hospital in the State as existing arrangements are adequate.

Percentage of People suffering from Rheumatism in the State

257. Shrimati Chandravati : Will the Minister for Health and Development be pleased to state whether any survey in connection with the patients suffering from rheumatism has been conducted : if so, the percentage of people suffering from this disease in the State ?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed) : No.

Dadri Girls Industrial Training Institute

283. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) The year when Dadri Girls Industrial Training Institute was set up ;

(b) Whether the said institute is housed in a private unhygienic and dilapidated building;

(c) If reply to part (b) above be in affirmative, whether Government proposes to construct a new building thereof; and

(d) If so, the time required therefor ?

Agriculture and Labour Minister : (Chuudhri Ram Singh) :

(a) 1965.

(b) The institute is housed in a private building but it is not un-hygienic or dilapidated.

(c) At present there is no proposal under the consideration of Government for the construction of a new building for the said Industrial Training Institute.

(d) Does not arise.

Appointment of Class IV employees in A.I. Centres in Mohindergarh District

284. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Finance be pleased to state:-

(a) Whether the Class IV employees required for Mohindergarh District A.I. Centres are taken from the areas other than Mohindergarh District; and

(b) If so, reasons therefor and if not, the number of posts of Class IV employees of the said. A.I. Centres which fell

vacant during the last two years and names and addresses of persons belonging to Mohindergarh District who were absorbed against such posts ?

Finance Minister (Shrimati Om Prabha Jain) : (a) No; and (b) During last two years, no post of years, no post of class IV employees of the said A.I. Centres fell vacant and as such question of absorption of any person against such post does not arise.

Entry of unauthorized persons in Government Girls Higher Secondary School, Dadri

285. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister of Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether any unauthorized men entered the premises of the Hostel of the Government Girls Higher Secondary School, Dadri, at night sometime in December/ January last;

(b) If so, details of the case and the action, if any, taken by the authorities concerned in that behalf; and

(c) Details of the steps, if any, the Government proposes to take to avoid recurrence of such incidents ?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed); (a) No. (b) and (c) Question does not arise.

Case of Embezzlement in Dadri Government Girls Higher Secondary School

286. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether any case of embezzlement of money collected for small savings deposits from girl students of J.B.T. Class of Dadri Government Girls Higher Secondary School has come to the notice of the authorities concerned;

(b) If so, details thereof together with the action, if any, taken against the defaulter; and

(c) The steps the Government Proposes to take to avoid such incidents in future?

Minister for Helath and Development (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) Yes. (b) The amount was collected through the lady teacher-incharge of J.B.T. Class who was employed on six months' basis. She left service without any notice on 21st July, 1969. The embezzlement came to the notice of the Principal of the School on 9th August, 1969 and she contacted the said teacher immediately. The defaulting teacher admitted here lapse and sent Rs. 300 (Rupees three hundred only) to the Principal. The exact amount which has been embezzled will be known after the enquiry instituted in this case is completed. Action against the defaulter will, however, be taken on receipt of the enquiry report.

(c) The Heads of Educational institutions/ offices have again been instructed to be vigilant in such matters and not to entrust such task to officials appointed on six months' basis.

Grant of Merit Scholarships

287. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether merit scholarships granted by Haryana Government are subject to some sort of Income Bar ; if so, details thereof;

(b) Whether similar Income Bar as mentioned in part (a) above, is imposed by the Punjab and Kurukshetra Universities also on merit scholarships granted by them; and

(c) If reply to part (b) above be in negative, whether the Government proposes to reconsider this issue afresh to bring the terms and conditions governing the grant of merit scholarships at par with those of the aforesaid Universities ?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed) :

(a) Yes.

(i) At Schools Stage Parents'/ guardians income upto Rs. 5000 per annum.

(ii) At Schools Stage Parents'/ guardians income upto Rs. 6000 per annum.

(b) No.

(c) No.

Liquidated Co-operative Societies/ Concerns

288. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) District-wise number of co-operative societies and other co-operative concerns registered under the Punjab Co-operative Societies Act liquidated during the period from 1st April, 1969 to 31st ;

(b) District-wise number of liquidated co-operative societies and other co-operative concerns the cases of which were finalized during the period 1st April, 1969 to 31st December, 1969 and the relevant files thereof consigned to records;

(c) Reasons for disparities, if any, from district to district in the disposal of the number of cases mentioned in (b) above, together with the details of the action, if any, taken against the defaulters;

(d) District-wise total number of cases of liquidated cooperative societies and other cooperative concerns which were still pending on 31st December, 1969 and

(e) The steps if any, the Government propose to take to expedite the disposal of the pending cases mentioned in part (d) above?

विकास मंत्री (चौधरी सरूप सिंह): (क) पंजाब कोआपरेटिव सोसाईटीज एक्ट के अधनी जिला अनुसार पंजीकृत कोआपरेटिव सोसाईटीज जिनको परिसमापन में (1–4–69 से 31–12–69) पाया गया है, उनकी सूचनी अनैक्श्चर 'क' पर दी गई है।

(ख) जिला अनुसार कोआपरेटिव सोसायटीज जिका पूर्ण समापन (1–4–69 से 31–12–69) को हो चुका है और रिकार्ड बन्द हो चुका है उनकी सूची अनैक्श्चर 'ख' पर दी गई है।

(ग) प्रत्येक जिला में कुल समितियों की संख्या भिन्न भिन्न होने के कारण परिचित समितियों की संख्या समान नहीं हो सकती। परिसमापन समितियों के विरूद्ध जो कार्यवाही की जा रही है वह पैरा (घ) में नीचे दी जा रही है।

(घ) 31–12–69 तक कुल सोसाईटियों जिनका पूर्ण पूर्ण समापन नहीं हुआ और जिन पर कार्यवाही जारी है जिला अनुसार अनैक्श्चर 'ग' पर दी गई है।

(ड़) इन समितियों को जल्दी समाप्त करने के लिये अधीनस्थ तथा क्षेत्रीय कर्मचारी वर्ग को अनुदेश कर किये गये है और इस काम को पूरा करने के लिए वर्तमान कर्मचारियों में से अमला को लेकर प्रत्येंक जिला में लगा दिया गया है। काम को पूरा करने के लिये उचित लक्ष्य बना दिये हैं। विशेष रूप से प्रगति की जांच करने के लिये मुख्यालय तथा मण्डल अधिकारी को कहा गया है।

Annexure 'A'

Sr. No.	Name of District	District-wise number of Cooperative Societies and other Cooperative Concerns Registered Under the

		Punjab Cooperative Societies Act Liquidated During the period from 1st April, 1969 to 31st December, 1969 (a)
1	Ambala	61
2	Karnal	15
3	Gurgaon	39
4	Rohtak	65
5	Hissar	38
6	Jind	13
7	Mohindergarh	4
	Total	235

Annexure 'B'

Sr. No.	Name of District	District-wise number of liquidated Cooperative Societies and other Cooperative Concerns, the cases of which were finalized during the period 1st April, 1969 to 31st December, 1969 and the relevant files thereof consigned to records (b)
1	Ambala	29

2	Karnal	28
3	Gurgaon	33
4	Rohtak	17
5	Hissar	33
6	Jind	14
7	Mohindergarh	9
	Total	163

Annexure 'C'

Sr. No.	Name of District	District-wise total No. of cases of liquidated Cooperative Societies and other Cooperative Concerns which were still pending on 31st December, 1969 (c)
1	Ambala	311
2	Karnal	469
3	Gurgaon	437
4	Rohtak	404
5	Hissar	357
6	Jind	105

7	Mohindergarh	90
	Total	2173

Cases of Pilferage/ Theft of Stores/ Corruption, etc. detected in Haryana State Electricity Board

289. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for lrrigation and Power be pleased to state:-

(a) Year wise number of cases, if any, of pilferage and theft of stores, leaage of revenue, embezzlement and corruption, detected in the Haryana State Electricity Board together with details of the financial implication since the time the said Board was set up;

(b) Year wise number of cases out of (a) above where the defaulters could be got successfully prosecuted of punished departmentally together with the details of stores and the money recovered;

(c) Year wise number of cases, if any, out of (a) above which remained untraced; and

(d) The details of steps the Board Proposes to take to overcome the problem?

Irrigation and Power Minister (Shri K.L. Poswal):

(a)

1967-68	1968-69	1969-70

Number of cases	Value involved	Number of cases	Value involved	Number of cases	Value involved
71	Rs. 62911	84	Rs. 95856	101	Rs. 150616

(b) In one case relating to the year 1968-69, the culprit was convicted. Case recoveries were made in seven cases as under:-

	1967-68	**1968-69**	**1969-70**
1. Number of cases	3	2	2
2. Value involved	Rs. 7640	Rs. 1107	Rs. 3537

(c).	**1967-68**	**1968-69**	**1969-70**
	64	79	99

(d) Security measures at various Stores of the Board are being tightened further.

Taking over of School Building constructed by Village People etc. by the Government

290. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether the Government has taken over all such buildings of Government Schools which were either constructed by village people of the local philanthropists;

(b) If not, the reasons therefor;

(c) Whether it is a fact the a number of buildings are lying in dilapidated condition; and

(d) If so, the details of the steps, if any the Government proposes to take to overcome the problem?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) No. (b) The Panchayats in most of the cases have not passed resolutions for transferring the Building to Government.

(c). Yes. There are a few schools which are functioning in dilapidated buildings.

(d) Department can spend on the repairs of these buildings only when these are taken over by the Government and brought on P.W.D. Books However, matching grants have been given by the Government for the repairs of such buildings.

Construction of Link Road, Village Mehra to Dadri-Satnali in Mahendergarh District

291. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) Whether the construction of link road from village Mehra to Dadri-Satnali in Mohindergarh District is included in the Fourth Five-Year plan;

(b) If so, the total estimated cost of the said road together with the amount contribution; if any, recoverable from the beneficiaries;

(c) The details of the amount of benificiaries share, if any, that has since been paid together with the balance, if any, payable;

(d) Whether any concession as admissible to the benificiaries of famine-affected areas was also allowed in this case; if not, the reasons therefor; and

(e) Whether construction work on the said road has since been started; if not, the reasons therefor together with time-schedule for the construction thereof?

Agriculture and Labour Minister (Chaudhri Ram Singh):

(a) Yes.

(b) The total estimated cost is Rs. 237700 and the beneficiaries have to deposit ¼ share of Rs. 59425 in the form of land, earthwork and/or cash. Half of this will be in shape of case and the remaining half in shape of land and earthwork.

(c) Rs. 52000 have been deposited as beneficiaries share as cash, cost of land, etc, and Rs. 7425 is due as balance.

(d) The concession was allowed.

(e) Work is being taken in hand and will be completed by 1971-72 provided the beneficiaries deposit their share completely.

Completion of certain Approach Road in Dadri Tehsil

292. Major Amir Singh Chaudhri : Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) The Latest position regarding completion of the following roads in Dadri Tehsil of Mahindergarh district:

1. Prchopa kalan Approach Road

2. Balali Approach Road

3. Badal Approach Road

4. Tiwala Approach Road

5. Siswala Approach Road

6. Bhandwa Approach Road

(b) The reasons if any, for delay and the steps, if any proposed to be taken to expedite works in each case?

Minsiter for Agriculture and Labour (Chaudhri Ram Singh): (a) The statement is laid on the Table of the House. (b) There is no delay.

STATEMENT

1. PICHOPA KALAN APPROACH ROAD

Actually this road is from Dadri-Loharu road to village Pichopa Kalan. The road is included under the Market Committee Road Scheme. Its length is 4.20 K.M. and the estimated cost is Rs. 139600. The bena ficiaries have not deposited any amount so far share in the shape iof free land and earth work and another 25 per cent share against their 75 per cent share is deposited by the Market Committee. The work will be completed by 1970-71 provided full share is deposited by the Market Committee and villagers immediately.

2. BALALI APPROACH ROAD

Actually this is from Balali to Jhojju Kalan. It is included in the 4th Five-Year Plan 1969-74 under the village Approach Road Sheme. Its length is 0.80 K.M. and the estimated cost is Rs. 0.32 lacs. The State share is Rs. 0.24 lace. No amount has been deposited by the beneficiaries and as such work has not been taken in hand. The work will be completed in 1970-71 provided full share is deposited by the villagers immediately.

3. BADLA APPROACH ROAD

Jojju Kalan to Badal Road is included under the Market Committee Road Scheme its length is 3.00 K.M. and the estimated cost is Rs. 105800. The construction work is already in hand and it will be completed in 1970-71.

4. TIWALA APPROACH ROAD.

5. SISWALA APPROACH ROAD

This raod is from Birhi to Siswala via Tiwala. This is included under the Famine Relief Scheme. Its length is 6 K.M.

and estimated cost is Rs. 302600 Earth work, supplies of stones & soling and wearing have been completed. The work will be completed by Septmeber,1970.

6. BHANDWA

The construction of Dadri-Loharu road to village Bhandwa in Dadri Tehsil in Mohindergarh District is included under the Market Committee Road Scheme at an estimated cost of Rs. 35100. Its length is 1.05 K.M. The villagers have not contributed their share in the shape of free land and earthwork. The Market Committee has also not deposited its shar. The road will be completed in 1970-71 provided villagers/Market Committee contribute/deposit their share immediately.

Metalling of road in Dadri Tehsil

293. Major Amir Singh Chaudhry: Will the Minister for Agriculture and labour be pleased to state:-

(a) The reasons for not metalling the following roads in Dadri Tehsil:

1. Mankawas	Charkhi Approach Road;
2. Ramwalwas	Approach Road;
3. Chandani	Approach Road;
4. Rudrol	Approach Road;
5. Asawari	Approach Road and

(b) Whether money is proposed to be provided from Famine Relief Fund for the metalling of the roads mentioned in (a) above?

Minister for Agriculture and Labour (Chaudhri Ram Singh): (a) A statement showing the position is placed on the Table of the House.

(b). No.

STATEMENT

1. MANKAWAS-CHARKHI APPROACH ROAD

Mankawas-Charkhi road stands provided in the 4th Five-plan under the village roads New Scheme. Its length is 4.80 K.M. and the estimated coast is Rs. 1.92 lacs. The state share is Rs. 1.44 lacs. The beneficiaries have not deposited any amount so far towards thir share. As such construction work on this road has not been taken in hand.

2. RAMWALWAS APPROACH ROAD.

3. CHANDANI APPROACH ROAD.

4. RUDROL APPROACH ROAD.

5. ASAWARI APPROACH ROAD.

None of the roads mentioned above is included in any of the plan/non-plan and Famin Schemes.

Persons enlisted as voters by payment of stamp duty

299. Shrimati Chandravati: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the number of persons who got themselves enlisted as voters by paying the necessary stamp duty after the formation of Haryana State?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): 216998.

Construction of Hosptial at Mahindergarh

303. Shri Hari Singh Yadav : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal to construct a hospital at Mahindergarh, If so, the details thereof; and

(b) The time by which the construction of the hospital referred to in part (a) above is likely to be completed?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed):

(a) Yes. It will be 25-bed hospital at a cost of Rs. 554000.

(b) No target date can be laid down. The construction of the hospital is likely to be completed during the Fourth plan period.

Construction of Roads in Mahindergarh District

304. Shri Hari Singh Yadav: Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state the names of

roads, if any, proposed to be constructed in District Mohindergarh during the current year together with the names

Minister for Agriculture and Labour (Chaudhri Ram Singh): A list of roads proposed to be constructed during the current year 1969-70 and those already under construction is placed on the table of the House.

STATEMENT

I. NEW ROADS PROPOSED DURING 1969-70

1. Bhardra-Singhani Road.
2. Chirya-Kanina Road.
3. Nangal Durga-Masnota Road.
4. Chirya-Bahu Road.
5. Nizampur-Bamanwas-Makhuta Road.
6. Rupgarh-Chhappar Road.
7. Sanjarwas-Sanga Road.
8. Narnaul-Nangal Durga Road to Dholera via Meghot Binga.
9. Narnaul-Nizampur Road to Rambas.
10. Pachnota to Mashota Road.
11. Karoli to Maroli Road.
12. Narnaul-Nangal Chowdhry Road to Dholera Via Begopur.

13. Chandpur to Ganyar Road.
14. Narnaul-Rewari Road to Bocharya.
15. Satnali Approach Road.
16. Narnaul to Shekhupur Road.
17. Birhi to Siswal Road.
18. Akhtiarpur Approach Road.
19. Kheri Butter Road.
20. Samaspur Approach Road.
21. Kakroli-Hukmi Road.
22. Mori Balkana approach Road.
23. Pabladgarh Approach Road.
24. Atela Kalan Approach Road.
25. Rasulpur Gudda Road.
26. Mahindergarh Mandi to Rewasa Approach Road.
27. Chandpur to Bazar Road.
28. Narnaul-Singhana Road to Bankri and Dochana.
29. Santokhpura Patuwas Road.
30. Kanina-Ateli Road to Gujarwas.
31. Narnaul-Behror Road.
32. Bhogawas to village Bhoha.

II. ROADS ALREADY UNDER CONSTRUCTION

1. Jhojju-Satnali Road

    a) Section 0-11.27 K.M.

    b) Section 11.27-20.00 K.M.

    c) Section 20.00-2712 K.M.

2. Nasibpur-Dharson Road.

3. Faizabad- Seema Kanina Road.

4. Shamaspur-kaliwas Road.

5. Satnali-Loharu Road.

6. Nayagon-Bail Road.

7. Nawan-Dalanwas Road.

8. Dudiwala Approach Road.

9. Kamodh Approach Road.

10. Hui approach Road.

11. Deroli Ahir approach Road.

12. Seema-Dablana Road.

13. Kanina – Kakrala Road.

Supersession of Municipal Committee, Hissar

305. Lala Balwant Rai Tayal : Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) The date on which the Municipal Committee, Hissar was superseded;

(b) The reasons for which the said Municipal Committee was superseded; and

(c) The time by which the Government intends to hold elections to the said Municipal Committee?

Health and Development Minister (Chaudhri Khurshed Ahmed): (a) 22nd July, 1968.

(b). The reasons are given in the schedule attached to notification No. 4090-3CI-68/16946, dated the 22nd July, 1968, a copy of which is laid on the table.

(c) A proposal for the redelimitation of the wards of this town is under way. Elections to this Committee shall be held soon after the said proposal is finalized and the electoral rolls are revised.

A copy of Local Government Department, Committee, Notification No. 4090-3CI-68/16946, dated the 22nd July, 1968.

No. 4090-3CI-68/16946. Whereas the Muncipal Committee, Hissar due to the reasons given in the schedule below has been found to be incompetent and has persistently

made default in the performance of duties imposed on it by or under the Punjab Muncipal Act, 1911.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on him by section 238 of the Punjab Municipal Act, 1911, the Governor of Haryana hereby directs that the said Committee of Hissar, shall be superseded with immediate effect and directs that all powers and duties of the said Committee shall until the committee is reconstituted be exercisedand performed by an Administrator and herby appoints the General Assistant to Deputy Commissioner, Hissar, as Administrator of the Hissar Municipality in addition to his own duties till the appointment of a whole time administrator.

SCHEDULE

1. The arrears of house tax are quite heavy (Rs. 595868.10) and part of them date back to the year 1958-59. The Municipal Committee has not been able to recover these old arrears, which have been mounting up, thereby failing to discharge the duties in this respect.

2. The amount of arrears on account of missing transit passes has arisen by about Rs. 3000 since last inspection. The Committee has failed to plug loopholes in this behalf and thus failed to recover the amount.

3. The arrears on account of house-rent amounted to Rs. 28207 at the end of March 1968, which amount was too heavy. The Muncipal Committee has failed to discharge

its duties in making proer recovery in respect of house-rent.

4. There are as many as 1133 pending cases of unauthorized construction. The Committee has been unable to get these unauthorized constructions demolished or to take necessary action against the defaultors.

5. The number of encroachment cases pending is very large, viz., 533. Some of these cases have been pending since the year 1954-55. The Deputy Commissioner had issued instructions that over hanging structures should not be compounded but these instructions have also not been complied with by the Committee. The Committee has therefore, failed to discharge its functions in that repect.

CALL ATTENTION NOTICES

3.00 P.M. Mr. Speaker : Notice of Call Attention Motion No. 4 Given by Major Amir Singh Chaudhry, M.L.A., concerning the alleged beating of the members of Gram panchayat including the Sarpanch and some elder of village Sohuwas, tehsil Dadri, District Mohindergarh, is disallowed as the Government has intimated that a manisterial enquiry in the matter is in progress and the matte is, therefore, subjudice.

मेजर अमीर सिंह चौधरी: यह इंक्वायरी तो मैं समझता हूं , स्पीकर साहब, चण्डीगढ़ के झगड़े में मरने वाले आदमियों की

होगी। अगर यह अश्योरेन्स सोहवास के लिए है तब मैं बैठ जाता हूं and I have nothing to say.

Mr. Speaker : This is an assurance by the Chief Minister.

Major Amir Singh CHaudhri : All right Sir.

Mr. Speaker : Notice of Call Attention Motion No. 5 given by Shri Fateh Chand Vij, M.C.A., concerning the non-compliance of the provision of Minimum Wages Act by the Khadi Ashram, Panipat and the consequent chain hunger strikes is admitted. The hon. Member may pleas read his motion.

श्री फतेह चन्द विजः (पानीपत): मैं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव द्वारा प्रदेश सरकार का ध्यान एक अतिआवश्यक विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि सरकार ने न्यूनतम वेतन एक्ट, 1948 को, जो 14 जुलाई, 1969 से कपड़ा उद्योगी पर लागू करने का आदेश किया था, उसे खादी आश्रम, पानीपत, की मैनेजमेंट ने लागू नहीं किया, जिस के कारण बड़ी गम्भीर स्थिति उत्पन्न हो जाने से काफी दिनों से लगातार भूख–हड़ताल जारी है और हालात के और भयानक होने का डर होता जा रहा है। खादी आश्रम की मैनेजमेंट इस न्यूनतम वेतन एक्ट से अपने आश्रम को छूट कराने की कोशिश कर रही है जो कि किसी भी हालत में नहीं दी जानी चाहिए और खादी आश्रम पर इस न्यूनतम वेतन एक्ट को शीघ्र ही

लागू करने का आदेश जारी होना चाहिये ताकि हालात और न बिगड़ें ।

Mr. Speaker : The hon, Minister for labour may please make a statement.

Agriculture and Labour Minister (Chaudhry Ran Singh): I shall make a statement tomorrow, Sir.

Mr. Speaker : Notice of Call Attention Motion No. 6 Given by shri Mangal Sein, M.L.A., concerning the alleged imposition of 80 per cent cut in the staff of the Languages Department is disallowed on the following grounds:-

1. It relates to purely concerning the terms and conditions of the service of the employees; and

2. The hon, Member will have ample opportunity for debating this issue during the course of discussion of Governor's Address and the Budget.

Now, we will resum discussion on Governor's Address.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आज सुबह ठीक 10 बजे जब ओफिस खुला था मैंने एक काल अटैन्शन का नोटिस दिया था। उसका विषय था कि 15 तारीख को रोहतक से सोनीपत को 36 स्टूडेन्टस बेल होकर आ रहे थे मगर रोहट गांव के पास एस0 पी0 और डी0 एस0 पी0 उन को थाने में ले गए और वहां उन्हें बुरी तरह पीटा।

Mr. Speaker: I have received the notice. But as you know , normally one call attention motion is taken up on a day. I have started taking two and today as you have seen I have taken three. So, this will come tomorrow.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इस को एडमिट तो कर लें, जवाब ये चाहे 19 को ही दें। यह मामला बड़ा सीरियस हैं। हमारी तो आत्मा रोती हैं इन बातों को सुन कर। अभी कल ही यहां एश्योरेंस दी गई थी कि अगर स्टूडैन्स पढ़ने के लिये चले जांए तो कुछ नहीं होगा लेकिन हो उससे उलट रहा हैं। यह तो फिर प्रवोक करने वाली बात हैं।

Mr. Speaker: We will have it looked into. All these Call Attention Notice of the hon. Member had come first and so I will deal with them first.

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि अजैंड और इम्पारटैन्स वाले काल अटैन्शन नोटिसिज को यदि कल के लिये रखा जाए तो उसकी इम्पारटैन्स ही जाती रहती हैं।

Mr. Speaker: Then I suggest that the hon. Member should meet me about it.

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब तो यह हैं कि जब लड़के चीफ मिनिस्टर साहब से मिल भी लिए और कह भी गए कि वे पढ़ने के लिये चले जाएंगे तथा चीफ मिनिस्टर साहब ने यहां एश्योरेन्स भी दे दी कि अगर वे पढ़ने चले

जाएंगे तो कुछ नहीं होगा। मगर उसके बावजूद भी रिहा किये हुए लड़को को री–अरैस्ट करना और पीटना सरकार के पार्ट पर हाई–हैन्डीडनैस नहीं हैं तो और क्या हैं? इतना ही नहीं स्पीकर साहब, जो लोग या प्रोफैसर उन की जमानत देने के लिये जाते हैं उनको भी गिरफ्तार किया जाता हैं और अनलाफुल कस्टडी के अन्दर रखा जाता हैं।

Mr. Speaker: Let me comment on it. In that case they could not Dr. Sahib come to me and tell me the gravity of it.

श्री मंगल सैनः मैंने तो आज आप से भी और चीफ मिनिस्टर साहब से भी रीक्वैस्ट की थी।

मुख्य मंत्री : स्पीकर साहब, अभी हाउस के शुरू होने से दस मिनट पहले डाक्टर साहब मुझे मिले थे और इस घटना के बारे में मुझे बताया था। मैंने इनको कहा था कि कि इंन्क्वायरी करा लेता हूं और अगर कसूरवार मिलेगा तो उसे सजा दी जाएगी। जब मैंने कहा दिया तो यह मामला खत्म हो जाना चाहिए।

Mr. Speaker: The matter ends hers. The matter ends now.

श्री मंगल सैनः तो स्पीकर साहब, मेरी मोशन एडमिट कर ली जाए।

Mr. Speaker: The Leader of the House has assured that if anybody is found at fault, he will certainly be dealt with properly.

Sh. Mangal Sein: Sir, now my Call Attention Notice be admitted.

श्री अध्यक्षः एडमिट तो हो गई और आप को अश्योरैन्स भी मिल गई।

श्री मंगल सैनः ठीक हैं जी।

डा0 मलिक चन्द गम्भीरः स्पीकर साहब, मेरा भी एक काल अटैनशन नोटिस था। मैंने सुबह दस बजे दिया था। जगाधरी के अन्द सतप्रकाश गोली से मारा गया हैं। वह काल अटैनशन एडमिट हुई है या नहीं।

श्री अध्यक्षः आप मुझे से मिल लेना मैं आप को बतला दूंगा।

Mr. Speaker: Now a point of Personal Explanation by Ch. Surjit Singh.

PERSONAL EXPLANTAION

चौधरी सुरजीत सिंह (शेहरडा): स्पीकर साहब, कल हमारे अपोजीशन के भाई चौधरी बनवारी राम ने यहां कहा कि जिला करनाल के नली गांव में हुए किस्से से संबधित मुलजिम चौधरी सुरजीत सिंह के घर पर दो दिन तक ठहरा हैं। मैं आपको

यकीन दिलाना चाहता हूं कि आज तक न तो कोई पुलिस मुलजिम कभी मेरे घर पर ठहारा हैं और न आगे ठहरेगा मगर इतना जरूर बताना चाहता हूं कि बनवारी राम जी ने मेरे पास आए थें और जो चीज वे मांगते थे उसका नाम मैं यहा नहीं लेना चाहता।

मलिक मुख्तियार सिंहः स्पीकर साहब मै आप की रूलिंग चाहता हूं। चौधरी सुरजीत सिंह ने एक आनरेबल मैम्बर के खिलाफ दबी हुई जबान में एलीगेशन लगाई हैं। क्या परसनल एक्सपलेनेशन मै किसी मेम्बर के खिलाफ कोई मेम्बर उसकी गैर–हाजरी में ऐसा एलीगेशन लगा सकता हैं?

Mr. Speaker: He wants also not present when the allegation was made against him yesterday.

RESUMPTION OF DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

Mr. Speaker: Ch. Neki Ram was o0n his legs when the House adjourned yesterday. He may please resume his speech, if he likes.

A voice from the Oppostion: He had finished and taken sufficient time.

Mr. Speaker: He had spoken for 9 minutes. I have got the time with me.

(सभापतियों की सूची मै से श्री रामसरन चन्द मित्तल चेयर पर पदासीन हुए)

चौधरी नेकी राम : नरवानाः चेयरमैन साहब, पिछले दो दिनो से गवर्नर ऐड्रेस पर बहस चल रही हैं। अपोजीशन की तरफ से काफी तकरीरें हुई हैं मगर मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता हैं कि उन्होनें सिवाए बुराई के कोई अच्छी बात नहीं कही हैं। गवर्नर ऐड्रैस के अन्दर, इस हकूमत ने जो जो खुशहाली आयेगी और जो भी अच्छे काम किये है और जिस से हरियाणा प्रदेश शक्तिशाली बनेगा और हरियाणा में खुशहाली आयेगी और जो भी अच्छी स्कीमें रखी हैं उन बातों की तरफ इनका बिल्कुल ध्यान नहीं जाता हैं। उन बातों को ये बिल्कुल नहीं चाहते। इनका तो केवल एक ही ध्येय हैं, एक ही मुद्दा हैं कि इस कांग्रेस हकूमत को कोसते रहें। एक मौका इन अपोजीशन के साथियों को चण्डीगढ़ इशू का मिल गया हैं । इस इशू को लेकर इन्होंनें बड़ी लम्बी चौड़ी बातें कही हैं क्योकि यह चीज अभी वजूद मे आयी हैं लेकिन इसके के बावजूद भी पब्लिक जानती हैं कि ये लोगों को गुमरहा करे प्रोपेगन्डा कर रहे हैं। अब अहिस्ता–अहिस्ता आसमां साफ होता जा रहा हैं और जो गलत बातें इन्होंनें पब्लिक के सामने कही थीं वे खत्म होती जा रही हैं। अब इन्हीं पब्लिक पूछेगी कि हरियाणा में नुक्सान कराने वाले तुम हो।

आज मैं बोलना तो नही चाहता था परन्तु मुझे इसलिये बोलना पड़ कि कल मेरी तरफ इशारा किया गया था और वह इशारा चौधरी जय सिंह राठी की तरफ से किया गया था। उन्होंनें कहा कि रोहतक के अन्दर जब चौधरी छोटू राम का जन्मदिन

मनाया गया था उस दिन वे शामिल नहीं हो सकें। उनकी तरफ से यह बड़ी अफसोसनाक बात कहीं गयी हैं। ये बातें कहने का कोई मतलब नहीं है। और इन बातों के अन्दर रत्ती भर भी सच्चाई नहीं हैं। हमने बडे–बा–अमन तरीके से नरवाना में उनका जन्मदिन मनाया था और पिछली कई सालों से जन्मदिन हम मानते आ रहे हैं। यह केवल हमारे यहां ही नहीं और भी कई जगहों पर मनाया जाता हैं। जिस ढंग से हम और सालों में उनका जन्मदिन मनाते थे उसी शानदार ढंग से इस साल भी मनाया हैं। हम ने जलूस निकाला, जिसमें दसा हजार के करीब लोग हाजिर थे। बड़े अच्छे तरीके से उनके जीवन के विषय में रोशनी डाली। चौधरी रणबीर सिंह और चौधरी सुलतान सिंह जी भी शामिल हुए ा और कुछ दूसरे कांग्रेस भी गये हुए थे। उन्होंनें भी भाषण किये। सारी जनता ने मरहूम चौधरी छोटू राम के बारे में आराम से भाषण सुने। हमने सारी बातों की तसल्ली की। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जो लोग ये कहते हैं कि हम अपने हल्कों मे जलसा नहीं कर सकते, मैं उनको चैलेन्ज करता हूं कि मै अपने हल्के मे जलसा करवा सकता हूं। मुझे कोई नहीं रोक सकता। हमने कोई गलत काम नहीं किये हैं। हम अपोजीशन के लोगों से ज्यादा वफादार हैं। अपोजीशन के मैम्बरान ने कोई ठेका नहीं लिया हुआ हैं कि जो कुछ वे कहें वही ठीक हैं ओर हमारी बातो मैं कोई तन्त नहीं हैं। हमारी बातों में उनसे ज्यादा तन्त हैं।

इसके अलावा चेयरमैंन साहब, यहां भाखड़ा नहर का जिक्र किया गया हैं। इसी प्रकार से मेरी और इशारा करते हुए राठी साहब ने कहा कि यह नहर मरहूम सर छोटू राम की यादगार हैं। यह उनकी बनायी हुई हैं। मैं मानता हूं कि यह ठीक बात हैं। यह उनकी दिमाग की इखतरा है। उन्होंनें सारी जिन्दगी इस मिशन को पूरा करने के लिए जदो–जहद की। जब तक इस मिशन में कामीयाब नही हुये थे खोज करते रहे और आखिर में उन्होनें कमीयाबी हासिल की । मेरे से अब ये पूछते हैं कि अब आप क्या करोगे क्योकि पंजाब से हरियाणा को पानी नहीं मिलेगा। हम तो वहीं करेंगे जो हम ज्यादा से ज्यादा हरियाणा के लिए कर सकते हैं, जो हमारी पार्टी का रोल होगा वही हमारा होगा। जो हमारे चीफ मिनिस्टर साहब का रोल होगा वही हमारा होगा। जितना हक हमारा पानी का बनता हैं वह जरूर मिलेग, नहीं मिलेगा तो हम इस के लिए अपोजीशन के साथियों ने चीफ मिनिस्टर साहब के मुताल्लिक गवर्नर एड्रैस में से एक बात पकड़ी हुई हैं वे कहते हैं कि वे भिवानी के अन्दर नहर ले जाना चाहते हैं वे इसलिए ले जा रहे हैं, क्योंकि इनका अपना इलाका हैं। मैं उन साथियों से पूछना चाहता हूं कि वहां नहर ले जाने में बुराई क्या हैं? आप सभी को पता है कि वह खुश्क इलाका हैं वहां पानी की किल्लत हैं, लोग पीने के पानी के लिए भी तरस रहे हैं। अगर भिवानी में नहर ले जायें तो मैं समझता हूं कि कोई बुराई नहीं कर रहे हैं। एक बहुत अच्छी बात हैं। वे बड़े आदमी हैं। बड़ा आदमी जहां जिस इलाके में पैदा होता हैं वहां बड़े ही काम होते हैं। यह उस इलाके की

खुशकिस्मती हैं जिस ने मौजूदा चीफ मिनिस्टर को पैदा किया। अगर वे नहर इस इलाके में निकलवा देते हैं तो कौन सी बड़ी मुसीबत आ गयी हैं? मैं समझता हूं कि अच्छा काम कहीं भी किया गया हो उसकी हमेशा तरीफ होनी चाहिए।

इसके इलावा चेयरमैन, साहब, चण्डीगढ़ के प्रश्न को ले कर जनता के जजबात को भड़काना अच्छी बात नहीं हैं। कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के अन्दर स्टूडेन्टों को भड़काया गया, उधर कालेज के लड़को के जजबात को भड़काया गया जिसके कारण सारी गड़बड़ी हुई। हरियाणा तो एक अमनपसन्द सूबा हैं। हमेशा से यहां अमन रहा हैं। यह कोई झगड़े वाला इलाका नहीं हैं। परन्तु अपोजीशन के साथी इसको बदनाम करना चाहते हैं। यह कितने अफसोस की बात हैं कि एक अमन–पसन्द इलाके अन्दर सड़को का तोड़ना, रेल की पटरियों का तोड़ना, टेलीफोन और हस्पिटलों को आग लगाना यह सरासर कितनी गलत और अफसोसनाक बातें हैं। पीछे बैठे कर इन लीडरों ने हरियाणा में यह हालता पैदा की हैं। अगर उनमें जुरर्त हैं तो सामने जाना चाहिए था। इस तरह का नुक्सान उनको नहीं करना चाहिए था, जिस प्रकार से पंजाब के लोगों ने मरणब्रत किया, भूखहड़ताल की। उन्होंनें यह साबित कर दिया कि वे पंजाब के लिए कुछ कर सकते हैं। मगर हरियाणा के लीडर पीछे बैठे ही रहें। इन्होंनें कालेज के लड़को को आगे किया। बडे अफसोस की बात हैं ऐसे गलत कामों के लिए लड़कों को आगे किया । इनको शर्म आनी चाहिए। मैं तो यही कहूंगा कि स्टूडेन्टों

का सियासी मैदान में आना खतरनाक कदम हैं। इस तरफ आने से उनकी तालीमत अधूरी ही रह जाती हैं। इधर मां–बाप तो समझते हैं कि लड़का कालेज गया हुआ हैं परन्तु ये अपोजीशन वाली साथी उनको भड़का कर कहते हैं कि यह कांग्रेस सरकार पलटा खाये तो हम आये। वे स्टूडेन्टों को बरगलाते हैं गलत रास्तों पर डालने की कोशिश करते हैं। मैं तो यह समझता हूं कि वह हकूमत कयम नहीं रह सकती जो अमन को कायम नहीं रख सकें। उस सरकार को कोई हक हासिल नहीं हैं कि वह बरसर–इक्तदार रहें। इसलिए हकूमत ने जो अब इन दंगो से निपटने के लिए कदम उठाये हैं वे बड़े हौसले वाले और दिलेरी के कदम है। अगर चेयरमैंन साहब हकूमत ऐसा न करती तो मैं समझता हूं कि यह जो हरियाणा का एक छोटा सा सूबा हैं जिसको हम खुशहाल बनाना चाहते हैं, जिसको हम खुशहाल देखना चाहते हैं, यहां की सारी जयदाद–बरबाद हो जाती हैं, यहां कि सारी इमारमें खत्म हो जाती और लाखों करोड़ो रूपये का नुकसान होता। अगर इन्साफ के साथ देखा जाये और मैं समझात हूं जनता देखेगी और जनता उन लोगो से इस बात का कराये हैं ये यहां गैलरी मैं बैठे हुए लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। लेकिन लोग जानते हैं, क्योंकि वे समझदार हैं।उनको पता हैं कि कसूर किस का हैं, गलती किस की हैं। समझदार आदमी यह भी जानते हैं कि किस तरह से जनता को गुमराह किया जा रहा हैं। इसलिए मेरी तो सीधी सी बात हैं कि आप हमारे पर मेहरबानी करो और इस हिरयाणाकी गरीब जनता को गलत रास्ते पर डालने की कोशिश न

करो। यदि यही तरीका रहा तो जो हमें खुशहाल होना था वह हम नहीं हो सकेंगे। चेयरमैन साहब, इस हकूमत ने जो कुछ अच्छे काम करने के इरादे किये हैं अगर यह सरकार उन अच्छे कामों को करती हैं तो उनके पेट में दर्द होता हैं। हमने तो, चेयरमैन साहब, इस हकूमत के जो अच्छे काम हैं उनको देखना हैं। इस सरकार से पहले जो सरकार थी उसने इताना काम खराब किया हुआ हैं कि इस सरकार का कुछ टाइम तो उसके दुरस्त करने में लग जाता हैं और जो टाईम बच जाता हैं उसमें यह सरकार हरियाणा के लिए कुछ काम करती हैं। इन लोगों ने कुछ काम किया नहीं और इस सरकार को भी नही करने देते। मैं कहता हूं कि आप लोगों को फिर मौका मिलें तो आप सरकार में आ जाना यह क्या तरीका हैं कि अच्छे कामों के अन्दर रोड़ा डाला जाए। हरियाणा में अच्छे काम करने की जरूरत है और मैं कहता हूं ये लोग करने दें।

दूसरी बात ये लोग कहते हैं कि मुख्य मंत्री जाट अफसरों के खिलाफ हैं और उनको एक–एक करके निकाल रहा हैं। मैं कहता हूं कि यह इनकी बात ठीक नहीं हैं।चौधरी बंसी लाल को गर्व हैं कि वह एक बहादूर कौम के अन्दर पैदा हुआ। यह कैसे हो सकता हैं कि अगर जाट अफसर बेईमानी करता है सी0 आई0 डी0 करता हैं तो उसकी तरक्की हो जाए। अफसर चाहे किसी जाति का हो, चाहे वह वैश्य हो, ब्रह्मण हो, जाट हो, अहीर हो, गर्ज यह हैं कि कि किसी भी जाति का हो वह सबके साथ

एक जैसा व्यवहार किया जाता हैं। इस प्रकार का नारा लगाकर अगर चीफ मिनिस्टर को बदनाम किया जाए तो यह बात चलने वाली नहीं हैं। तो, चेयरमैन साहब इनकी बात अब खत्म हो चुकी हैं। इन्होंनें जो नोकाफीडेंस मोशन रखा था वह भी वापिस ले लिया हैं। यह भी एक प्रकार से इनकी हार हैं मैं तो इनसे यही कहूंगा कि तीन साल तक तो ये चुप रहे और सरकार को चलने दें। आखिर में चेयरमैन साहब, जो शुक्रिया का प्रस्ताव चौधरी रणबीर सिंह की तरफ से आया उसका मैं अनुमोदन करता हूं , जो ऐड्रैस में बहुत अच्छी बाते कहीं गई हैं। मैं समझता हूं कि उसका समर्थन करना ही मुनासिब होगा।

श्री मंगल सैन (रोहतक): चेयरमैन साहब, आपका मैं बहुत आभारी हूं कि आपने राज्यपाल महोदय के भाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया। 13 तारीख, शुक्रवार को जब हम आए और राज्यपाल महोदय ने उस दिन अपना भाषण पढ़ना था, उस दिन तो हम नहीं बैठ सके क्योंकि हम यह कहकर चले गए कि इस खूनी सरकार की बात जिसने निर्दोष, अबोध, और उभरी हुई जवानियों को कतल किया हैं ऐसी कातिल सरकार द्वारा तैयार किया भाषणजो है उसको हम सुनना नहीं चाहते। एक मैम्बर महोदय ने कहा कि हमने बड़ी अशिष्टता की। चेयरमैन साहब आप तो बड़े पराने पार्लियामेन्टेरियन रहे हैं आप जानते हैं कि वह हमारा अधिकार हैं हमारे भावनांए हमारे जजबात इतने बेकाबू थे कि हम राज्यपाल के ऐड्रैस को नही सुन सकें। चेयरमैन साहब

मैंनें उनका सारा ऐड्रैस पढ़ा हैं और ऐड्रस के समर्थन में जो धन्यवाद प्रस्ताव चौधरी रणबीर सिंह ने रखा हैं मैंने उसको बड़े गौर से पढ़ा और उसके अनुमोदन में यहां इस हाउस में आनरबेल मेम्बर जो नारनौल के प्रतिनिधि हैं, उनके बाद जो भिवानी के विधायक हैं और कांग्रेस के सचिव हैं उनका भी लच्छेदार भाषण सुना तथा वही नेकीराम हैं जो रेवाड़ी में हमारे साथ गये थें। और जिन्होंनें कहा था कि बंसी लाल बड़ी मनमानी करता हैं। राज्यपाल की सेवा में भी हम गए थे। मैं बड़े गौर से देख रहा था कि नेकी राम वहीं हैं जो सर छोटूराम के दामाद होते हैं या और कोई हैं? एक वो छोटूराम थे जो कि इतने मतबूत थे और एक ये हैं।

जब ये लोग दिल्ली से हवाई जहाज द्वारा मद्रास गए थे, चंडीगढ़ का केस डी0 एम0 के0 के नेता के पास लेकर, तो इन बेचारों को कितनी परेशानी हुई थी।

वित्त मंत्री (श्रीमति ओम प्रभा जैन): हमको कोई परेशानी नहीं हुई थी।

श्री मंगल सैनः और वहां जाकर कहा कि हे करूणानिधि महोदय हम पर करूणा करो हम कुछ नहीं कर सकते कृपया हमारी कुछ सहायता करो। करूणानिधि जी ने कहा कि हमने तो अपनी करूणा गुरनाम सिंह पर कर दी हैं। अब कुछ होने वाल नही हैं इस हरियाणा की 81 लाख जनता, जिसमें किसान, मजदूर सरकारी मुलजिमों खेतों में हल चलाने वाले शामिल हैं, ने आपके कामों

को देखा हैं आपके कारनामें देखे हैं जिनके बारे में रोना रोया जा रहा हैं।

चेयरमैन साहब, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि राज्यपाल महोदया के भाषण में कहा गया हैं कि हमारा प्रशासन बहुत अच्छा हैं। मैं दर्जनों अफसरों को जानता हूं जो कि आई0 पी0 एस0 अफसर हैं जो कि बेचारे यहां से डर के मारे भाग गए हैं क्योंकि यहां के प्रशासन में बहुत ज्यादा हस्तक्षेप किया जाता हैं। इन्होंनें एक एस0 एस0 बोर्ड बनाया जबकि यहां से पहले ही पब्लिक सर्विस कमीशन हैं। यह इस लिए बनाया हैं क्योंकि इन्हें एक ऐडवोकेट–जनरल को नियुक्त करना था। इनको हरियाणा में कोई एडवोकेट–जनरल नहीं मिला तो एक कांग्रेस को ढूढकर लाए क्योकि अन्याय के और गलत काम जो करवाने थे। वह रिकार्ड हैं कि इतने रिट अभी तक किसी चीफ मिनिस्टर के खिलाफ ऐडमिट नहीं हुए जितने की अब मुख्यमंत्री के खिलाफ हाई कोर्ट में ऐडमिट हुए हैं। हम तो प्रताप सिंह कैंरों को ही कहते थे कि और उसके लिए हमने एक कमिशन मुकरर्र करवाया था तो कमीशन वाली बात तो देखी जाएगी । इनके काम तो चेयरमैन साहब अब आप देख लीजिए।

वह आदमी जो एम0 एल0 ए0 का चुनव हारा। वे पोलीटीकल डिफीटिड हैं उन्हें को यह सरकार ऊंची जगहों पर लगा रही है।

चेयरमैन साहब, इससे बढ़कर भ्रष्टाचार क्या हो सकता हैं? इतना ही नहीं, मैं निवेदन करना चाहता हूं क्योकि मूझे अपने विषय पर फिर लौट कर आना हैं, मैं बहिन जी का ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहता हूं। बहन जी ने कहा था, कि हिन्दी हमारी राजभाषा हैं और 26 जनवरी, 1969 से हिन्दी में काम काज शुरू कर दिया गया हैं। अभी–अभी काल अटैशन नोटिस मेरा रिजैक्ट हुआ हैं और कहा गया हैं कि राज्यपाल के अभिभाषण पर कोई बात नहीं कही जा सकती। बहिन जी ने भाषा विभाग के कर्मचारियों पर 80 फीसदी कट लगाया। डेढ़–पौने दो सौ कर्मचारी ट्रिपल ग्रेजुएट नहीं, पोस्ट ग्रेजुएट नहीं बल्कि चार–चार एम0 ए0 पास है, 19–19 साल का उनका अनुभव हैं। वहां से हटा दिया गया, क्यों हटा दिया गया, उसका कारण बहिन जी स्वंय बतायेंगी। अभी हमें हरियाणा की उप–भाषाओं का विकास करना हैं। भाषा के लोक साहित्य का विकास करना हैं। शोध कार्य भी बाकी हैं। अभी राज्य के 30 फीसदी महकमों में हिन्दी का प्रचलन हुआ है। हमारे कई सचिव, सैक्रेटरी महोदयों को हिन्दी मे हस्ताक्षर भी नहीं करने आते।

चेयरमैन साहब, मुझे एक बात रोहतक के बारे मे कहनी थी जिसका मुझे सेवा करने का मौका पिछली चौथी टर्न से मिल रहा हैं। रोहतक का एक विचित्र वातावरण हैं, यह नगर बड़ी पुरानी हैं, बड़ी महत्वपूर्ण हैं और ऐजुकेशन का, शिक्षा का, बड़ी भारी केन्द्र हैं।

मैं सरकार से आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि आपकी पंजाब यूनिवर्सिटी तो आप पंजाब में जाने देंगे। अगर हमारे संधर्ष से, आपके चले जाने और जनता के प्रतिनिधियों बननी आवश्यक हैं।

चेयरमैन साहब, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस हाउस मे राज्यपाल महोदय ने कहा कि जब चंडीगढ़ का निर्णय हुआ तो पब्लिक और अपोजीशन को शांक लग गया, झटका लगा। चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब ने संभलकर, संवरकर नपे तुल–तुले शब्दों का प्रयोग किया कि कही उसके अर्थ कुछ और न लग जांए लेकिन वह जन भवनाओं को रोक नही सकें। जनता को शाक लगा। इसमें कोंई शक वाली बात नहीं। हमें कहा गया कि सारी शरारत अपोजीशन वालों की हैं। गुनाह इनका, पाप इनके, इनके जुर्म, और मत्थे हमारे मढ़ रहे है और अपनी नाकामयबी को छुपाना चाहते हैं। मुझे बड़ी प्रसन्नता हैं कि अभी भी कुछ अंश इधर बैठे हुए लोग स्वाभिमानी हैं, जिन की आत्मा की आवाज हैं, समय आने पर वह भी अभिव्यक्त होती हैं, वह एक्सप्रैस होती हैं। चेयरमैन साहब, मैं उन मित्रों को दाद दिये बिना नहीं रह सकता जिन्होंनें उस लंगोटी वाले के पथ का अनुसरण किया हैं। मैं उन आत्माओं को जगाना चाहता हूं जिन की आत्माए सोई हुई हैं। जरा आप अपने हृदय को टटोल कर देखें कि जो कुछ आपने चंडीगढ़ के मामले पर किया हैं, वह क्या सही हैं या गल्त? हमें कहते हो कि हम बच्चो के जजबात को

उभारते हैं, खराब करते हैं, एक्साप्लायट करते हैं। किसने उभारा इसको। मुझे वह दिन याद हैं जिस दिन सघर्ष समिति की यहां पर चर्चा हो रही थी। प्रोफैसर शेर सिंह ने बनवायी थी और प्रोफैसर शेर सिंह के पराम मित्र आचार्य भगवान देव जी उसके नेता थे। बनारसी दास गुप्ता वहां मीटिंग में गये और लच्छेदार भाषण देते रहे। बंसी लाल जी से मेरी बात हुई। मैं उसको छिपाने के लिये तैयार नहीं तो मैं निवेदन करना चाहता हूं। इनके आवहन पर हरियाणा बन्ध हुआ, एक बार बन्ध हुआ, दूसरी बार बन्ध हुआ और जब हम पर इल्जाम लगाते हो कि साहब तुमने जना को भड़काया था। चेयरमैन साहब बंसी लाल जी की समाचार पत्रों की कटिंगगज मेरे पास बोलने के लिए थोड़ा समय हैं, इसलिए डिटेल में नही बता सकता। आप अगस्त के बाद समाचार–पत्रों को पढ़ कर देख लीजिए। जनवरी के दूसरे हफ्ते के बाद इन्होंनें बोलना बन्द कर दिया। बोलना भूल गये, इसलिये भूल गये कि इन्दिरा जी ने कहा 'खबरदार अगर तुमने हमारे मार्ग में रूकावट डाली'। इसके बाद हम कहने लगे कि मैं इस्तीफा देकर चला जाऊंगा। मैं नहीं झुकूगां, अगर चंडीगढ़ न मिला। चेयरमैन साहब, उन भवनाओं पर लोगों ने विश्वास रखा की चंडीगढ़ नहीं जाएगा। हरियाणा की जनता को रंज किस बात का हैं? आदरणीय प्रधान मंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के पास गये। हमें कहा गया कि हम दवाब में नहीं आएगें, प्रैशर में नही आएगें। हरियाणा के साथ न्याय होगा। चौधरी रणधीर सिंह जैसे हरियाणा के एम0 पी0 वहां ड्रामा करते रहें और उदय सिंह मान का 43 दिन का व्रत तुड़वाकर अपना

फोटो खिचवाने के लिये चार दिन का नौटंकी का नाटक वहां पर कर बैठं, राजेन्द्र जी शहादती हैं जो मकान जलाए गये वे उनके भतीजे ने जलाए ताकि कम्पनसेशन मिल सकें। चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता हूं कि हमे प्रधानमन्त्री पर विश्वास था, उस महाराष्ट्र के चौहान पर विश्वास था, जो अपने आपको कहता था कि मैं छत्रपति शिवजी की सन्तान हूं, मैं दबूंगा नही। 26 जनवरी आई, वह पवित्र पावन दिवस, जिस दिन भारत के पवित्रता संग्राम के सेनानी उस वक्त पवित्र रावी के तट पर खड़े होकर कहते थे कि स्वाधीनता भारत का जन्मसिद्ध अधिकार हैं। चेयरमैन साहब, किस प्रशैर से इन्दिरा जी दब गयी थी? जब पंजाब में रेले रोकी गई, बसों रोकी गई, स्टेट बैकों का घेराव किया गया, डाकखानों का घेराव किया, इन्कमटैक्स के दफ्तर का घेराव किया गया और तिरगें झण्डे को, जिसे 26 जनवरी के दिन प्रत्येक भारतीय नागरिक अपने घरों के ऊपर लगाकर, स्वीधनता दिवस मानता हैं, गणतन्त्र दिवस मानता हैं, चेयरमैन साहब, उस दिन लुधियान और अमृतसर में राष्ट्रीय पताका का अपमान हुआ उस को फाड़ा गया। चेयरमैन साहब, हमारे पूज्य महात्मा गांधी के बुत को जिस प्रकार तोड़ा गया, उस पर हमें रानेा आता हैं। सरकार हमारे जजबातों से खेलती हैं। अमृतसर के बाग में हथौड़े से उसका सर फोड़ा गया, बाजू तोड़ा गया और ऐसी अवस्था में इंदिरा जी का संदेश आता हैं कि हमने हथियार फेंके दिये। क्या बंसी लाल ने और उनके दोस्तों ने यह समझ लिया कि हरियाणा में कायर लोग, बुजदिल लोग बसते हैं और पंजाब में जवान लोग, ताकतवर लोग, बस्ते

हैं? चेयरमैन साहब, गवर्नमैंट आफ इंडिया और बंसी लाल इस बात के जिम्मेदार हैं ये हम पर इल्जाम लगाते हैं कि प्रीप्लैण्ड था। क्या उस वक्त इनकी कमर को लकवा मार गया था, पैरालाइज हो गया था ? यह बन्दोबस्त नहीं कर सकते थे? इनका कर्तव्य था कि यह बन्दोबस्त करते, डाकखानों पर, रेलवे स्टेशनों और लाइनों पर पुलिस भेजते।

बंसी लाल जी ने 29 तारीख को फैसला सुना और हमारे जख्मों पर नमक छिड़का। हिन्दोस्तान टाईमज अखबार देखिये, फ्रन्ट पेज पर छपा हुआ हैं कि हरियाणा के जजबात का खुन करके हमारे मुख्य मंत्री सरकार गुरनाम सिंह के साथ खड़े हंस रहे हैं कि मैं बड़ी ढिठाई के साथ मैदान हार चुका हूं और अब क्या फरमाते हैं कि हम ने बड़ा तीर मारा हैं? क्या करेंगे चण्डीगढ़ को, हमने फाजिल्का ले लिया है। लेकिन हमारे बुजुर्ग साथी चौधरी रणबीर सिंह को अपनी जवानी की याद आ गई। विधान सभा में रोमांस की बात करने लगे, चेयरमैन साहब, मुझे तो ऐसा मौका नहीं मिला। तो मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह कह रहे थे कि चंडीगढ़ नई दुल्हन हैं, पाऊडर से मार्डन लिप्सटिक से सजी हुई हैं। दिल्ली तो पुरानी दुल्हन हैं। वह पतिव्रता हैं, वह अर्धांगिनी हैं, धर्मपत्नी हैं, मानेगी नहीं। चंण्डीगढ़ तो ले नहीं सके अब दिल्ली जाओगे वहां पर वह आपका पिटने वालों का स्वागत करेंगे फूलों की माला से। इन हमारे मित्रों ने कहा दिया कि फाजिल्का मिल गया, 5 मील छोड़ करके पांच सौ

मील का एरिया मिल गया, हमारे गले में माला डालो, हमारी जय जयकार करों। चौधरी नेकी राम ने खुश होकर हाथी पर जलूस निकाला, यह बहुत अच्छा किया हैं। चेयरमैन साहब, अपनी आत्मा को टटोल कर देखें कि क्या यह बात ठीक हैं, क्या इन्होंनें मैदान मारा हैं? एक पहलवान मैदान में चारों शाने चित्त हो जाये और पिटने के बाद कहे कि नहीं जी पीठ नहीं लगी हैं। चूतड़ झाड़ कर खड़ा हो जाये। चेयरमैन साहब, फाजिल्का दिया किसने था? इन कांग्रेसियों ने दिया था। प्रो0 शेर सिंह बहुत सज्जन आदमी है, एक बार सरदार प्रताप सिंह कैंरों झझर गये थे और इन्होंनें इनके स्वभाव को उनकी मुद्रा को देखकर तारीफ की थी ये बड़े नेक आदमी हैं। उन्होंनें बड़े आदर से कहा कि यह हरियाणा की कूड़ी हैं। चेयरमैन साहब, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि यह क्या तीर मार आए हैं? अब इल्जाम हमारे सिर पर लगाते हैं कि चंडीगढ़ हमने महरूम कर दिया जबकि अगूठे लगाकर इन्होंनें दिये थे। तो चेयरमैंन साहब, मैं आप से यह कहना चाहता हूं कि सरकार फाजिल्का के बारे में चर्चा करती हैं कि इन्होंनें मैदान मारा हैं, जैसे एक कहावत हैं किसी आदमी की किसी ने पगड़ी उतार ली थी। पंचायत में उसे जलील किया गया और बाद में उसे 10 किलो बिनौले पकड़ा दिये गये थे। कि इसको खेत में बो देना, कपास निकलेगी। यह पगड़ी मैली हो गयी थी, इसलिए आपको सूट नही करती थी। यही कहावत चंडीगढ़ पर लागू होती हैं। कहते हैं कि चंडीगढ़ महंगा हैं, रंग रोगन करवाने में सारे हरियाणा का पैसा खर्च हो जाएगा। बनारसी दास गुप्ता जी, पता

नहीं कहां चले गये भगवान जाने किधर चले गये। जब हम लोग दिल्ली में बैठे थे तो हमारे वजीरन अशोक होटल दिल्ली में अपनी थकावट दूर कर रहे थें, और बाकी एम0 एल0 एज0 हांसी और हिसार में भागे–भागे फिर रहे थें। हम लोग हांसी, भिवानी, रोहतक, रिवाड़ी, करनाल में यानी हरियाणा के हर गांव में गये और लोगों से कहा कि चंडीगढ़ का सवाल हरियाणा की आबरू का सवाल हैं, इज्जत का सवाल हैं, वह मुख्यमंत्री को कहते हैं कि हमारा तुम को अनकन्डीशन समर्थन हैं। आप सेन्ट्रल गवर्नमैंट को कह दो की चंडीगढ़ के मामले में हम झुकेंगें नहीं इस बात पर मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगर चंडीगढ़ हमें नही मिला तो मैं त्याग पत्र दूंगा। इस बात के अखबारात गवाह हैं, आप भी गवाह हैं। मैं तो उस दिन था नहीं और न ही मुझे पता था कि यह अन–फन्डीशनल स्पोर्ट हैं। फिर हम पर भी यह इल्जाम लगाते हैं कि अपोजीशन वाले भोली–भाली जनता को भड़का देते हैं। हवाई जहाज के जरिये दिल्ली से आप चंडीगढ़ में आकर बैठ गये और जनता को रिजर्व पुलिस के सहारे, फौज के सहारे पर छोड़ दिया। ये हम को पूछते हैं कि तुम कहां थे? हम तो जनता के बीच में थे, उन घायलों के बीच में थे उन मृतक परिवारों के बीच में थे जो बेचारे अपने इकलौते बेटों की मृत्यु पर शोक कर रहे थे। हरियाणा की आबरू की रक्षा उन नौजवानों ने की हैं, वह हम नहीं कर सकते। उन नौजवानों की जजबात की कदर करने के लिए ये लोग सहानुभुति का एक शब्द भी मुंह से नहीं निकाल सकते। जब हम यह कहते हैं कि हमारा दिल रोता हैं, हरियाणा के दर्जनो घर

ऐसे है जिनके चिराग बुझ गये हैं, सुहाग लुट गये हैं, लेकिन इनके लिए सरकार के पास एक शब्द भी नहीं हैं, इन्दिरा जी के पास नहीं हैं कि उनकी सराहना करती। यह हरियाणा सरकार हैं कोई विदेशी सरकार नहीं हैं। चेयरमैंन साहब, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे जजबात के साथ उन्होंनें बड़ा खिलवाड़ किया हैं हमारे जजबात को ठेस पहुंचाई हैं। (व्यधान) चेयरमैन साहब, मेरी बात बड़ी सिम्पल हैं। चंडीगढ़ पंजाब को दिये जाने वाली बात अच्छी हैं, तो रेफरेन्डम करवा के देख लें। मैं आपको चेलैंज करता हूं कि अगर जनता कहेगी कि तुमने अच्छा काम किया हैं, जो चंडीगढ़ को पंजाब को दे दिया हैं तो हम कान पकड़ लेंगे कि यह बिल्कुल ठीक फैसला हुआ हैं।

अगर जानता ने कहा कि हमारा अपमान किया गया हैं तो आप ही फैसला कर लें कि आप क्या करेंगे। उनको यह वहम हो गया था कि कहीं बंसी लाल की मिनिस्ट्री चली न जाये। हम जनता के प्रतिनिधि बनकर आये थे, कभी बजीर बनने की बात नहीं सोची। पोसवाल जी पता नहीं कैसे जोश में आ गये। वह मुझे कहने लगे कि तुम तो घटिया सरकारन के भी मंत्री नहीं बने। तो चेयरमैन साहब विधायक होना साधारण सी बात हैं। विधाता की मर्जी जनता की इच्छा हैं। हम कहते हैं कि जनता से पूछो कि हमने ठीक किया था य गल्त किया था? उस पर आप रायें जान लें। परसों, बसी लाल, रणधीर सिंह, मुख्तियार सिह, मैं और एक दो मैम्बर और आये थे, उन्होंनें कुछ स्टूडैन्स को बुलाया हुआ था

और उन से खुद मिलना चाहते थे। बताचीत करने पर उनको कहा गया कि बच्चों तुम जाओ, तुम कुछ मत करो, जो तुम्हारी मांगे हैं, उन पर सिम्पेथैटीकली विचार करेंगे और निर्णय देंगे। आप आराम से बैठ जाओ।

चेयरमैन साहब, इतना ही नहीं 15 तारीख को सोनीपत में चौधरी रिजक राम के सम्मान में एक सभा हो रही थी जिसकी आज्ञा पहले से ली हुई थी। उस में पुलिस ने रिजक राम को पकड़ लिया और लोगों पर लाठी चार्ज किया। लोगों को पकड़ कर ले गये। जब लोग वहां से जमानत पर रिहा होकर आ रहे थे तो रोहतक के पास घेर ही गई और एस0 पी0, डी0 एस0 पी0 ने हमारे लाडलो को डंडों से पीटा। उनका सारा शरीर सूजा हुआ था। चेयरमैन साहब, क्या यह हरियाणाा में आग लगाने वाली बात नहीं हैं। मैं बंसीलाल से यह कह देना चाहता हुं कि यह मत समझना कि लाठियो और गोलियों से सरकार चला करती हैं। अगर लाठियों और गोलियों से चलती होती तो अंग्रेज दरिंदा यहां से न जाता। भारत की आजादी को उनकी लाठियां और गोलियों न रोक सकी। मैं बंसीलाल जी से कहना चाहता हूं, आपको बड़ी सुविधा मिलती हैं, आप अपनी आत्मा की आवाज को सुनो, लिहाज मत करो। आपकी आत्मा जा कहती हैं, उसको आप करो अगर फिर भी आप समझते हैं कि यह जुल्मोसितम, यह अत्यचार, ठीक है, तो करते जाइए, इन शब्दों के साथ चेयरमैंन साहब, मैं अपनी

स्पीच वाई ड–अप करता हूं तथा अपील करता हूं कि इन अत्याचारों की जुडिशीयल इन्क्वायरी करवाई जाए।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुर (बड़ोपल): चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब का एड्रेस मैंने सुना तो नहीं लेकिन पढ़ा जरूर हैं। जिस तरह से आज चंडीगढ़ के बिना हरियाणा फीका–फीका नजर आता हैं, उसी तरह से गवर्नर साहब का एड्रैस भी लाईफलैस हैं, क्यों चंडीगढ़ के मामले में जब हम पीछे से लेते हैं, तो मालूम होता हैं कि कांग्रेस सरकार ने सैन्टर में, और प्रदेश सरकार ने हमारे साथ बहुत बेइन्साफी की हैं क्यों कि सेन्ट्रल गवर्नमैट ने यह फैसला किया हुआ था कि पंजाब को दो भागों में पजाबी सूबा और हरियाणा में बांटा जाएगा।

जनाब, शाह कमीशन ने यह फैसला किया था कि खरड़ तहसील इन्क्लूडिग चंडीगढ़ विल टू हरियाणा। तो उसमें से खरड़ तहसील और लालडू तो तभी पंजाब में चले गए थे और चंडीगढ़ यूनियन टैरीटरी बन गया था। जब हमारी गवर्नमैंट बनी तो राव साहब ने यह सवाल पैदा किया कि चंडीगढ़ और खरड़ तहसील शाह कमिशन के फैसले के मुताबिक हरियाणा की है और भखड़ा जो चौधरी छोटूराम का ख्वाब था वह भी हरियाणा को मिलना चाहिए। इसके लिए कोई आरबीट्रेशन का सवाल पैदा नहीं होता। उस दिन से सघर्ष शुरू हो गया था। इसा हाउस ने यह रेजोल्यूशन पास किया था कि चंडीगढ़ हरियाणा का हैं और चीफ मिनस्टर ने यह विश्वास दिलाया था कि चंडीगढ़ मैं ले कर रहूंगा।

लेकिन उसके बाद इन्होंनें अपोजीशन को कानफिडेंस में नही लिया। इन्होंनें कभी बुलाया तक नहीं। हम देखते रहे कि चीफ मिनिस्टर क्या करते हैं? लेकिन अंत में यह हुआ कि प्रैशर और टैक्टिक्स के दबाव में आ कर चंडीगढ़ पंजाब को दे दिया गया और उनको फसे सेंविग के लिए फाजिल्का के इलाके जो हिन्दी स्पीकिंग हैं, हरियाणा को दे दिए।

इस तहसील के पहले 286 गांव थे जिसको तोड़कर 225 तो पहले ही कर दिए गए थे जिनका जिक्र हैं कि हिन्दी स्पीकिग हैं। कुछ तो पहले ही कम हो गये और जो 107 गांव हरियाणा को मिलेंगे अब उनमें से कुछ राजस्थान के साथ रेगिस्तानी इलाके हैं, वह मिलेंगे तो क्या मिला? यह कहते हैं बड़े जरखेज हैं। किसने देखें हैं कि वे जरखेज हैं। अबोहर का 1000 एकड़ का फार्म हमें मिला और पंजाब को 12000 एकड़ का मिला। फिर यह फाजिल्का तहसील मिलने की डींग मारते हैं। यह बिल्कुल बेमानी है। आपने इस हरियाणा के लिए कितनी बड़ी हूयूमिलिएशन ली हैं इसका आपको क्या पता हैं? आप सब भूल गए कि आपने बंध किए, बड़े–बड़े प्रदर्शन किए और हमें कहते हो कि बच्चों को आग लगाने के काम में हमने लगाया। असलियत यह हैं कि आप बतांए अगर कहीं भी हमने वाइलेंस की हों, कहीं भी ऐजीटेशन किया हो। 1947 के बाद पैदा होने वाले बच्चे जागृति चाहते हैं। उनके दिमाग स्वतंत्र हैं। वह धोखा नहीं चाहते। बहादुर बच्चे हैं। यहीं बच्चे हैं जो पाकिस्तान और चीन की सीमा पर

छातीतान कर लड़े हैं और कुर्बानियां दी हैं। वह क्यों मरते हैं? पता है आपको? वह अपनी आन पर मरते हैं।

चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था चंडीगढ़ हमारा हैं, हम ले के रहेंगें। जब आपने यही करना था तो क्या जरूरत थी कहने की उस वक्त और क्या जरूरत थी लोगों की सेंटीमेंट्स भड़काने की? आपने क्या यह अपने मैनीफेस्टी मं नहीं कहा था कि अगर कांग्रेस गवर्नमैंट बनी तो चंडीगढ़ हरियाणा को ले कर देगी। और जब उसके बाद इतना बड़ा बिट्रयेल किया इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं? हरियाणा के साथ इतना बड़ा धोखा किया और सोचते हो कि अब कोई शोर न मचाए।

श्री चेयरमैनः आप किसको मुखातिब हो कर ऐड्रेस कर रहे हैं? चेयर को ऐड्रस कीजिए।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः जनाब चेयरमैंन साहब, 29 तारीख की शाम को यह फैसला कर दिया गया कि चंडीगढ़ पंजाब को जाएगा। लेकिन 26 से लेकर 28 तक क्या–क्या हुआ पंजाब में? झंडें जलाए गए। गांधी जी को गालियां दी गई। रेल गाडियां तोड़ दी गई लेकिन कहीं कोई लाठी चार्ज नहीं हुआ और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। और जब–जब आग लग रही थी और प्रोपर्टी सेब कर पाए। और फिर आपने टियर गैस फेंकी और धड़ाधड़ गोलियां चलाई। क्या पहले आपके यह पता नहीं था कि यह होने वाला हैं? मैं, चेयरमैन साहब, उस रोज रिवाड़ी में था 30 तारीख

को। मैंने खुद देखा जिस तरह से गोलियां चलती रही और जिस तरह से बच्चे मारे जाते रहे। सड़को के ऊपर हाथ खड़े किए हुए साइकिलों पर जाते हुए इन्होंनें बच्चे मार दिए। और जब हमने इन्क्वायरी की मांग की हैं तो इन्होंनें इन्कार कर दिया है।

जनाब कहते हैं कि डेमोक्रेसी आफ दी पीपल, फार पीपल एंड बाइ दी पीपल होती हैं लेकिन यह इनको डैमोक्रेटिक गवर्नमैंट बुलैट की और लाठी की गवर्नमैंट हैं और बुलेट और लाठी की डैमोक्रेसी हैं इनकी। इनको क्या पता नहीं कि 1942 में अंग्रेजों को निकालने के लिए जब अन्दोलन शुरू हुआ था तो 10 दिन तक सारे हिन्दुस्तान में आग लगी थी और अंग्रेज देखते रहे थे लेकिन अब इन्होनें जरा सा भी सब्र न की और सब से पहला हथियार इन्होंनें गोलियों को इस्तेमाल किया। और अभी 15 तारीख को क्या किया? जनता ने एक कानफ्रैंस रख ली तो आपने गिरफ्तार कर लिया और पुलिस कस्टडी में उनकी पिटाई की गई। जनाब जनता के पैशन्ज एराइज करने की जिम्मेदारी इस कांग्रेस की हैं और इस तरह से पुलिस से पिटाई कराने की जिम्मेदारी आपकी हैं

जहां तक अब एग्रीकल्चर प्रोडक्शन की सवाल हैं तो देखिए क्या ऐग्रीकल्चर प्रोडक्शन हुई आपके रिजीम में । जबकि 1967–68 में हमने 20 लाख टन से लेकर 40 लाख टन तक कर दी थी। हमने किसानों को सुविधाएं दी थी। चाही और बिजली के रेट कम किए। लैन्ड रेवन्यू 5 एकड़ तक हटाने का वायदा किया।

किसानों को उनकी पैदावाद के भाग दिलाए फरटीलाईजर इन्सैक्टीसाईड की इमदाद दी।

श्रीमति ओम प्रभा जैनः पानी बरस गया था उस साल।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः यही नहीं चेयरमैन साहब, हमने ऐसा प्रबन्ध किया था जब किसान अपनी फसल बेचने जायेंगे तो उसे पूरी कीमत मिलेगी और अगर कोई खरीदने जाएगा तो उसे ठीक भाव मिलेगा और आपने जमींदार को क्या इंसेटिव दिया, कुछ भी नहीं। प्राइस सुपीरियर की बात करते हैं जमीदार ने गेहूं 75 रूपये बेची थी, अब कीमत 120 रूपया हैं और कुछ दिन पहले जो कपास 125 रूपये बेची, अब भाव 200 रूपये हैं। इरीगेशन की बात जाने दीजिए क्या जो आपके एक्ट हैं उनकी 22 साल में कोई तरमीम हुई? आपने जमीदारों की तकलीफ को कभी सोचा? यहां तक हालत है कि अगर एक एकड़ बारानी जमीन को नहरी करना हैं तो वह बिक जाती हैं। (इस समय उपाध्यक्षा कुर्सी पर विराजमान हुई) अगर कोई आदमी इस गर्ज से दरखास्त देता हैं कि उसकी जमीन दो जगह हैं, उसे एक जगह कर दिया जाए तो उस दरखास्त की कोई सुनवाई नहीं होती। इसलिये एक्ट में तरीम करने की जरूरत हैं ताकि लोगों को सुविधा मिलें। इसके इलावा जहां पर ट्यूबवैल कामयाब हैं वहां पर लोगों को इलैक्ट्रिसिटी देने का प्रबंध किया जाए। इसके इलावा जहां पर रेतली जमीनें हैं वहां पर पक्की नालियां बनाने का प्रबन्ध करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय रोजना एक्स0 ई0 एन0 के **(4.00 P.M.)** पास पांच–पांच

सौ आदमी जाते हैं, अगर उनको तकलीफ न हा तो वहां पर जाने की क्या जरूरत हैं? प्रोसीजर इन्होंनें इतना मुश्किल बना रखा हैं कि लोग बेचारे छः–छः महीने धक्के खाते रहते हैं। न तो किसी ओवरसियर को पावर दे रखी हैं और न किसी एस0 डी0 ओ0 को पावर हैं, कागज पहले नीचे से एक्स0 ई0 एन0 तक जाता हैं और फिर उसी तरह से नीचे से ऊपर को आता हैं जिस में बहुत समय लगाता हैं। तो आप प्रोसीजर भी आसान करना चाहिए। जहां तक प्रोडेक्शन इन्क्रीज करने का सवाल हैं वह तो हम ने की थी, अगर आप भी इस के लिए सिंसीयर हैं तो आपको किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहूलतें देनी चाहिए। खाद की कीमत देख लीजिए उस वक्त क्या थी और आज क्या हैं? आज क्या आप इनको कोई सबसिडी दे रहे हैं या उनकी कोई इमदाद कर रहे हैं? आपको उनकी पूरी तरह से सहूलतें देनी चाहिए और जो लैडरवैन्यू हैं वह कम करना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, फिर इन्होनें एक लाटरी की स्कीम चला दी जिस के कारण पैदा होने वाले बच्चों के खून में भी जुए का असर चला गया हैं, वह बेचारे अपनी पाकेटमनी इक्ट्ठी करके टिकटें खरीदते हैं।

श्रीमति ओम प्रभा जैनः ऐसी कोई शिकायत हैं तो आप मुझे लिखकर दीजिए।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः आपको कहां फुरसत हैं शिकायत पढ़ने की ? डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैंने कभी यह टिकट खरीदे नहीं थे लेकिन पिछले महीने पांच रूपए के खरीदे हैं और इस महीने भी खरीदे हैं। मैं समझाता हूं। कि यह तो अननसैसरी इवल हैं क्योंकि यह लोगों की जुआ खेलने वाली आदत डाली जा रही है।

उपाध्यक्षाः आप की तरफ से श्री जायसवाल भी बोलना चाहते हैं अगर आप बोलते रहे तो उनको टाईम नहीं मिलेगा, इसलिए अब आप खत्म करे।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः मैं जल्दी ही खत्म कर दूंगा। इंडिस्ट्रियल डिवैल्पमैंट की बाबत इन्होंनें कहा कि हम जमीन एक्वायर कर रहे हैं। मैं इन से पूछना चाहता हूं कि यह हम को बतांए कि पिछले डेढ़ साल में इन्होंनें कहीं पर कोई नया कारखाना लगवाया हैं? एक काटन एंड जिनिंग का कारखाना उकलाने के लिए मन्जूर हुआ था उस का कोई पता नहीं कब लगेगा, फिर जगाधरी और फरीदाबाद में थरमल प्लांट लगाने के लिए उस वक्त फैसला हुआ था लेकिन उस में सिर्फ एक बात का जिक्र आया हैं। यहां पर डिप्टी स्पीकर साहिबा, राठी साहब पहले ही बता चूके हैं कि जो कोई भी डिवेल्पमैंट का काम किया गया हैं वह भिवानी की तहसील में हुआ था, चाहे सड़के बनाने का हैं, या बिजली का हैं या और किसी किस्म का हैं। हमारे हल्को में कही किसी प्रकार का कोई काम नहीं हुआ? हमें गिला इस बात

का हैं हम भी बराबर टैक्स देते हैं इसलिए हमारे इलाकों को क्यों नजर–अंन्दाज किया जाता हैं? हमारी तरफ भी इनका ध्यान होना चाहिए। बस मैं इतना कहकर बैठता हूं।

(श्री बलवंत राय तायल की ओर से विध्न)

सूबेदार प्रभु सिंह (बवानीखेड़ा): डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरे भाई बलवंत राय जी का बड़ा फिक्र हैं कि बीमर हूं। मैं इनका धन्यवाद करता हूं यह मेरे शुभचिन्तक हैं, मैं आहिस्ता बोलूगां और इस लिए मुझे टाइम भी कुछ ज्यादा ही मिलना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, चूंकि मैं देहाती हूं इस लिए यह ख्वाहिश ले कर आया था कि इन शहरियों से कुछ राजनीति की बातें सीखेगें लेकिन दो तीन दिन की बहस में पुराने लीडरों ने ऐसी ड्रामाई सूरत में सारी बातें पेश की जो हरियाणा के लोग यहां पर सुनने आए वह ताज्जुब करते हैं और सोचते हैं कि यह यहां पर ड्रामा करने आते हैं यह कुछ हमारी भलाई के लिए सोच विचार करने आते हैं। मैं किसी को तानाजनी नहीं करतत, बल्कि यह मेरे दिल की आवाज हैं, जो कुछ मेरा ख्याल हैं वह मैं आपके जरिये हाउस को बता देना चाहता हूं । इन की तो दूसरों को नसीहत खुद मियां फसीहत वाली बात हैं। ऐसा कहना बहुत आसान हैं की बायां हाथ उधर कर दायां हाथ इधर कर दो मगर ऐसा काम किस तरीके से चलेगा। आप आपने दिलों को टटोल कर देखिए जिन लीडरों ने यहां पर भाषण दिए हैं आज से चन्द दिन पहले उन्होंनें यह कहा था कि चीफ मिनिस्टर को रोहतक से नहीं निकलने देंगे

और कहा कि भिवानी वालों तुम हिजड़े हो। डिप्टी स्पीकर साहिबा। मेरा कहने का मतलब हैं कि उन की इस किस्म की तकरीरों ने मासूम बच्चों के अरमानों को उभारा ।

एक आवाजः आप अपना तलफुज तो ठीक करो।

सूबेदार प्रभु सिंहः आप मेरा इरादा समझ लें बोलने का मतलब सिर्फ इतना ही होता हैं।

एक आवाजः चाचा अब बस करो अपनी बात जो कहनी है कहो।

सूबेदार प्रभु सिंहः मैं एक एम0 एल0 ए0 हूं मैं चाचा नही बेटा, डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह उधर से बात आई थी, जब मुहब्बत हो तो उसको तसलीम करना ही चाहिए। मैं कहता हूं कि जितना प्यार अब बरस रहा हैं इताना ही प्यार स्टेट की सारी प्राबलम्ज को सुलझाने के लिए लगाया जाए तो सारा मसला हल हो सकता हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं यह कहना चाहूगा कि इस वक्त जो सरकार और हमारी एडिमिनिस्ट्रेशन हैं यह पिछले डेढ़ साल से स्टेट के अन्दर मसाल की तरह चमक पैदा कर रही हैं। मैं यह नहीं कहता कि वह हरियाणा के हमदर्द नहीं हैं। दर्द उनको भी है उस दर्द से हर वक्त परेशान रहते हैं और वह दर्द गैलरियों को बताने के लिए ही हैं लेकिन गैलरी वाले सब कुछ जानते हैं कि यह सरकार शानदार भी हैं और जानदार भी हैं

(विघ्न) मैं किसी का नाम नहीं लूगा और मैं किसी का नाम लेकर कोई बात भी नहीं कही हैं.....

उपाध्यक्षाः आप अपनी तकरीर करें वक्त थोड़ा हैं और अपनी बात जल्दी कह दें।

सूबेदार प्रभु सिंहः वक्त थोड़ा हैं और मेरा ध्यान घंटी की तरफ ही हैं और जब आप घंटी बजायेंगी तो मेरी बात का सिलसिला टूट जायेगा। मैंने डाक्टर मंगल सैन की तकरीर बड़े गौर से सुनी और सुन कर मुझे बड़ी हैरानी हुई कि वह कैसी अजीब बातें करते हैं । मैं समझता था कि वे बड़े बहादूंरी से बातें करेंगे। यह बोलते भी बहुत अच्छा हैं और सड़को पर जैसे दवाइयां बेचने वाले मजमा लगाते हैं उनकी तरह बड़ा हिल–हिल कर बोलते हैं (हंसी) शोर। अगर उनको यह बात बुरी लगी हो तो नहीं कहता लेकिन यह बात वह अगर मेरे बारे में कहेंगे तो मैं मान लूगां (विघ्न) मैं आपको बुरा नहीं कहता। इन्होंनें एक बड़े इतिहास की बात कही और पुरानी पंजबी की कोई बेतुकी बात बनाकर बड़े ड्रामाई ढंग से कहा कि सरदार प्रताप सिंह कैंरों वहां झज्जर में गये तो उन्होंनें यह कहा और वह कहा प्रोफैसर शेर सिंह के बारे में कहा कि वह हरियाणा की कुड़ी हैं। उसे तो कुड़ी कहा लेकिन तेरे को रंडुआ नही कहा? (शोर) तुम भी स्टेट के रंडवे हो....

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर मैंडम। डिप्टी स्पीकर साहिबा मैंने सरदार प्रताप सिंह कैंरों का हवाला देते हुए एक बात कहीं की उन्होंनें प्रोफैसर शेर सिंह के बारे में ऐसा कहा था लेकिन यह मुझे रंडुआ कह रहे हैं। अगर कोई ऐसी बात कहनी हैं तो वह मेरे बारे में बेशक कहें लेकिन कोई बात की हों तो हो। मैंने किसी को सुसर नही बनाया हैं लेकिन अगर कोई मेरे लिये बनना चाहे तो मुझे कोई ऐतराज नहीं, बन जाये। मेरी धर्मपत्नी मरी नही हैं और मैंने वही काम किया नहीं जो रंडुआ कहते हैं। लेकिन अगर वह यह बात जबरदस्ती कहेंगें तो मुझे भी कहना पडेगा कि उसका बंदोबस्त आप ही कर दें।

सूबेदार प्रभु सिंहः चलो मै हरियाणा का रंडुआ नहीं कहता लेकिन यह हरियाणा की निबाड़ कंवारे हैं और अगर इस किस्म की कोई ड्रामाई अंदाज की लड़की मिली तो....

श्री मंगल सैनः मैं समझता हूं इस किस्म की गिरी हुई और इख्लाक से गिरी बात एक्सपंज कर देनी चाहिये। अगर मैंने इनके बारे मे कुछ कह दिया तो इनको दर्द होगा। अगर इनको मैरे बात का दर्द हुआ तो कह दें कि मैंने ठीक नहीं कहा। कह तो प्रताप सिंह कौरों ने प्राफैसर शेर सिंह के बारे में कुड़ी लफ्ज नहीं कहा था...

सूबेदार प्रभु सिंहः मैं भी तो इनको निवाड़ कुंवारा ही कहता हूं और इसमे कोई गलत बाद दे.....(शोर) डिप्टी स्पीकर

साहिबा, मैं यह कहानी यही छोड़ता हूं क्योंकि मंगल सैन जी को तकलीफ हो रही हैं। अगर उनको कोई दर्द हुआ हो तो मै उनका दर्द वापस ले लेता हूं (हंसी) । मैं तो समझता था कि यह शान्तियम होगें लेकिन मैं देखता हूं कि इन में इतनी गरमी भी हैं । मैं समझता था कि जब वह कहना जानते हैं तो सुनना भी जानते होगें लेकिन मुझे अब पता चला है कि जब कह ही सकते हैं सुन नहीं सकते। लेकिन कहने वालों को सुनने की हिम्मत भी तो होनी चाहिये....

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहिबा, इन्होनें तो अब सुनना और कहना शुरू किया हैं लेकिन हमने काफी समय से कहना सुनना शुरू किया हुआ हैं। अगर उन्होंनें मेरे बारे में कुछ कहना हैं तो बेशक कहें लेकिन कोई ठोस बात कहें।

उपाध्यक्षाः सूबेदार स्पीकर साहिबा, न मैं इनके बारे में बात न करें। ऐड्रैस पर ही बोलें।

सूबेदार प्रभु सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, न मैं इनके बारे में कुछ कंहूगा और न किसी और के बारे में कुछ कंहूगा और मेरे दिल में जो बलबले हैं वही बात कहूंगा कि–

'न उठेगी तलवार और न शमशीर इन से

यह बाजू मेरे अजमाये हुए हैं।

श्री मंगल सैनः वाह–वाह आपकी कुरबानियां हैं और कई बार जल गये हो? बंसी लाल जी का थैला ही उठाते फिरते हो....(शोर)

उपाध्यक्षाः देखिये मैं शोर नहीं होनी दूंगी। यह ठीक बात नहीं हैं।

सूबेदार प्रभु सिंहः ठीक हैं डिप्टी स्पीकर साहिबा, हम आपके होते हुये तवक्को करते हैं कि हाउस में शोर न हो और आप सख्ती से काम लें। आप मुझे भी रोक दें अगर मैं कोई बुरी बात करता हूं। खैर तो मैं अर्ज करना चाहता हूं कि इस ऐड्रैस में जो इस सरकार की बातें बताई गई हैं उन से मेरी इतनी तसल्ली हुई हैं कि जितनी पहले कभी नहीं हुई थी। मैं इस हाउस मैं दोबारा आया हूं लेकिन उससे पहले भी मेरा ध्यान इधर ही रहता था कि सरकार क्या काम करती हैं। आप सारा ऐड्रैस पढ़ कर देख लें कि कितनी तरक्की के काम हुये हैं। खेती–बाड़ी को बढ़ावा मिला, एडमिनिस्ट्रेशन को अच्छा बनाया और इससे कुरप्शन को दूर किया गया, सड़के बनीं और बन रहीं हैं, बिजली के जाल बिछ रहे हैं और गांव–गांव में बिजली ले जाई गई हैं और कई गुणा ट्यूबवैल लगाये गये हैं। इन सारे कामों का क्रेडिट इस बंसी लाल सरकार को जाता हैं। मै यह बात इसलिये नहीं कहता कि मैं इधर बैठा हूं। यह बात तो साफ नजर आ रही हैं। कोई अगर दो और दो चार कह दे तो इसमें कोई शक की बात नही हैं लेकिन यह समझ कर बात करना कि अगर हम दो और दो चार कहते हैं

तो उन्होंनें जरूंर दो और दो पांच कहना हैं क्योंकि वह उधर बैठते हैं तो वह हिसाब से फेल हो जायेंगे। जनता जानती हैं कि कितना काम हो रहा हैं। मैं बंसी लाल सरकार को मुबारिबाद देता हूं कि इसने लोक भलाई के अच्छे काम किये हैं और ऐडिमिनिस्ट्रेशन को बेहतर बनाया हैं। मैं इस सरकार की तारीफ इसलिये नहीं करता कि मै उस पार्टी में हूं बल्कि इस सरकार के अच्छे काम देख कर मुझे मजबूरन तारीफ करनी पड़ती हैं। इतने डिवैल्पमैंट के और हरिजन कल्याण के काम आज किसी सरकार ने नहीं किये। पिछली सरकारें 17 साल तक चलती रहीं बीच में जो आट मासीं सरकार आई थी उसका तो मैं जिक्र नहीं करता वह मालिक मुजारों के झगड़े नही खत्म कर सकी। लेकिन इस सरकार ने यह काम भी करके दिखा दिया। इस अक्लमंद सरकार ने मलिक मुजरो उनकी जमीनों की पासबुकस दे दीं ताकि कोई झगड़ा न ही न रहें और किसानो का कर्जा वगैरा लेने के लिये पटवारियों के पास फरदें लेने के लिये पीछे न फिरना पड़े। (विघ्न) यह बलवंत राये जी पूछ रहे हैं कि पास बुक्स कहां मिली हैं तो मै उनको बताना चाहता हूं कि अम्बाला जिला में पास बुक्स का काम शुरू हो गया हैं और बाकी जिलों में जल्दी शुरू हो जायेगा। कितना अक्लमंदी का काम इस सरकार ने किया हैं कि हजारों लाखों मालिक मुजारे वकीलों के चक्कर से बच गये हैं, दावों झगड़ों से बच गये हैं और अदालतों से जाने से बच गये हैं। पास बुक्स देने के बाद जमीनों झगड़े नहीं होगे। (विघ्न) लेकिन एक बात मैं माल मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि इन पास

बुक्स में जो चौथाई सीरी हैं उनका भी एक कालम बना दिया जाये ताकि उनके हकूक को महफूज रखने का तरीका बन जाये। हरिजन नेता इधर भी हैं, उधर भी हैं (श्री गणपत राय की तरफ से विघ्न) भला करने में आप भी शामिल हैं, क्योंकि नाम लेने से खराबियां होती हैं। अभी–अभी एक नाम लिया था तो झगड़ा शुरू हो गया। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने हरिजनों के लिए नई रोशनी पैदा की और बिगड़े हुए, काम को सुधारा हैं। जो हरिजन भाई पिछले पांच सालों में सरकार में रहें, जो काम वे नहीं कर सकें वे काम इस सरकार ने कर के दिखाये। मैं डाक्टर साहिब से को भी कहता हूं कि, मैं सिर्फ चान्द राम जी को ही नहीं कहता, उस सरकार में आप भी शामिल थे, इससे भी पहले श्री बलवन्त राय डिप्टी मिनिस्टर थे, ये भी वे काम नहीं कर सके जो इस सरकार ने कर के दिखाये। इसमें अकेले चान्द राम जी का कोई कसूर नहीं था, कसूरवार वे थे जो उस समय सरकार चला रहे थे, चाहे वह सरकार राव साहब की सरकार हो चाहे भगवत दयाल की सरकार हो, चाहे राम किशन की सरकार हो, मैं किसी इंडिविज्वल को बलेम नहीं करता। हां मैं बात रहा था कि उस सरकार ने हरिजनों को यानी इन गरीबों को ऊपर उठाने के लिण क्या–क्या कारनामें किये, आप सुनकर हैंरान हो जायेंगे।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, सबसे पहले बात यह कि हरिजन लड़कों को वजीफं मिलते थे लेकिन वे कभी वक्त पर नहीं मिले

थे, बच्चों को बड़ी परेशानी होती थी। इस सरकार ने उनके वजीफे हर महीने देने का फैसला कर दिया और हरिजनों की तालीम को आगे बढ़ाने के लिये एक सराहनीय कदम बढ़ाया। (श्री गणपत राय की तरफ से विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरे भाई गणपत राय अगर उधर चले गये हैं तो कम से कम हम तो इधर बैठे हैं, इन भोले –भाले भाइयों के काम सरकार से करवाने हैं और करवातें आये हैं। अरे! इन को सुनने का सबर तो कर लो जो कुछ हमने हरिजनो के लिए करवाया हैं। आप अच्छे आदमी हैं, शानदार आदमी हैं, कोई बात नहीं आप बहक गये हैं, कोई वक्त होगा, आप फिर भी हमारे पास आओगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं कह राह था कि हरिजन बच्चों की प्रमोशन में रिजर्वेशन, जो कि राव सरकार ने बन्द कर दी थी इस सरकार ने शुरू कर दी हैं। जो रिक्मेंडेशन्ज स्टेट सोशल वैल्फेंयर बोर्ड में हम ने की थी वे अप्रूव हो गई हैं। कैबिनेट में अप्रूव होकर कन्फर्म हो चुकी हैं और चीफ मिनिस्टर ने वायदा किया हैं कि ज्यादा से ज्यादा प्रामोशन्ज हरिजनों को दी जाएगी। उन्होंनें हरिजन वैल्फेयर मिनिस्टर को इस के बारे में हुक्म भी दिया हैं। इस सरकार ने आज हरिजनों की प्रमोशन को रिर्जव करने का जो फैसला किया हैं उस के लिए हरिजन भाई सरकार के अभारी हैं और मुबारकबाद के मुस्तहिक है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप हैरान होंगी कि पब्लिक सर्विस कमिशन, जब से सरकार बनी हैं तब से चला आ रहा हैं,

बहुत पहले से चलता आ रहा हैं, मगर पब्लिक सर्विस कमिशन में होता क्या हैं? मैं हाउस को बता देना चाहता हूं कि एक बार एडवरटाईजमेंट होने के बाद इन्टरव्यू पर लड़के बुला लिये जाते थे। पब्लिक सर्विस कमिशन के मैंम्बरों को यह हक था कि अगर एडवरटाईजमेंट करने पर काबिल हरिजन उम्मीदवार न मिलें तो उसकी जगह नान–हरिजन कैडिडेट को ले लिया जाता था। मगर धन्य हैं बंसी लाल सरकार को जिसने यह आर्डर कर दिया हैं कि अगर पहली बार एडवरटाईजमैंट कर के हरिजन काबिल आदमी न मिंले तो दूसरी बार करो, और अगर दूसरी बार न मिले तो तीसरी बार करो। तीसरी बार भी गवर्नमेंट को पूछ कर पोस्ट को पुर किया जा सकता हैं। मैं पूछता हूं कि पहली सरकारें भी उस काम को पहले कर सकती थी, लेकिन नहीं किया।

चौधरी जय सिंह राठीः हरिजनों में काबलियत होती ही नहीं, कहां से करते? (व्यवधान)

सूबेदार प्रभु सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस ड्रामें की हालत में मुझे भी बोलना पड़ेगा, आप इन्हें चुप करा दें। मैं कह रहा था डिप्टी स्पीकर साहिबा कि राव सरकार ने कस्टेडियन जमीन जो 450 रूपये स्टैंडर्ड एकड़ थी, उसको बढ़ाकर 900 रूपये स्टैंडर्ड पर बेचा था। मैं इस सरकार को मुबारकबाद देता हूं जिन्होंनें हरियाणा के हरिजनों को ऊपर उठाने के लिए कास्टोडियन जमीन का भाव फिरी 450 रूपये स्टैंडर्ड एकड़ कर

दिया जो राव सरकार ने हरिजनों के गले में फंदा डाला था उसको हटा दिया।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस के आगे इंडिस्ट्रियल लोन्ज का जिक्र करता हूं। पिछली सरकारों ने 70 लाख या 52 लाख रूपये से ज्यादा किसी सरकार ने इंडस्ट्रियल लोन नहीं दिया था लेकिन इस सरकार ने पिछले साल 90 लाख रूपये कर दिया और इस साल 82 लाख दिया। अगर 82 लाख रूपये से काम न चले तो इनका ख्याल हैं कि अगर बीस लाख रूपया और देने पड़े तो सरकार देगी। इसके अलावा स्टेट वैलफेयर बोर्ड की तरफ से यह तजवीज हैं कि इंडस्ट्रियल के लिए लोन लेकर अपनी दस्तकारी से काम करें और आगे बढ़े। सरकार ने यह बड़ा सराहनीय काम किया हैं, मैं इसकी तारीफ किये बगैर नहीं रह सकता।

इसके इलावा जो कंस्टोडियन जमीन पिछली सरकार ने 5 रूपये एकड़ के हिसाब से खरीद कर तीन हजार रूपये फी एकड़ जमीन बेची। मैं उस सरकार का जिक्र कर रहा हूं जिस में ये हरिजननवाज लीडर इधर थे, उन के साथ के दस्तखत हुए हैं फाइल पर। आज वे हंसते हैं और मैं रोता हूं। इन्होंनें हरिजनों के खिलाफ कलम चलाई हैं और अब ये असैम्बली में मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं।

उपाध्यक्षाः आप पांच मिनट जरूरी–जरूरी बातें कह ले। उस तरफ से भी अभी मेंम्बरों ने बोलना हैं।

सूबेदार प्रभु सिंहः अगर आप पांच मिनट कहती हैं तो मैं पांच मिनट बोलूंगा लेकिन यह जो मसला चल रहा हैं, इस पर मुझे कहने दें। ऐसे तो बोलने वाले मेम्बर और भी बहुत हैं, मगर जिस मामले को लेकर मैं बोल रहा हूं उस पर अपोजीशन की तरफ से भी एक ही मेम्बर बोलें हैं। कम से कम हरिजनों के लिए दोनों तरफ से बराबर बराबर टाईम दे दो, उतना हक तो मुझे हैं।

उपाध्यक्षाः आल राइट।

सूबेदार प्रभु सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा इस सरकार की क्या–क्या तारीफ करूं। जब से आजादी आई, वैलफेयर डिपार्टमेंट के आफिसर नान–गजेटिड चलते रहे। ये कागज अटैस्ट नहीं कर सकते थे, तहसीलदार के पास जाना पड़ता था। लेकिन अब इस सरकार को मैं मुबारकबाद देता हूं कि इसने हरिजन अफसरों को गजेटिड अफसर बनाकर बराबर का हक दिया। अब वे रैस्ट हाउस में ठहर सकेंगे, हरिजनों का काम कर सकेंगे और उनका कुछ स्टेटस भी हो गया हैं। तो इस सरकार ने जो 17 साल से नान–गजेटिड पोस्टें चली आ रही थी उन्हें गजेटिड बनाकर हरिजन कल्याणा को बहुत आगे लाने के लिए कोशिश की हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा,, पिछली सरकार ने जिस सुबार्डिनेट सीलैक्शन बोर्ड को तोड़ दिया था उसे इस सरकार ने फिर से बना दिया हैं। पहले इस बोर्ड में हरिजनों का कोई

नुमांयदा नहीं होता था। मगर उस गवर्नमेन्ट ने हमारी सर्विसज की, रिजर्वेशन को महफूज करने के लिए का नुमायंदा, और वह भी काबिल, जिसकी काफी तर्जुबा हैं, लगाकर हरिजनों पर एहसान किया हैं। हम सरकार का इसके लिए धन्यवाद करते हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस सरकार ने वजूद में आने से पहले तक जितनी सरकारे यहां आइ उनके आगे हम हमेशा चिल्लाते रहे कि भारत सरकार की तरह हरिजन लड़को को बी0 ऐी0 करने के बाद आइ0 ए0 एस और दूसरी दिगर ट्रेंनिग के लिए तथा मैंट्रिक करने के बाद स्टैनोग्राफी आदि के लिए गवर्नमेन्ट के खर्च पर एक इंस्टीच्यूट खोला जाए ताकि ये लोग दूसरे लोगों के मुकाबले में आगे आ सकें, मगर किसी ने सुनाई नहीं की लेकिन इस गवर्नमैंट के ने आपको जानकर खुशी होगी अम्बाला में इस तरह का सैन्टर खोल दिया हैं जिसमें गवर्नमेन्ट के खर्चे पर, शायद 170 या दो सौ रूपया माहवार के हिसाब से बी0 ए0 वाले हरिजन लड़के आइ0 ए0 एस0, आइ0 सी0 एस0 आदि की और मैट्रिक वाले स्ट्रैनोग्राफी या दूसरी किसम की ट्रेनिंग ले रहे हैं। डिप्टी स्पीकर, भारत सरकार के बाद हिन्दुस्तान भर में केवल इसी सरकार ने इस तरह का सैन्टर खोला हैं। न ऐसा सैन्टर पंजाब में हैं, न राजस्थान में हैं, न मद्रास में हैं और बिहार या बगांल में हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, हरिजनों को आगे बढ़ाने के लिए बंसी लाल सरकार ने या यों कहें इस कांग्रेस सरकार ने काम कर

दिए जो आज तक हरियाणे के हरिजनों के बहुत तगड़े लीडर जो अपने आप को कहते हैं, नहीं कर सके थे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, पंचायतों की लैड का जो एक तिहाई हिस्सा आज तक चलता रहा था उसे इस सरकार ने एक बटे दो करके हरिजनों को आगे बढ़ने का रास्ता तलाश किया हैं। जो नजूल जमीन थी वह 15 सालों कागजों में चलती रही और जब राव साहब की सरकार आई तो फौरनप उसने फैसला कर दिया कि 50 परसैन्ट हरिजनों को देंगे और 50 परसैन्ट नान–हरिजनों में बांट दी जाएगी। इस पर दस्तखत किसने किए, इसके बारे में डिप्टी स्पीकर साहिबा, अगर कुछ न कहूं तो ठीक ही होगा।

श्री मंगल सैनः अरे भाई चांद राम जी ने किए थे, कहते क्यों नहीं?

सूबेदार प्रभु सिंहः यह तो डाक्टर साहब आपको पता होगा क्योंकि आप तो इन्चार्ज थे उस गवर्नमेन्ट के आपने मुखालफत भी करवाई थी और आपने पढ़ा भी होगा। खैर, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इन बातों में न जाता हुआ इतना कहना चाहता हूं कि इस गवर्नमैन्ट ने सैटपरसैट नजूल लैन्ड को न सिर्फ हरिजनों को देने का फैसला किया हैं बल्कि जितनी भी नजूल लैन्ड थी उसे हरिजनों में बांट दिया गया हैं। मैं तो, डिप्टी स्पीकर साहिबा, दावे से कहता हूं कि इस सरकार ने डेढ़ साल में वे काम किये हैं जो आत कभी नहीं हुए थे। अगर इस तरह के काम करवाने वाले आदमी 156–16 साल पहले गवर्नमैन्ट में चलते

आते तो हरिजनों की हालात बहुत कुछ सुधर गई होती। इसी तरह, डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछली सरकार ने इनफीरियर लैन्ड के बारे में जो फैसला किया था कि पचास परसैन्ट एक्स–सर्विसमैंन को दी जाए और पचास परसैन्ट हरिजनों को दी जाए, उसे भी रद्द करके सैन्ट परसैन्ट भूमि हरिजनो ंको देने का हुक्म दिया हैं और इस हुक्म के अनुसार वह बांट भी दी गई है और सबको मिल भी चुकी हैं।

फिर डिप्टी स्पीकर अनटचेबिलिटी दूर करने के लिए जो एक्ट बना था उसे बालायेताक रख दिया गया। उस पर इस सरकार के आने तक कोई अमल नहीं हुआ था, सरकार आते ही उस पर अमल करने फैसला किया। डिप्टी कमिश्नर्ज को आर्डर्ज गए कि जगह–जगह पर बोड लगा दिया जाए कि अगर कोई किसी को नीच समझेगा तो उसे 6 महीने की कैद और पांच सौ रूपये जुर्माना होगा। इससे पब्लिसिटी हुई, प्रोपेगन्डा हुआ और एक्ट को जुम्मस हुई और अब किसी को छोटा नहीं समझा जाता।

इसके अलावा सरप्लस का जो मसला था उसे भी सरकार ने आते ही बड़ी दयानतदारी और ईमानदारी से हल किया हैं। 15–20 साल से यह काम भी नहीं हो रहा था मगर इस सरकार ने लैन्ड रिफार्मज के ध्येय को सामने रखते हुए लैंड–लैस–लैबरर्ज, लैंड–लैस–टेनैन्टस और बैकवर्ड क्लासीज के लोगों को जमीन देने के लिए एक लैन्ड रिफार्म कमेटी बनाई हैं जो इस मसले पर विचार करके अपनी रिपोर्ट बहुत जल्दी ही

देगी। तो इस तरह से सरकार ने यह भी लैड़लैस लोगों को और बैकवर्ड क्लासीज के लोगों को बरसरे रोजगार और कुछ जमीन देने का इरादा किया हैं। (घंटी)

एक सदस्यः यह भी तो बताओ कि एक किल्ले मे कितने हल चलते हैं?

सूबेदार प्रभु सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं तो आपकी घंटी बजते ही बोलना बंद करने लगा था मगर इस भाई ने पूछ लिया कि दो किल्ले में कितने हल चलते हैं । डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसमें किल्ले में हल चलने या न चलने की बात नहीं हैं, यह तो मैटर आफ स्टेटस की बात हैं।

उपाध्यक्षाः सूबेदार साहब, अब आप कृपा खत्म ही कर दें।

सूबेदार प्रभु सिंहः मैं डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब केवल एक मिनट बोलूगां क्योंकि मुझे एक शेर याद आ गया हैं। उसे कहकर मैं बैठ जाऊंगा। एक शायर ने कहा हैं.....

मस्जिद तो बना ली शब भर में, इमां की हरारत वालों ने,

मन जो पुराना पापी था, वर्षो से नमाजी बन न सका।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह जो पुराने पापी हैं ये कारों में बैठने के आदी बन चुके हैं। अगर ये कारों में न चलकर मेरी

तरह सीधे–सादे ढंग से सड़क पर चल कर लोगों को न भड़काएं और इतनी शानदार सरकार को जिसने हरियाणा को चमकाया है और आगे ले जाने की कोशिश कर रही हैं, उसे तोड़ने की कोशिश न करें, तो इन्हें चैन नहीं आता। चाहिये तो यह कि इसकी कोशिश मदद करें ताकि और अच्छे काम करके हरियाणा का नाम हिन्दुस्तान में रोशन कर सके।

Deputy Speaker: I want to make one announcement. The meeting fo the Business Advisor Committee which was fixed for today has been cancelled because our Hon. Speaker is feeling unwell.

राजकुमारी सुमित्रा देवी (रिवाड़ी): डिप्टी स्पीकर साहिबा मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार प्रकट करना चाहती हूं.....

उपाध्यक्ष: आनरबेल मेम्बर साहिबा से मैं रिक्वैस्ट कंरूगी कि वे केवल पांच मिनट बोलेंगी क्योंकि उनके पश्चात दो मेंम्बर और भी अपोजीशन के बोलना चाहते हैं और अपोजीशन का टाईम केवल 15 मिनट बाकी हैं।

EXTEINSION OF TIME OF THE SITTING

मेजर अमीर सिंह चौधरी: डिप्टी स्पीकर साहिबा, आधा घन्टा टाईम और बढ़ा दिया जाये।

उपाध्यक्षाः देखिए 15 मिनट अपोजीशन का टाईम हैं और 20 मिनट ट्रेजरी बैचिज के लिए हैं।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः मैंडम, मेरी आपसे रिक्वैस्ट हैं कि कुछ नेय मैम्बरज हैं इसलिए उनको भी बोलने का मौका मिलना चाहिये।

उपाध्यक्षाः हाउस साढ़े छः बजे खत्म हो जायेगा और एक घंटा या सवा घन्टा लीडर आफ दी हाउस ने भी बोलना हैं। अब उस हिसाब से देखिए हमारे पास कितना टाईम रह जाता हैं। इसलिए 15 मिनट अपोजीशन और 20 मिनट ट्रेजरी बैचिज को दिये जाते हैं

मेजर अमीर सिंह चौधरीः चीफ मिनिस्टर साहब भी बैठे हुए हैं। इसलिए आधा घन्टा टाईम और बढ़ाने के लिए विचार कर लें।

मुख्य मंत्री (बंसी लाल): ठीक हैं, आधा घन्टा और बढ़ा दिया जाये।

उपाध्यक्षाः अच्छा हाउस का टाईम आधा घन्टा और बढ़ाया जाता हैं।

RESUMPTION OF DISCUSSION ON THE GOVERNOR'S ADDRESS

राजकुमारी सुमित्रा देवीः डिप्टी स्पीकर साहिबा, हफ्ते में दो दिन शराब बन्द करने की योजना सरकार की ओर से की गयी हैं। मैं समझती हूं कि दो दिन हफ्ते में बन्द करने से कोई लाभ नहीं होगा। जो व्यक्ति शराब पीने वाले हैं वे तो दो दिन के लिए पहले ही शराब इकट्ठी करना आरम्भ कर देते हैं। इसलिए मैं तो यह चाहती हूं कि हमारी सरकार को पूरी तरह से शराब–बन्दी करने के लिए कटिबद्ध हो कर प्रस्ताव पास करना चाहिए कि हरियाणा के अन्दर से बिल्कुल शराब बन्द हो ताकि कोई भी व्यक्ति शराब न पी सके।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप जानती हैं कि हरियाणा के अन्दर शराब पीने का पहले बिल्कुल रिवाज नहीं था। पहले शराब वही लोग पीते थे जो मिल्टरी में होते थे और वे लोग वे गांवों में आकर तो लुक–छिप कर ही पीते थे परन्तु जब हमारी सरकार ने शराब के ठेके खोले हैं तब से यहां शराब सरे–आम पी जाती हैं। आजकल तो बच्चे–बूढ़े और टीचर भी शराब पीते हैं। मेरी कांस्टीच्यून्सी का पता हैं कि टीचरों को देख कर छोटे बच्चे भी पीना आरम्भ कर देते हैं। मेरी कांस्टीच्यूशन में पहले शराब का बिल्कूल रिवाज नहीं था परन्तु अब जितने भी वहां स्कूलो में टीचर हैं वे स्कूलों के अन्दर ही बैठ कर पीते हैं। टीचरों के विषय में तो यहां देखा गया है कि वे ृसमझती हूं कि सरकार का यह फर्ज बनता हैं कि पूरी तरह से शराब बन्दी करें। पूरी तरह से विचार

करके जनता के साथ हमदर्दी करके इस प्रस्ताव को पास करें कि हरियाणा से शराब–बन्दी हो।

एक और चीज का जिक्र भी किया गया हैं कि सरकार ने सिंचाई के लिए बहुत सारे साधन अपनाये है और हरियाणा के अन्दर बहुत ज्यादा सिंचाई योजना फैलाई गई हैं। यह भी ठीक है कि बहुत सारे ट्यूबवैल सरकार ने हरियाणा में लगाये हैं लेकिन इसके साथ–साथ लगने के पश्चात जनता को बहुत परेशानी हो रही हैं। लोगों ने अपनी बिजली की मोटरें लगायी हुई हैं वहां पर बिजली ठीक तरह से न जाने मोटरें जल जाती हैं और उनके जलने से सिंचाई के साधन खत्म हो जाते हैं। बिजली न पहुंचने से खेती में पानी देने का कोई दूसरा साधन नहीं रह जाता क्योकि जो उनके दूसरे साधन थे वे भी उनके खत्म हो चुके हैं, इसलिए किसानों को पानी की कठिनाई हो रही हैं। इसलिए मैं सरकार से आपके द्वारा निवेदन करना चाहती हूं कि इस ओर सरकार अपने अफसरों को भी सहूलतें दे और वहां जनता है उनको भी ठीक तरह से बिजली समय पर दे ताकि वे अपने खेतों में पानी दे सकें और जो उनकी मोटरे फियूज होती हैं वे भी फियूज न हो। दूसरी कठिनाई जो जमींदार को हो रही हैं वह लाईन–मैनों की होती हैं। एक तो वे ठीक टाईम पर बिजली ठीक करने के लिए नहीं पहुचते हैं दूसरे सारे लाईन–मैन पूरी तरह से ट्रेन्ड नहीं होते हैं वे बगैर रिश्वत से काम नहीं करते हैं। इस और

भी सरकार को गौर करना चाहिए और उन लोगों को पूरी हिदायतें हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा मेरी कांस्टीच्यून्सी में शाहबी नदी बहती हैं उस नदी से उस इलाके के लोगों को बहुत नुक्सान पहुंचता हैं। शाहबी नदी पर बान्ध बान्धा जाये ओर उस पानी को फिर खेतों को दिया जाये जिससे लोगों को जो नुकसान होता हैं वह भी न हो। इससे जमींदार को बहुत फायदा हो जायेगा। दूसरे शाहबी नदी के साथ–साथ ट्यूबवैल भी लग सकते हैं क्योंकि रिवाड़ी के अन्दर और जगहों पर अच्छा पानी नहीं हैं इसलिए उस नदी के साथ–साथ जो ट्यूबवैल्ज लगते हैं उनका पानी मीठा होता हैं। इसलिए सरकार को इस ओर भी गौर करना चाहिए। सरकार को अपने बड़े ट्यूबवैल उसके सहारे लगाने चाहिए ताकि उस क्षेत्र के लोगों को कुछ राहत मिले।

कुछ समय पहले शाहबी नदी के अन्दर एक बान्ध बान्धने की योजना बनायी गया थी, वह इसलिए बनाई गयी थी कि उस क्षेत्र में पीने का पानी खरा हैं इसलिए लोगों को पीने का मीठा पानी दिया जाये परन्तु वह योजना ज्यों की त्यों अभी तक वैसी ही पड़ी हुई हैं। अब उस बान्ध से जो भी अभी अधूरा पड़ा हुआ हैं लोगो को काफी नुकसान हो रहा हैं। किसान लोगों को अपने खेत से दूसरे खेत में आना मुश्किल हो गया हैं। इसलिए सरकार को चाहिए कि उस योजना को पूरा करें और वहां पर

छोटी–2 पुलियां बनायी जायें ताकि लोगों को भी अपने खेतों मे जाने में सहूलियत हो।

जहां सरकार ने उद्योगों के लिए बड़ी–बड़ी योजनायें बनायी है वहां सरकार को छोटे उद्योगों के लिए ग्रामों के लोगो की भी सहायता करनी चाहिए। उनको भी छोटे उद्योगों धन्धों के लिए जानकारी देने का भी प्रबन्ध करना चाहिए। गांव में गरीब लोग छोटे–छोटे उद्योग धन्धों अपने घरों में लगाये और उनसे अपनी रोजी कमा सकें ऐसा प्रबन्ध सरकार को करना चाहिए।

जहां तक मेरे इलाके में सड़को का ताल्लुक हैं रिवाड़ी तहसील में बहुत से ऐसे गांव हैं जहां सड़को के बिना बहुत दिक्कते पेश आ रही हैं। कई बार तो ऐसी कठिनाई आती हैं जिसके विषय में बयान नहीं किया जा सकता। जो औरतें गर्भवती हैं उनको प्रसवकाल के लिए हास्पिटल ले जाने में दिक्कत पेश आती हैं, क्योंकि कच्चे रास्ते हैं वहां सड़के नहीं हैं। दूसरे एरिया में कोई ट्रेन्ड दाईयां भी नहीं हैं और न ही वहां पर कोई हैल्थ सैन्टर ही हैं। इसलिए सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

रिवाड़ के अन्दर जो हास्पिटल हैं वह बहुत छोटा हैं। वहां पर रिवाड़ी से अलवर तक और इधर नारनौल से फिरोजपुर–झिरका और गुडगांव तक कोई भी हस्पताल नहीं हैं। तो मैं सरकार से यह निवेदन करना चाहती हूं कि वहां पर

हास्पिटल को उन्नत किया जाये और उसके आस पास जो भी इलाका हैं उसमें ट्रेन्ड दाइयां और हैल्थ सैन्टर कायम किये जायें।

इसी प्रकार का एक उदाहरण मैं हाउस के सामने बताना चाहती हूं। एक औरत को जिसको बच्चा होने वाला था बैलगाड़ी से हस्पताल ले जा रहे थे। उसकी रास्ते में ही हस्पताल ले जात ही मृत्यु हो गई आज के जमाने में यह बड़े दु:ख की बात हैं इस प्रकार सरकार की ओर से ठीक प्रकार से प्रबन्ध न होने के कारण औरत ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

सरकार की ओर से पीने का पानी की भी काफी योजनायें बनायी गयी हैं और कई इलाकों में सहूलियते दे भी रहे हैं परन्तु मेरे इलाके के लोग बहुत गरीब हैं इस कारण से जो खर्च गवर्नमैंट की ओर से पानी की योजना लगाने के लिए मांगा गया हैं वह पूरा नहीं दे सके। उसका यही कारण है कि वे लोग गवर्नमैंट को पूरा खर्चा नहीं दे सके हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहती हूं कि जिस इलाके के लोगों के लिए खेती के लिए पानी की सुविधा नहीं हैं तो उस इलाके के लोगो की आमदनी भी कुदरती कम होगी। जब उनकी आमदनी भी कम है तो फिर वे अपने हिस्से का रूपया कैसे दे सकते हैं ? इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहती हूं कि उनके शेयर को कम किया जाये और जो उनके पानी के नल लगाने से रोक लिए गये थे वे फिर से लगवा दिये जायें।

गवर्नर साहब के भाषण में यह भी कहा गया हैं कि रिटायर्ड सैनिक को काफी सहूलतें दी जा रही हैं। मैं समझती हूं कि सरकार की और से बहुत अच्छा कदम हैं। इसके साथ ही मैं सरकार से यह भी मांग करती हूं कि जो छोटे–छोटे ओहदों से सिपाही रिटायर हो जाते हैं उनके लिए भी ऐसी योजना बनायी जाये जिससे वे अपना धन्धा चला सकें और अपनी आजीविका चला सकें। उसका कारण यह हैं कि वे ज्यादा मिल्टरी सर्विस में ही रखते हैं और अपनी जमीनों पर उतना ध्यान नहीं रख पाते है। इसलिए मेरा डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपके जरिए सरकार से यही निवेदन हैं कि जो सिपाही हैं उनके लिए भी उद्योग या कोई छोटे–छोटे धन्धों का प्रबन्ध किया जाये।

अन्त मैं, मैं यही निवेदन करना चाहती हूं कि तहसील रिवाड़ी के अन्दर जब कि वहां पीने का पानी भी नहीं हैं और खेती के लिए तो कहां से होगा, जिसके कारण उन लोगों की आमदनी के साधन बहुत सीमित हैं इसलिए रिवाड़ी क्षेत्र के अन्दर जो भी स्कूल बनाये जाते हैं उन सरकारी स्कूलों के लिए जो बिल्डिगें बनती हैं उनके लिए पैसे की छुट दी जानी चाहिए।

दूसरी चीज यह हैं कि वह क्षेत्र पिछड़ा हुआ हैं इसलिए वहां पर लड़कों के साथ लड़कियां पढ़ने के लिये तैयार नहीं होती हैं। एक तो उनके कुछ रिवाज भी ऐसे हैं जिससे वे लड़को के साथ पढ़ना पसन्द नहीं करती और न ही मां–बाप उन स्कूलों में भेजने के लिए तैयार ही होते हैं। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहिबा,

जो इस क्षेत्र में बड़े–बड़े गांव हैं, जिन गांवों की संख्या अधिक हैं उन गांवो के अन्दर लड़कियों के स्कूल खोले जायें जिससे लड़कियां भी लड़को के समान शिक्षित हो सकें। अगर वहां प्रबन्ध नहीं किया गया तो उस क्षेत्र की लड़कियां अशिक्षित ही रह जायेंगी। इसलिए उस बात की ओर अवश्य ही ध्यान दिया जाये और महिलाओं को अवश्य ही मौका मिलना चाहिए।

चण्डीगढ़ के विषय में बहुत से महानुभाव कह चुके हैं और काफी विस्तार से और बहुत अच्छे ढंग से बतलाया गया हैं। डिप्टी स्पीकर महोदया, आप भी जानती हैं कि चण्डीगढ़ का मसला था वह हम सबका मसला था। चण्डीगढ़ के लिए अंत तक चीफ मिनिस्टर साहब कहते रहें कि चण्डीगढ़ पर हमारा जन्मसिद्ध अधिकार हैं कि हम चण्डीगढ़ को लेकर रहेंगें। उनकी तरफ से पूरा आश्वासन था लेकिन मैं जानती कि अन्त में क्या विचार–विनियम हुआ और क्यों इरादा बदल गया। यह हो सकता हैं कि यह फैसला ठीक समझकर किया गया हो लेकिन ऐसी अवस्था में यह आवश्यक था कि जब उनके विचार बदले तो सरकार को चाहिए था कि इस तरह का वातावरण पैदा करती जिससे हरियाणा की जनता यह जानती कि यह जो कुछ करने जा रहे हैं वह ठीक हैं।

उपाध्यक्षः आपको 15 मिनट हो गए हैं मैं रिक्वैस्ट करूंगी कि अब आप खत्म करें।

राजकुमारी सुमित्रा देवीः बस अभी खत्म कर रही हूं। हां तो मैं कह रही थी कि जब सैन्टर से बात करने के बाद विचार बदले तो 2–4 दिन पहले जनता को एक वक्तव्य देते और इस बात के लिए राजी करते कि चण्डीगढ़ के छोड़ने में ही हमारी भलाई हैं और इसी मं हमें लाभ हैं। अगर वे ऐसा कदम उठाते तो ज्यादा अच्छा रहता। इस तरह से जो छोटे–छोटै बच्चों कि हानि हुई हैं वह न हो पाती। मैं समझती हूं कि यह बुरी दुर्घटना हुई हैं और उसकी क्षतिपूर्ति करना बहुत कठिन हैं। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करती हूं।

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ़): मैं, डिप्टी स्पीकर महोदया, आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने को मौका दिया हैं। मैं गर्वनर साहब के ऐड्रैस का स्वागत करता हूं जिन्होंनें इतनी नम्रता के साथ गीता के श्लोक पढ़े। लेकिन मुझे दुख हैं कि विरोधी दल के भाई गीता के श्लोक भी सुनने के लिए तैयार नहीं हुए। हो सकता हैं कि उन्हें बंसी लाल से गिला हो, लेकिन भगवान कृष्ण से तो कोई गिला नहीं था। खैर यह उनकी मर्जी की बात हैं। तो मैं गवर्नर साहब का बहुत–बहुत शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंनें कि बहुत ही अच्छे ढंग से अपने भाषण को हमारे समाने रखा।

दूसरी बात यह हैं कि इस सरकार की जितनी तारीफ की जाए थोड़ी हैं। किसी के काम की तारीफ की नहीं जाती देखी जाती हैं। अब तक जितनी भी सरकारें आई किसी ने भी इतान

काम नहीं किया हैं। मेरा इलाका कालापानी माना जाता हैं लेकिन वहां इस सरकार ने इतना काम किया हैं कि कहा नहीं जा सकता। इतना काम करने के बाद भी कुछ भाई सरकार से गिला करते हैं। विरोधी दल के नेताओं को इसलिए गिला हैं कि उनके चूतड़ों के नीचे कुर्सिया छुट गयी हैं। यह तो होता ही हैं। आज एक चपरासी को भी अगर नौकरी से निकाल दिया जाए तो वह भी गुस्सा खाता हैं।

डिप्टी स्पीकर महोदया, आपके द्वारा मैं सरकार को बधाई देता हूं। इंडिया में किसी भी सरकार ने इतने थोड़े समय में इतना काम नही किया हैं जितना इस सरकार ने किया हैं। सरकार के कामों की पिटारी जब खुलेगी तब पता चलेगा कि क्या निकलता हैं? आज विरोधी दल के लोगों ने चण्डीगढ़ का बवंडर मचाया हुआ हैं। जब विरोधी दल के नेताओं ने पूछा गया कि चंडीगढ़ किसको मिलना चाहिए तो सब ने कहा कि पंजाब को मिलना चाहिए। उस टाइम ये विरोधी दल के लोग अपने नेताओं के पास क्यों नही गए और यह क्यों नही पूछा कि आप लोग ऐसा क्यों कहते हो? लेकिन इनकी हालत तो यह हैं कि ये लोग लगाने के समय भी आगे और बुझाने के समय भी आगे। अगर चंडीगढ़ शाह कमीशन ने हरियाणा को दिया था तो यह फाजिल्का तो उसने हरियाणा को नहीं दिया। अब अगर फाजिल्का हरियाणा को मिल रहा हैं और चंडीगढ़ जा रहा हैं तो क्या बुरा हैं? मैं तो कहता हूं कि चंडीगढ़ गया अच्छा हुआ। मुझे चंडीगढ़ के एक–एक

कोने का पता हैं। फाजिल्का जो हमें मिला हैं उसकी आमदनी से हम और दूसरा चंडीगढ तैयार कर लेंगे डिप्टी स्पीकर महोदया, ये सारी बातें मैं अपने हृदय से कह रहा हूं।

उपाध्यक्षाः आपका टाइम खत्म हो चुका अब खत्म करिए।

चौधरी लाल सिंहः औरो को तो पन्द्रह–पन्द्रह मिनट देती हैं और मुझको सिंर्फ तीन मिनट। जरा मेरी बातें सुन लें अगर मतलब की हों तो ले लेना नहीं तो फेंक देना। अगर बंसी लाल और इंदिरा गांधी जी ने चंडीगढ़ पंजाब को दे दिया तो फाजिल्का तो हमें दे दिया और उस फाजिल्का की आमदनी 30 करोड़ रूपए सालाना हैं। मैं कहता हूं कि अगर हिन्दुस्तान में किसी सरकार ने इतने थोड़े समय में इतना काम किया हो जितना बंसी लाल की सरकार ने किया है तो मैं इस्तीफा दे सकता हूं। जब चंडीगढ़ यूनियन टेरटरी था तब हरियाणा को क्या मिलता था अब कम से कम फाजिल्का मिलने से कुछ आमदनी तो हुई।

मैं जहां जीतकर आया वहां सब की जमानत जबत हो गई। ये जनसंघी इंदिरा जी और बंसी लला को गालियां देते थे मैंने इन्हें कहा कि गालियां क्यो देते हो बंसीलाल के काम को तो देखो। इतनी बात कहने पर ही मुझे जनसंधियों ने पिटवाया। मैं बताना चाहता हूं कि जिस वक्त मेरे को रात को 11 बजे चोट लगी तो डी0 सी0 और एस0 पी0 मुझे पूछने के लिये **(5.00P.M.)**

आये और डी0 सी0 ने रेल के इंजन पर खड़े होकर इस देश की दौलत को बचाया और एस0 पी0 ने डिब्बों में घुस–घुस कर लोगों की जाने बचाई। तो आप यह कहते हैं पुलिस ने इनको कुटवाया हैं? जो बात मैं आंख से दख लूं मैं उससे मूकर नहीं सकता। यह मेरा दावा हैं कि जो काम इस देश के अफसरों ने किया हैं शायद आप अपनी जायदाद की रक्षा का काम नहीं कर सकते। पुलिस के पास पकड़ने के सिवा और क्या चारा था? उन लोगों की जायदाद जलाई गई हैं जो कि बिल्कुल बेगुनाह हैं। मैं यह नही समझ सकता कि यह सच्चाई को दबाकर फतूर क्यों खड़ा कर दिया गया हैं? हय लोगों के बच्चों को सिखा–सिखाकर ड्रामा करवाते हैं। मेरे को चोट लगी और रात के ग्यारह बजे सर्दी में एस0 पी0 और डी0 सी0 मेरे घर गये और कहने लगे कि चौधरी साहब चोट हम को लगी हैं। मेरी सारी दर्द दूर हो गई। आज इस देश के अन्दर ऐसे अफसर मौजूर हैं जो बच्चों की तरह मुझे गले से लगा लें ओर फिर आप कहते हैं कि अफसरों ने जुल्म किया हैं? बच्चों को गिरफ्तार क्यों किया गया? यह क्या एजुकेशन हैं, बच्चे पढ़ कर एक तरह से हाहाकार मंचाए तो मैं नहीं समझ सकता कि यह ड्रामा क्या हैं? मेरी समझ में नहीं आता ये लोग चाहते क्या हैं? जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि कुरप्ट अफसरों को सजा देनी चाहिये, तो मैं यह कहूंगा कि इस देश में जो ईमानदार अफसर है, उनको तरक्की भी देनी चाहिए। जो लोग डी0 सी0 या एस0 पी0 कोर्स करके अफसर बनकर इस देशकी सम्पति को बचाने के लिये कार्य कर रहे थे और अम्बाला कैन्ट के अन्दर रेल के

इंजन पर खड़े होने से मर जाते तो उनके बच्चों की क्या हालत होती? यह कमाल की बात हैं कि आज किसी की भी हमदर्दी इस हाउस के अन्दर नहीं। अपोजीशन के मेंम्बर जो इस हाउस के अन्दर नही आते और अगर आते हैं तो सिवाये इसके कि इस गवर्नमैट के ऊपर किचड़ उछाला जाए इसको गालियां निकाली जाएं, और कोई बात नहीं करते (घंटी की आवाज) माफी चाहता हूं , टाईम और चाहिये। मैं आपसे दुख्र्वास्त करता हूं कि मेरी पार्टी के चार मेम्बर नहीं बोलेगे, उनका टाईम मुझे दे दिया जाए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, तो मैं बहिन जी आपके द्वारा यह कहना चाहता हूं कि इन्होनें मेरें सामने बच्चों को सिखाया कि इंदिरा का यह श्लोक हैं, बंसी लाल का यह श्लोक हैं, दंगे फसाद करवाए गये, यह शेम की बात हैं। बहिन जी जब हमारे देश के अन्दर अच्छे अफिसर हैं और उनकी यह बदनामी की जाए यह बड़े दु:ख की बात हैं। मैं कहूंगा कि हरियाणा सरकार को ऐसे आफिसरों की तलाश करके इनको ईनाम देना चाहिये जिन्होंनें अपने बच्चों की छाती पर हाथ रख कर अपने देश की सम्पत्ति को बचाया। इनको तरक्की भी मिलनी चाहिए। ये मेरी आंखों देखी बात हैं कि कई लोग स्वयं बच्चो को सिखाते थे और गडबड़ करवाते थे। सी0 आई0 डी0 को चाहिये कि ऐसे आदमियों की तलाश की जाए और उन्हें दण्ड दिया जाए। (व्यवधान) इसलिये मै यह कहकर कि इस अरसे में अफसरों ने बढ़िया काम किया, गवर्नमैंट ने बढ़िया काम किया, यह बात यहीं छोड़ता हूं।

अब चन्द बातें अपने इलाके के बारे में कहना चाहता हूं, जहां के लोगों ने मुझे चुनकर भेजा हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अपने हल्के के लिये कहना चाहता हूं, उसके लिये मैं दुख्र्वास्त कर रहा हूं कि यहां तीन–तीन घण्टे मंगलसेन जैसे भाई बोलते रहे लेकिन उससे कुछ नहीं हुआ। (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं अपनी सरकार से दुख्र्वास्त करूंगा कि इस में कोई शक नहीं हैं कि सरकार का हर वजीर मेरे हल्के के हर गांव को देख आया हैं। सरकार ने जो ट्यूबवैल मेरे हल्के को दिये हैं, वह और ज्यादा होने चाहिये और जो लगे हुए हैं, चह चालू होने चाहएि। मेरे इलाके में पीने के पानी की बड़ी दिक्कत हैं। यह सरकार किसी प्रकार से टूट नहीं सकती क्योकि जो किसी आत्मा को फायदा पहुंचाता हैं, उसका फायदा कुदरत करती है। मैं पीने के पानी कि लिये दख्र्वास्त कर रहा हूं, मेरे इलाके में पानी का बहुत भारी दुख हैं और यह दुख जल्दी से जल्दी दूर होना चाहिये। मेरे इलाके की नादियां सारे हरियाणा का नाश कर रही हैं। जितना पैसा फ्लड पर खर्च करते हैं, उससे अच्छा कि एक डैम बना लिया जाए जिस से नुक्सान न हो।

इसके इलावा मेरे हल्के के कई लड़के कालेज में नहीं पढ़ सकते हैं क्योकि नारायणगढ़ में कोई कालेज नहीं हैं। यहां तक कि जिला अम्बाला में भी कोई गवर्नमैंट कालेज नही हैं। इसलिये मैं सरकार से दख्र्वास्त करूंगा कि नारायणगढ़ में एक सरकारी कालेज खोला जाए।

तो मैं बहिन जी आप से यह कहना चाहता हूं कि मेरे इलाके मं बहुत सी जमीन हैं, जिन आज मेरे हल्के में 7 हजार रूपया प्रति एकड़ की कीमत हैं, अगर सरकार वहां कुछ बुलडोजर दे कर जमीनों को लेबल करा दें तो आपके और भी भाई वहां आकर बस सकते हैं। मेरे हल्के में बहुत गरीब आदमी हैं लेकिन उनको कोई काम करने के लिए कोई भी कारखाना नहीं हैं। जितनी भी मेरे हल्के की बाबड घास हैं, जितना भी वहां पत्थर हैं, वह सारे यमुनानगर में जाकर खपता हैं। मेरे हल्के में जरूर एक कागज और गत्ते का कारखाना होना चाहिये जिससे लोगो का भला हो सके। रेलवे स्टेशन की लाईन बिछाने की बहुत पुरानी मांग हैं, जगाधरी वाया नारायगढ़। यह लाइन जरूर निकलनी चाहिये। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपके थ्रु सरकार से यह कहता हूं कि जंगलात विभाग का पहले जो भी था कि अगर किसी का पशु ज्रगल में चला गया तो पंचायत फैसला करती थी कि पशु घुसा की नहीं। लेकिन अब हालत यह हैं कि बहुत जंगलात वालों को अगर थोड़ा बहुत पैसा न मिला तो वह झूठा चालान कर देते हैं और जिस के नतीजे के तौर पर लोग मजिस्ट्रेट के यहां धक्के खाते रहते हैं। यह नहीं होना चाहिये। इसके इलावा, डिप्टी स्पीकर साहिबा(व्यवधान)

बहिन जी मैं आपके द्वारा कहूं कि कोई मेम्बर बीच में गड़बड़ न करें। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपको अम्बाला से जो हमदर्दी हैं, यह मेरी खुशकिस्मती हैं और मै आपका इसके लिये

शुक्रगुजार हूं। मैं आप के सामने रो रहा हूं। मैं आप से दख्वास्त करता हूं कि जंगलता एक्ट में दफा 4 की कोई जरूरत नहीं हैं। मैं इसका कोई मतलब नहीं समझता क्योंकि इस दफा के तहत खेत में खड़ी लकड़ी जमींदार की होती हैं। मेरे इलाके में आधे –आधी लकड़ी रख ली जाती हैं, आधी काट ली जाती हैं यानि मेरे इलाके में आधे हिस्से में दफा 4 हैं और आधे में नहीं। इस तरह से मैं दख्वास्त करूंगा कि ऐसी दफा की कोई जरूरत नहीं हैं। जिनका पैसा और जिनकी जमीने बरबाद हो रही हैं और गल्त आदमी इस्तेमाल कर रहे हैं, उसके लिये एक कमेटी होनी चाहिये ताकि वहां का पैसा कालेजों में या स्कूलों में लगे। मैं आप से दख्वास्त करूंगा कि इस पैसे पर पूरा कन्ट्रोल होना चाहिए। और यह गल्त इन्तजाम हैं जैसे आज बद्री तीर्थ हैं 22 सौ बीघा जमीन हैं, इसके लिये एक कमेटी बनाई जाए जो उसकी देख रेख करे , ताकि इस देश की सम्पत्ति को या तो धर्म में लगाये या उसकी तरक्की में लगाये। मेरे गांवों संढरौ में एक पुल हैं, उस पुल में जो आदमी एक दफा इधर से उधर जाता हैं तो वे दो रूपये लेते हैं। आज तक मुझे नहीं समझ आया कि उसका पैसा कब पूरा होगा? मैं सरकार से दख्वास्त करना चाहता हूं कि जब हरियाणा में कही पुल टैक्स नहीं हैं, तो फिर मेरे वहां क्यो हैं? इसको हटाया जाना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, वहां पर एक डेढ़ मील लम्बी सड़क हैं, जहां पर रोज ऐक्सीडेन्ट होते हैं। वह सड़क चौराहे से

बढौरा तक कट कर बिल्कुल छोटी हो गई हैं। मैं मिनिस्टर साहब को दख्वास्त करूंगा कि फौरन उसको चौड़ा कर दिया जाए ताकि किसी की जान बच सकें।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, सढौरा में एक प्राइमरी हेल्थ सेन्टर सरकार ने खोला हुआ हैं यह इलाका बड़ा पिछड़ा हुआ हैं और मैं सरकार को धन्यवाद करता हूं कि सरकार ने वहां एक्सरे भी भेज दिया हैं लेकिन यह भी कहूंगा कि एक प्राइमरी हेल्थ सेन्टर बड़े इलाके में काम नहीं कर सकता। जहां तक फैमिली प्लानिंग की बात हैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं फैमिली प्लानिंग के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मैं उसके लिये कुछ सुझाव रखता हूं, यह मेरा फर्ज बनता हैं। जितना पैसा इंडिया सरकार या हमारी सरकार या कोई भी सरकार इस महकमे पर खर्च करती हैं अगर इस पैसे से देश में कुछ धार्मिक प्रचार शुरू कर दिया जाए तो लोगों के ख्यालात बदलकर अच्छे हो जाये। लोग अपना खाना पीना सुधारे तथा अपने आपको समझे कि हम क्या हैं। लोगों में धर्म प्रचार बढ़ना चाहिए। लोग हर चीज का टाईम टेबल बनाये, सोने का, हर बात का टाइम टेबल बनाये उसके बाद फिर मेरे से बात करें कि फैमिली प्लानिंग का क्या मतलब होता है? जितना कुदरत की चीज को रोकेगें उतना फैमिली प्लानिंग में बढ़ौत्तरी होगी। बहिन जी मैं आपके द्वादा यह प्रार्थना करूंगा कि धर्म प्रचार जो भी हैं वह बहुत बड़ी चीज हैं। गान्धी जी, नेहरू जी और शास्त्री जी ने और दूसरे बड़े बड़े ऋषियों–महा–ऋषियों ने धर्म को एक बड़ी भारी ताकत

भर दी हैं। हम को एक मण्डली बननी चाहिये जो इस किस्म का लोगों में प्रचार करें, उनको खाने का पीने का, हर बात का टाईम टेबल बतायें। तो फिर फैमिली प्लानिंग की मेरी जिम्मेदारी हैं। बहिन जी एक और सुन लीजिए, बातें तो पच्चास हैं (व्यवधान) जनता के टाईम का दान चाहता हूं, बहिन जी, ताकि जनता का कर्जा तो रख दूं, इस हाउस में लाकर।

एक बात और कानस्टेबल हैं या जो हवलदार हैं, सिपाही हैं, उसका भत्ता सरकार क्यों काटती हैं? सब को मिलता हैं, सारी स्टेट में मिलता हैं, इनको क्यों नही मिलता। मैंने पुलिस के सिपाहियों पर, हवलदारों पर लाठ पड़ती देखी हैं। तो इसलिये उनका भत्ता मिलना चाहिए। जहां तक मास्टरों से काम का ताल्लुक हैं, लठ मर कर लो, मगर उनके साथ व्यवहार बिल्कुल ठीक करो। जो ईमानदार मास्टर हैं, उनकी तरक्की करो और कसूरवार को सजा दो। और दूसरी चीज यह हैं कि उनकी कटौती नहीं होनी चाहिये, वह बहाल होनी चाहिये। मेरा इन सारी बातों को कहने का अपना फर्ज बनता हैं, बाकी जिस तरह सरकार मुनासिब समझे करे। इसके इलावा बहिन जी, मैं आपकी मारफत कहना चाहता हूं कि जिस अफसर को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बहाल कर दिया हैं उसको सरकार मदद करने में पीछे न हटे क्योंकि वह अपनी मदद से, हिम्मत से कानून से जीत कर आया गया। फिर उसको रगड़ा देने की जरूरत क्या हैं, तो इसके अतिरिक्त बहिन जी मैं आपकी दख्वास्त करूंगा कि मेरे इलाके में

जब गर्मी का मौसम आता हैंतो लोग पशु लेकर हरिद्वार चले जाते हैं मै चहता हूं कि टोबे खोदने के लिये कुछ पैसा मिले, जिससे की लोग पानी–धानी के लिये इन्तजाम कर सकें। बहिन जी , मेरी यह बात जरूरी हैं। जमीदांरो और मुजारे की कुछ हद होनी चाहिये कि इतनी जमीन मुजारे के पास रहेगी या इतनी जमीदार के पास रहेगी । अब बोवे मुजरा और लठ खड़काये जमीदार इस की एक हद होनी चाहिए। एक बात मैं आप से दख्वास्त करूंगा कि यह सरकार बड़ी सड़के बना रही हैं यह बहुत अच्छी बात हैं, लेकिन इसके साथ एप्रोच रोड़ज भी बननी चाहियें, यह बहुत अच्छी चीज हैं कि बड़ी –बड़ी सड़को के बनने पर आप ध्यान दें रहे हैं। पीने के पानी की बड़े–बड़े शहरों की बजाये गांव में ही होनी चाहिये। जिस से ग्रामीण जनता को सहूलियत मिले सके। एक और दख्वास्त मैं करूंगा कि बैल आंखे मीच कर चलते हैं। मैं सरकार से उनके कर्मचारियों से दख्वास्त करूंगा कि आंख मीच कर बैल की तरह उन्हें नहीं चलना चाहिये (व्यवधान)। एक बात यह हैं कि कुछ जमीनें ऐसी हैं, जहां पर जंगलात वाले कुछ लगवाते नहीं हैं और पचास एकड़ से लेकर तीन–तीन सौ एकड़ जमीन बेकार रोकी हुई हैं। जंगलात वाले इसका क्या करेगें ? उसको बीजने के लिए डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरकार आर्डर दे दे।

उपाध्यक्षाः नो मोर प्लीज, प्लीज, सिट डाऊन। आप बजट के वक्त हैं। Please sit down I say.

चौधरी लाल सिंहः आपकी बड़ी मेहरबानी हैं जो आप ने मुझे बोलने का टाईम दिया हैं। अन्त में मैं यही कहता हूं कि अगर सरकार इसी तरह से जनता की सेवा करती रही ता इसे कोई हटा नहीं सकता।

Sh. S.P. Jaiswal (Karnal): Madam, Deputy Speaker, we have before us the Addresss of the Governor which we are discussing. Reference has been made by the Governor in the Address to Dr. Zakri Hussain's loss. Yes, Madam, the loss of Dr. Zakir Hussain is one of the greatest losses to this country because.....

चौधरी लाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, आन ए प्वायंट आफ आर्डर, जैयसवाल साहब को स्पीच हिन्दी में देनी चाहिये।

उपाध्यक्षाः यह मैम्बर की मर्जी हैं कि वह किसी भी भाषा में बोल सकता हैं।

Sh. S.P. Jaiswal: I was saying that Dr. Zakir Hussain's death is the greatest loss the country. As a result of Dr. Zakir Hussain's going away a tussle, an unhealthy tussle, started among our leaders and they set before us an example which was not very nice. We have often hared about limited companies in which small set of share holders go out of the companies, call a meeting separately and thereby do an illegal and unlawful act. But, when the leaders of the country set an exampel of this sort, it is a sorry state of affairs. What the turmoil created is the defectors and, unfortunatley for us, in

Haryana what we see today is virtually a Government of defectors. I have no doubt in my mind that the real congress will survive the jolt and, in the end' it is the real congress which is going to really live. We need the real congress in this country for some yet in the national interest. My wishes are with the real congress in the hope that they will be able yet to guide the country till such time if finally disintergrates when some other people are able to take the administration of the country.

Madam, Deputy Speaker, reference has been made to trade policy in the Address. It has been said that we are doing a gerat deal in this state to stop trade from going away from the State and to encourage it furhter. Let me give you an instance or two how trade is being dealt within this particular State. I have a distillery at Karnal. My licence was cancelled because; probably I happened to be4 a member of this House. The hon. Chief Minister, who, unfortunately for me, is not present at the moment nor is the Hon. Excise Minsiter, refused to interfere in it and I had to go to the Superme Court. They pushed me to the Supreme Court with the net result that I finally got the Supreme Court's decision in my favour But, what the Government did? They sent a man of the rank of the Financial Comminssioner to the Supreme Court to assist the prosecution personally for the cancellation of an industrial firms' licence. This is what the Governments has come down to? It is absolutely shameful. Then, Madam, this was not enough. They have now recently stopped molasses allocation to my company. Molasses, Medam, is a controlled commodity and the distilleries, the industries, cnanot get them except by allotment. This Government has stopped allocation of this

commodity to the distillery. Not an ounce has been given. The distillery is going to clolse within the next 10 days completely. Yet, Medam you will be surprised to know that sugar Mills in the State are being permitted to sell molasses imn the black market. Twenty thousand quintals of molasses were allotted to my distillery. The Karnal Distillery said “Please give us molasses from Jagadhri” But, they would not give it. Instead, 20,000 quintals from Jagadhri were sold in the black marker. The Government does not eaalise the amount of money it has lost by way of revenue. Madam, if those molasses had been converted by me into what is known as foreign liquor this Government would have drived crores of revenue. I would draw the attention of the Hon.Minister, Mr. Poswal to this fact and request him to take up this matter with his Government.

(At this stage the Finace Minister come in)

I am glad, the Hon. Excise Minister has also come in and I am sure she will be taking full not of whaty I have said.

Then, Madam, it was said by honourable Mr. Mittal Sahib about the excise policy that a couple of days have been declared dry days. But this is not effective enongh because people are able to buy liquor earlier. Madam, this is not all. This Excise Department connives in drinking liquour on days which are closed. They connive with the licensses and give them all facilities to sell liquor even on the closed days and I am quite certain that the Excise Minister is fully aware of it. Madam, the reasonis simple they talk about the prohibition on the one side and on the other hand their demand on the Excise Department is of maximum revenue. Madam, you will

be surprised to know the price of the country liquor bottle which is Rs.8.50 in the market at retail sale, is sold by the Distillery at 9 annas a bottle Out of these nine annas six annas is the cost of glass container; 1½ annas cost of seal and 2 paise cost of label. What is left is one anna fot eh contents. Do you know, Madam, what Government derives out of it? The Government derives Rs. 7.10 per bottle. The Government derives crores and crores of rupees as excise duyt on this liquor and in spite of this they talk of prohibtion. They what happens as a result of ¾ revenue out of excise. Madam, Then classes for which they want to bring in prohibition as social fefrom, are the worst hit because the liquor is so expensive that they resory to drinking posion, i.e. Methylated spirit. They dring illicit liquor and this Government connives at it. In fact they have been forced to do this because this type of liquor methylated spirit bottle is available in the open markert at the rate of Rs. 1.50. The country liquor is availabel at Rs. 8.50 per bottle which is also 50 per cent degree and that is nothing but water. This, Madam, is the excise policy in this State. Madam, these are the supporters of the Harijans, Madam, Harijans and the backward classes are the worst hit by this prohibition policy of this Government are the one who drink methylated spirit or illicit liquor. I may tell you that methylated spirit is nothing but slow poisoning. So this Government is virtually responsible for giving slow poision to the Harijans and the backward classes which are the biggest consumers of the country liquor.

Madam, in the matter of electricity a reference has been made in the Governor's Address. The Address is itself self-contradictory. On the one hand the Government has said

about inadequacy of availability of power yet on the hand they say that we are going to energize more and more tubewells, more and more electrification of the villages. The result is that for 9 hours at a time out of 12 hours there is no electricity in the tube-wells. What in the use of energizing the tubewell? What is the use of electrifying villages if the light in the villages is such that you cannot see anything?

Sh. K.L.Poswal: In which village.

Sh. S.P. Jaiswal: In every village.

Sh. K.L.Poswal: Then it is alright.

Sh. S.P. Jaiswal: I would draw the attention of the hon. Minister and the Hon.Minister knows, that over loding of transformers will result in fusing of the line, berak-down and insufficient energy. Madam, if you have a transformer which has the capacity to run five motors and if you put the 6th one, then all the five ones will stop working. Only five motors will run and not six. I am sure the hon. Minister knows about it.

Sh. K.L.Poswal: Give me one example.

Sh. S.P. Jaiswal: I shall he happy to take my hon. friend, the Minister any time to show him all this.

Roadways, Madam. There is a reference to the mationalisation of Roadways. I said in my last speech here also in one of the sessions that astrous for the State. Madam, there are two ways you can get refenue one is by taxing the enterprise and the other is by runnign it yourself. If you run it yourself, Madam, I can tell you that no Government enterprise has succeeded so far. Look at any of them in the public Sector

that is an utter failure and so will be the running of Roadways by this Goverment. I had pointed out last time that they were going to make a profit of 86 lakhs and when I asked the honourable Chief Minster to let us know whether they were paying any taxes- there was no answer. Madam, they pay no taxes; no income-taxes, no sales-tax and no road tax. If all these taxes are deducted out of this profit, they will be in the lss and nothing to say about the service. I happened to tarvel in the Bus. What is knowen as air-conditioned bus of the Haryana Roadways upto Karnal and I nearly died of suffocation. I wrote to the Department. But no action has been taken. The break-down of their nuses is constant. Not a single day passes when a following bus does not have to pick up passengers from the bus dropped on the road and bring them all the way to Chandigarth. This is their State and this is going to work and work as time passes.

Then about the Medical. I draw attention to the fact that a large number of Clinics in Haryana State are without adequate medicine. I would request this Government that they should eliminate the charging of sales tax and octroi on the medicines. Mediciences are something are something which save lives and there are serval poor people who cannot take advantage of the medicines because the cost therof is so prohibitive. If they remove sales tax from medicine they would be diong something towards social reform.

Talking of their social feform, this Government is supposed to have been formed on the basis of progressive policy. What porgressive policy do they have towards the poor people? May I make a suggestion? This Government is not

entiltld to any income out of the so-called Lottery Shcemes. They must earn their revenue by proper schemes. And what ever they have earned by these lottery schemes. I would suggest. should be paid back to the people. (विघ्न)

समाजवाद के जो इतने पैरोकार हैं मैं इन्हें अर्ज करना चाहता हूं कि अगर यह समाजवाद लाना ही चाहते हैं तो यह जो लाटरी की आमदनी हैं, उसको 50, 50 हजार रूपये के इनामत करके सारी स्टेट में बाटा दे और सैंट्रल गवर्नमैंट से रिक्वैस्ट करें कि इस तरीके से सारी स्ट्टेस जो लाट्रीज चला रही हैं वह भी 50, 50 हजारी की रकम के इनाम एक–एक आदमी को बांट दें तो कम से कम डेढ़ दो हजार आदमी मालदार हो जांएगे और अगर ऐसा हर महीने करें तो चन्द सालों में समाजवाद आ आएगा लेकिन अगर अपनी जेबों में यह रूपया डालें तो समाजवाद कभी भी नहीं आएगा।

मैंडम ऐड्रेस के अन्दर चण्डीगढ़ के बारे में भी जिक्र किया गया हैं। मुझे अफसोस से कहना पड़ता हैं कि इस विधान सभा में एक रेजोल्यूशेन पास हुआ था और चीफ मिनिस्टर साहब को आदेश था कि चण्डीगढ़ जरूर लेना हैं। पिछले सैशन में चीफ मिनिस्टर साहब ने राव साहब को जवाब देते हुए बड़े जोर से कहा था कि मैं वह काम करके दिखाऊंगा जो किसी चीफ मिनिस्टर ने पीछे न किया हो। राव साहब भी बड़े कड़के थे और उन्होंनें उसी वक्त कहा था कि ठीक हैं बंसी लाल जी हमें पता हैं कि आप चण्डीगढ़ देकर ही रहेंगे। और मैडम आज हम देख रहे हैं कि राव

साहब की वह प्रौफेसी ठीक रही और चण्डीगढ़ इन्होंनें दे दिया। मेरे कई दोस्तों ने कहा कि बंसी लाल जी ने तो पूरी कोशिश की लेकिन अपोजीशन वालों ने कोई मदद नहीं की। मैडम इस बात में सदाकत नहीं हैं, मैं बताता हूं कि कैसे यह सब हुआ और कैसे हुआ। मैं सब से पहले पंजाब के चीफ मिनिस्टर सरदार गुरनाम सिंह के बारे में जो कुछ उन्होंनें किया बताता हूं। पंजाब में चण्डीगढ़ लेने के लिए एजीटेशन्ज हुई, वहां के लोगों ने फास्ट रख के जाने भी दी, सुप्रीम सेक्रीफाइस की, रेलवे स्टेशनों और पोस्ट आफिसिज का घेराओ किया लेकिन वहां के चीफ मिनिस्टर सरदार गुरनाम सिंह जी ने किसी के खिलाफ ऐक्शन नहीं लिया बल्कि उनको स्पोर्ट किया और एजीटेशन से अपने हाथों को मजबूत किया जिसका नतीजा यह हुआ कि चण्डीगढ़ लेने में कामयाब हो गए। इस के इलावा उन्होंनें सारी आपोजीशन पार्टीज को कन्फीडेंस मे ले लिया और मैडम आप हैरान होगे कि पंडित मोहन लाल ने जो कि अपोजीशन के मैंबर थे, पंजाब का लेस पलीड किया। इस से ज्यादा मिसाल और क्या हो सकती हैं अपोजीशन को कन्फीडेस में लेने की। इस के इलावा जब सरदार गुरनाम सिंह जी देहली जाते थें तो वह सारे प्रैस को अपने साथ लगाए रखते थे। इस का भी एक तरीका होता है उनकी खातिर तवाजा करने से बात बनती हैं। इसके मुकाबले में हमारे चीफ मिनिस्टर चौधरी बसी लाल जी कुछ भी नहीं कर सके। मैं आप को बताऊं मैं एक अपोजीशन वालों की प्रैस कान्फ्रेंस में गया था वहां पर जो प्रेस के नुमांयदे थे वह कहने लगे कि आप हरियाणा

लेंगे क्या? मैंने जवाब दिया कि क्यों नहीं हम हरियाणा के लिए जरूर लडेंगे। तो उस पर उसने कहा कि जनाब न तो यहां पर आप का कोई पब्लिक रिलेशन्ज वाला हैं और न कोई प्रेस वाला होता हैं, आपके चीफ मिनिस्टर साहब चोरों की तरह आते हैं और चोरों की तरह चले जाते हैं लेकिन जब पंजाब के चीफ मिनिस्टर सरदार गुरनाम सिंह आते हैं तो हम को सारी इन्फारमेशन होती हैं और वह हम को खुद बुलाते हैं। तो यह हैं हमारे चीफ मिनिस्टर साहब कि कोशिश का नमूना जो मैंने पेश किया हैं। इस के इलावा मैंडम आपको यह भी पता हैं कि अगर यहां पर अपोजीशन वालों की सरकार होती और इनकी यानी बंसी लाल की सरकार न होती तो सैटर की जितनी भी अपोजीशन पार्टी थी वह सारी हमारी सपोर्ट करती। यह हमारे ऊपर चार्ज लगाते हैं कि हमारे अपोजीशन के मेंबरो ने हमारी मदद नहीं कीं। मैडम, मैं हाउस की टेबल पर यह एक चिट्ठी ले करता हूं कि जो मैंने मुख्य मंत्री को लिखी थी और जिस का थोड़ा सा पोरशन मैं पढ़ कर भी सुनाता हूं जिस में लिखा हैं:–

" As Chief Minster the responsiblity to meet aspirations of the peopel of Haryana to get Chandigarth is yours and yours alone. If you need opposition help you support you have only ask for it. If you need the people to agitate to lend your supprot yon have only say so. If Chandigarth can be got only by a fast it is for you to under take it. Chandigarth must be unable to get Chandigarth for Haryana I humble request you are self interrest and step down

to make room for those who can get it. Do not betray the people of Haryana".

मैडम मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता हैं कि मूझे इस चिट्ठी का जवाब अभी तक भी नहीं आया (अपोजीशन की तरफ से शेम शेम की आवाज) मैंडम, मैने बताया हैं कि सरदार गुरनाम सिंह चीफ मिनिस्टर पंजाब ने चण्डीगढ़ लेने के लिए क्या–क्या किया। अब इस मुकाबले में मैं यह बताता हूं कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब श्री बंसी लाल ने क्या–क्या किया? श्री बंसी लाल जी ने कोई भी ऐजीटेशन हरियाणा में नहीं होने दी। इनको यह मालूम होना चाहिए था कि सेंटर वाले सिर्फ एक ही जबान समझते हैं, हमारे मुल्क मुल्क के अन्दर जितनी भी जबान के बेसिज पर स्टेटस बनी वह ऐसे ही नहीं बनी, जहां पर किसी ने डंडा सम्भाल लिया वहां पर ही स्टेट बन गई और उनको जगह मिल गई, लेकिन हरियाणा में इन्होनें कोई ऐजीटेशन नहीं होने दी। जहां देखा पुलिस भेज दी या दफा 144 लगा दी, इन्होनें अपोजीशन को कान्फीडेंस में लेने से इनकार कर दिया। हमारे अपोजीशन के लीडर ने इनको कहा कि हम हर तरह से आप की मदद करने के लिये तैयार हैं और आप अगर चण्डीगढ़ इशु पर अस्तीफा भी देना पड़े तो कोई बात नहीं हम अपोजीश्न वाले आप के साथ मिल कर गवर्नमैंट बना लेंगे। लेकिन मैंडम, इनको चण्डीगढ़ प्यारा नही था। इसलिये इन्होंनें पंजाब को दे दिलवा दियाण इनको तो अपनी गद्दी से मतलब था। मैंडम, जहां तक इस फैसले का ताल्लुक हैं यह 29 तारीख को एनाऊस हुआ था। मेरे

पास एक अखबार हैं अम्बाले का जिस से यह जाहिर होता हैं कि यह फैसला चौधरीी बंसी लाल को 10 जनवरी को मालूम था इस अखबार को मैं सदन की मेज पर रखता हूं। उस अखबार में लिखा हैं कि इंदिरा गांधी ने श्री बंसी लाल को बुला कर कहा कि हम आप को चण्डीगढ़ नहीं दे सकते क्योंकि आप को यह दे देंगे तो हम बिल पार्लियामेंट में नही पास कर सकेंगे और उन्होंनें यह इनको कहा कि तुम हरियाणा के अन्दर जाओ और लोगों की जो आशा बन रखी हैं। कि हम चण्डीगढ़ ले कर देंगे उस को दबा दो। इस चीज का चौधरी रणबीर सिंह जी को भी 15 जनवरी को पता लग गया था। इसलिये मैं समझता हूं कि अगर उस वक्त यह प्रीकौशन ले लेते तो इतना खूनखराबा नहीं होता लेकिन इन्होनें उस वक्त कोई प्रोकौशन नहीं लिया, क्योंकि यह सिर्फ चण्डीगढ़ ही नहीं देना चाहते थे उस के साथ ही लोगों का खुन भी मांगते थे।

उपाध्यक्षाः आप का टाईम हो गया।

श्री एस0 पी0 जयसवालः जहां तक गोलियों का सवाल हैं अगर चीफ मिनिस्टर साहिब ने यहां पर बताने से इन्कार कर दिया हैं कि कहां पर कितनी गोलियां चली तो उस के बारे में मैं यहां पर बताता हूं। मैंडम, रिवाड़ी के अन्दर 36 गोलियां, 303 की चलाई गई, 303 की गोली की विलौसिटी इतनी होती हैं कि अगर चार आदमियों की लाईन बनाकर चलाई जाए तो चारों में से निकल जाएगी। इन्होंनें मासूम बच्चों, 11, 11 साल के बच्चों पर

गोलियां चलाई, कितनी शर्मनाक बात हैं हय इन के इस कारनामे से हमारा खुद का सिर शर्म से झुक जाता हैं। मैडम, माताओं के लाल चले गए, मासूमों बच्चे मारे गये। क्या यही ला एंड आर्डर हैं इनका? मेरे दोस्त बनारसी दास जी यहां मौजुद नहीं हैं उन्होनें कहा था कि इस गवर्नमैंट ने बड़ी काबलियत का सबूत दिया जो हिसार के अंदर गोली नहीं चलने दी। वह मुझे इस बात का जवाब दें कि जब वहां पर गोली रोकी जा सकती थी और वहां पर डी0 एस0 पी0 लोगों को हाथ जोड़ कर कह सकते थे कि कोई खराबी न करो तो क्या रिवाड़ी में गोली चलने से नहीं रोकी जा सकती थी। अगर यह चाहते तो रोकी जा सकती थी लेकिन इन्होंनें यह सब कुछ जान बुझकर कर वहां पर करवाया जिस के लिए लोग इनको बिल्कुल मुआफ नहीं करेंगे। जहां तक हरियाणा के पीस का ताल्लुक हैं उस का सिर्फ एक ही तरीका हैं जिस से पीस आ सकता हैं और वह हैं चौधरी बंसी लाल की गवर्नमैंट का इस्तीफा दे दें वर्ना यह आग फैलती रहेगी और कभी रूकेगी नहीं।

फिर मैडम कहा गया हैं कि चण्डीगढ़ के बदले में हमें फाजिल्का मिल गया हैं। लेकिन मै कहना चाहता हूं कि ऐसी बात नहीं हैं। चण्डीगढ़ पंजाब को तो मिला हैं और वह इसलिये कि पंजाब उसके लिये लड़ा। मैं इस मौके पर हाउस को वार्न करता हूं कि फाजिल्का के लिए पंजाब वही लडाई लड़ेगा जो उसने चण्डीगढ़ के लिए लड़ी थी संत फतेह सिंह ने तो एलान कर दिया कि पंजाब के लोगों, फाजिल्का के लिये कुरबानी दैने के लिये

तैयार हो जाओ और सरदार गुरनाम सिंह ने तो याहं तक कह दिया हैं कि फाजिल्का की लड़ाई पार्लियामेंट में लड़ी जायेंगी। चौधरी रणबीर सिंह ने कहा कि वहां कि अपोजीशन पार्टिया अब फाजिल्का के मामलों में पंजाब की मदद करेंगी। इस लिये मैं कहना चाहूता हूं कि अगर फाजिल्का लेना हैं तो इस इस चीफ मिनिस्टर को बदलो और दूसरा चीफ मिनिस्टर बनाओ और किसी ऐसे आदमी को बनाओ जो फाजिल्का लाकर दिखाए। हम जान की कुरबानी देने के लिए तैयार है अगर मांगेगे तो, लेकिन आगे तो बढ़ो....(चौधरी नेकी राम की तरफ से विघ्न) चौधरी नेकी राम, मैंने आप पर कुमेंट नहीं किया हैं लेकिन अफसोस हैं कि आप चुप नही रह सकते।

श्री मंगल सैनः चुप कैसे रहें वजीर जो बनना हैं (हंसी)

श्री एस0 पी0 जयसवालः मैं अर्ज करना चाहता हूं कि अगर हरियाणा को डिसइन्टैगरेट कराना हैं तो चौधरी बंसी लाल से प्यार करो और इसे बनाये रखो लेकिन अगर आप हरियाणा को बचाना चाहते हैं तो चौधरी बंसी लाल को बदलो और कोई नया चीफ मिनिस्टर बनाओ (विघ्न)। मैं बताना चाहता हूं कि यह मायुनौरेटी रिपोर्ट हैं, शाह कमीशन की, जो गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक्सैप्ट की हैं, जिसमें लिखा हैं कि कालका हिमाचल प्रदेश को दिया जाये। मैडम आप इनको समझा दो कि जिस तरह से चंडीगढ़ गया उसी तरह से कालका भी हिमाचल प्रदेश में जायेगा (विघ्न और शोर) मैं आप से अर्ज करना चाहता हूं कि अगर

कालका को बचाना हैं और फजिल्का को लेना हैं , और हरियाणा को डिसइन्टैगरेट से बचाना हैं तो इन चौधरी साहब से कहो कि वह हमें माफ करें और गद्दी से हट जायें।

श्री के0 एल0 पोसवालः उनको हटाने के लिए हरियाणा का सबकुछ कुरबान कर दोगे? अच्छे खैरख्वाह हो हरियाणा के। (शोर)

श्री एस0 पी0 जयसवालः मैडम इन अलफाज के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं जो आपने बोलने का टाइम दिया हैं।

(इस समय बहुत सारे सदस्य बोलने के लिये खड़े हो गये)

उपाध्यक्षाः अब खान साहब बोलेगे। (विघ्न एंव शोर)

सरदार तेजा सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैंने बोलना हैं इसलिये मुझे टाइम दिया जाये। आपने सब को टाइम दिया हैं लेकिन मैं जो अकाली पार्टी की तरफ से हूं उसे टाइम नहीं दिया गया हैं .....(शोर)

उपाध्यक्षाः मैंने खान साहब को काल अपौन कर लिया है और अब वह बोलेंगे आप बैठ जायें।(शोर)

सरदार तेजा सिंहः मैंने अकाली पार्टी की तरफ से बोलना हैं और अभी तक मुझे टाइम नहीं दिया गया...(शोर)

Deputy Speaker : Please resume your seat.

चौधरी जय सिंह राठी: आन ए प्वाइंट आफ आर्डर मैंडम। टाइम की जो एलाटमैंट हुई हैं वह अकारडिंग टू पार्टीज हुई हैं। मै आप से दख्वास्त करता हूं कि यह भी एक पार्टी के नुमाइंदे हैं इसलिये इनको भी टाइम मिलना चाहिये। अगर अभी नहीं दे सकते तो यह यह कह दें कि खान साहब के बाद मिल जायेगी।

उपाध्यक्षा: देखिये, हम ने दोनों पार्टीज के लिये बराबर–बराबर टाईम रखा हैं । मैं बताना चाहती हूं कि अपोजीशन के 15 मिनट रहते थे लेकिन जब बहन सुमित्रा जी बोलने के लिये उठी तो उनको मैंने 20 मिनट दिये। जब आधा घन्टा टाइम बढ़ाया गया तो अपोजीशन के 15 मिनट बनते थे लेकिन मैंने जायसवाल साहब को 25 मिनट दिये। फिर भी मैं अपोजीशन से कहना चाहती हूं कि मैं आपके मिनट्स गिनवा रही हूं अगर कमी हुई तो और दे दूंगी।

मेजर अमीर सिंह चौधरी: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । मै कहना चाहता हूं कि यह माइनौरिटी का सवाल हैं मैं अर्ज करना चाहता हूं कि इनको पांच मिनट जरूर दे दें।

उपाध्यक्षा: आल राइट।

खान अब्दुल गफ्फारखां (नग्गल): डिप्टी स्पीकर साहिबा बड़े जोर के साथ मैम्बर साहिबान ने इस ऐड्रैस पर अपने ख्यालात

का इजहार किया हैं। कुछ गर्मी भी आई कुछ लोगों में जोशो खरोश भी हुआ लेकिन असल बात यह हैं कि मेरे दोस्त जो अपोजीशन में बैठे हुये हैं इनके सामने चण्डीगढ़ का मामला हो, चाहे गोली चलने का मामला हो, या दूसरी बातें हो, एक ही बाते हो, एक ही बात रहती हैं कि कांग्रेस सरकार को तोड़ दिया जाये। और इस बंसी लाल की सरकार को तोड़ दिया जाये। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि बंसी लाल सरकार चौधरी बंसी लाल की नहीं कांग्रेस की सरकार हैं और हम इस कांग्रेस की सरकार को किसी भी सूरत में भी टापल डाउन करने की इजाजत नहीं देंगे। (सरकारी बेंचों की प्रशसा) आपने अपना पूरा जोर लगा लिया और आपने यहां तक किया कि पहले ही दिन नो कांफिडेस मोशन का नोटिस दे दिया लेकिन जब देखा कि ऐसे काम नहीं चलेगा तब कहने लगे कि नहीं अब हम वापस लेते हैं वापस कर दो। यह हैं आपकी जुरर्त औ दिलेरी! मैं आपको कहता हूं कि आओ वह मोशन ले आओ हम आपको ऐसा करने की दावत देते हैं। पिछली गवर्नमैंट मैं कहा जाता था कि मोशन न लाओ लेकिन हम आपको दावत दे रहे हैं कि लेकर आओ। कैसी बातें करते हैं आप? डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं ज्यादा लम्बा चौड़ा कुछ नहीं कहूंगा। मैं चण्डीगढ़ कि बारें में कुछ बातें कहना चाहता हूं। चण्डीगढ़ हमारे से जाता रहा जिसका हमें बड़ा अफसोस, बड़ा सदमा और क्या लफज इन्होंनें कहा था....हां तो वह खेद भी हैं। इसमें शक नहीं...

...

श्री फतेह चन्द विजः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, मैंडम, दो चार दिन से यानी जब भी यह सैशन शुरू हुआ हैं तब से खान साहब को भी मौका मिलता हैं, यह हमारी राज्य भाषा का तमसखरा उड़ाते आ रहे हैं।

उपाध्यक्षाः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं हैं।

श्री फतेह चन्द विजः यह बजुर्ग हैं और तावजुन रख नहीं सकते। और कोई बात हमसे कहीं जायेगी तो इनको महसूस होगी।

खान अब्दुल गफ्फार खांः अगर खेद लफ्ज का मजाक उड़ना हैं तो फिर मैं नहीं समझता कि उसका एजाज कौन सी बात हैं। (व्यवधान) ठीक हैं, हरियाणा बनने के बाद चण्डीगढ़ गया और यह भी ठीक हैं कि हमें एक निहायत जरखेज इलाका मिला हैं जिसको फाजिल्का कहते हैं। मुझे उन भाइयों से इत्तफाकर नहीं हैं कि जो पहले यह कहते हैं कि चण्डीगढ़ छोड़ दिया जाए, हम इसको लेने के लिये कोशिश कर रहें हैं और अपने मुतालबा को कायम रखते हैं। एक चौधरी साहब यहां बैठे हुए थें, अब पता नहीं कहां चले गये, वे फरमा रहे थे। वे कुछ रोमाटिक हो गये, उन्हें इस उमर में रोमांस हो गया। उन्होंनें फरमाया कि चण्डीगढ़ धर्मपत्नी हैं, लाडो चली गई, पराई हो गई।.....

उपाध्यक्षाः खान साहब, मैं आप से रिक्वैस्ट करती हूं कि आप अपनी स्पीच जल्दी खत्म करें। इस वक्त 6 बजने में 10

मिनिट हुए हैं, लीडर आफ दी हाउस को बोलने में एक घन्टा लगेगा, इसलिए आप जल्दी खत्म करें।

खान अब्दुल गफ्फार खांः मैं दस मिनट मे खत्म कर दूंगा। मैं अर्ज कर रहा था कि उन्होंनें कहा हैं कि वह तो पराई हो गई हैं, हमें उसका रंज हुआ हैं, सदमा हुआ हैं। यह भी कहा जाता है कि धर्मपत्नी ने न तो तलाक लिया और न खुला लिया। हमारे यहां खुला उसको कहते हैं कि जब औरत की तरफ से, बीवी की तरफ से तलाक हासिल करते हैं। इन्होंनें किया क्या कि हमारे पास से उठकर जनाब, एक रकीब के पास जाकर बैठ गये। रकीब कौन हैं, वह हमारे बगल में बैठा हैं.....(व्यवधान) हमारी नजर बरदाश्त नहीं कर सकी कि हम देखते रहे कि लाडो दूसरों के पास जाकर चादर डलवा लें।

मोहतरिम डिप्टी स्पीकर साहिबा, सवाल यह हैं, कि यहां पर कहा जाता हैं कि चण्डीगढ़ के फैसले के बारें में मालूम हो गया था, एक महीना पहले मालूम हो गया था, इसमें क्या फर्क पड़ता हैं क्योंकि यह सैन्ट्रल गवर्नमैंट का काम था कि फैसला किसा जाए। सैन्ट्रल गवर्नमेंट के पास, हमारी सरकार ने कहा था कि हमने उनको सालस तसलीम किया हैं। और जब सालस ने सालसी फैसला दे दिया तो कहने लगे कि अच्छा फैसला नहीं किया। हमें जब भी मौका मिलेगा, हम इसको वापिस लेने की कोशिश करेंगे। ठीक हैं , फैसला आठ दिन पहले हो गया था। जरा आप भी बतायें, आपके सूबे का सैन्ट्रल गवर्नमैंट फैसला कर

रही हो, जिस कों आपने सालिस मुकर्रर किया हैं सालस अपनी मर्जी के मुत्ताबिक अपना फैसला देता हैं तो फैसले के बाद यह कहना बड़ी अजीब बात हैं कि फैसला गल्त हो गया इस में कोई शक नहीं हैं कि लोगों की जाने तलब हो गई क्योंकि लोगों में जोश था, जजबा था और वह जोश उभारा गया था। यह ठीक हैं, जजबात के तहत लोगों से बाज दफा ऐसी बात भी हुई थी जो नही होनी चाहिए थी। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपकी बिसातत से सरकार से दुरख्वास्त करूंगा कि जजबात में आकर जिन लोगों ने कुछ किया हो, या करने वालों के साथ ऐसे ही चले गये और पकड़े गये, जिन्होंनें आग नहीं लगाई, स्टेशन नहीं जलाया और पटरियां नहीं उठाई उन को माफ किया जाए।

श्री के एल पोसवालः उनको तो छोड़ दिया गया हैं।

खान अब्दुल गफ्फार खांः अभी–अभी मिनिस्टर साहब ने बताया हैं कि उनको छोड़ दिया गया, मैं समझता हूं कि बड़ा अच्छा काम किया हैं। अब सवाल पैदा होता हैं कि इन्होंनें ऐसा क्यों किया? इन्होंनें ऐसा इसलिये किया कि जिस वक्त फैसला हुआ, अपोजीशन वाले लोग, लोगों के लड़को भड़काते रहे। For God's sake save us from these friends. जनता को जोश दिलवाकर इन्होंनें यह कोशिश की सरकार को बदनाम किया जाए। मैं कहता हूं कि सरकार तुम्हारे बदनाम करने से बदनाम नहीं होगी, वह तो अमलों की वजह से बदनाम और नेकनाम होगी। अगर सरकार ने नेकनामी के काम किये हैं तो हजार दफा भी कहें

कि बंसी लाल को हटा दो, वे कभी नहीं हट सकते। अगर आप कहते हैं तो पब्लिक में सबूत देना होगा, अगर पब्लिक आपकी बात मानेगी तो आज नही तो कल, कल नहीं तो परसों बंसी लाल जी हट जाएंगे। लेकिन नहीं, लोगों को इस बात का यकीन हैं, मुकम्मल यकीन हैं कि इस सरकार ने जो काम किये हैं वह पहली सरकारें नहीं कर सकी थी। इस सरकार के बारे में मैं अर्ज करता हूं कि इसने बहुत सी ऐसी बातें कहीं हैं कि जो दुनिया की ताकत नहीं कर सकी ये कहते हैं कि यह नहीं हुआ, वह नहीं हुआ, हम कोशिश करते हैं, हमारी सरकार कोशिश करती हैं कि सब काम ठीका होना चाहिए। जिस बात को हम समझते हैं कि फलानी बात मुकम्मल नहीं हुई, हम उसको मुकम्मल करवाने की कोशिश करते हैं। मैं अर्ज करता हूं, जब कोई इन्सान मुकम्मल होता हैं तो वह जाता रहता हैं और नहीं जाये तो स्टैगनेंट हो जाता हैं। हमें हमेशा तरक्की के लिए कोशिश करनी चाहिए वरना हम स्टैगनेंट हो जायेंगे।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मुझे अफसोस इस बात का हैं कि गवर्नर ऐड्रेस पर सुजैशन्ज दी जाती हैं लेकिन कोई मैम्बर सुजैशन नहीं देता, सिवाये इसके कि लोगों को डांट डपट करें, लोगों को बुरे भले और अनपार्लियमेटरी शब्द कहें। इस डेमोक्रेसी में इनको सब कुछ कहने की छुट्टी मिली हुई हैं.....(व्यवधान) ऐसा नहीं करना चाहिए, हमारा यह फर्ज हैं कि डेमोक्रेसी को ठीक रखें, इसको छिन्न–भिन्न न होनें दें। तुम जो चाहो करते रहो,

लेकिन हम तो डेमोक्रेसी के मुताबिक काम करते आये हैं और करते रहेंगे। अब रहा सवाल चीफ मिनिस्टर का, अगर बंसी लाल जी चीफ मिनिस्टर है तो मेरी सरकार में कोई कमी नहीं, कोई खामी नहीं जिसका बिना पर मैं बंसी लाल को न मानूं। कोई मिनिस्टर भी नहीं कहता कि इस में कोई खामी हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, दुनिया के हर इन्सान में कभी न कभी, कोई न कोई खामी रहती हैं। मैंने अर्ज किया था और आज भी अर्ज करना चाहता हूं कि गल्ती करना तो मामूल बात हैं क्योंकि टू एर इज ह्यूमन। मैं आप से अर्ज करना चाहता हूं, पहले भी कई दफा कहा और आज भी दोहराना चाहता हूं। कि गल्ती तीन हस्तियों से नहीं होती। एक तो वाहेगुरू, परमेश्वर, अल्लामियां से नही होती। वह जो कुछ करता है ठीक ही करता हैं। दूसरे मैंरे विश्वास के मुताबिक जो, फरिश्ते खुदा ने मुकर्रर किए हैं, उनसे **(6.00P.M.)** उनसे उस ड्यूटी में कोई गल्ती नहीं हो सकती जो उनके सुपुर्द की गई हैं और तीसरी जो सबसे बड़ी कम्बख्त हस्ती हैं जो कभी गल्ती नहीं करती वह हैं शैतान। कभी भी भूल कर उससे गल्ती नहीं होती कि किसी इन्सान को ठीक रास्ते पर चलाए, हमेशा उल्टे रास्ते पर ही चलाएगा। देखिए, साहब, न तो हम वाहेगुरू हैं, न परमेश्वर हैं, और न ही अल्लामिंया हैं, न हम फरिश्ते हैं और न हम शैतान हैं, हम तो इन्सान हैं, महज इन्सान और इन्सान होने के नाते से हमसे गलती भी होगी लेकिन देखना यह हैं कि गल्तियां ज्यादा हो रही हैं या कम होती जा रही हैं? अगर मेरे इधर वाले दोस्त यह कहें कि हमसे गल्ती नहीं होती तो यह बात

मैं नहीं मान सकता। मैं तो आपको खुदा, वाहेगुरू, परमेश्वर और फरिश्ता मानने से रहा अगर आप ख्वामखाह के लिए कहलाना चाहें तो आपकी मर्जी। (घंटी) बस, डिप्टी स्पीकर साहिबा, केवल एक मिनट और लूगां। मैं अपने उधर बैठे हुए भाइयों से इल्तजाह कर रहा था कि ठीक हैं कि आपने हमारी गल्तियां बताई, खामिंया बताई, कमिंया बताई और हमारा फर्ज हैं कि उनको दूर करें लेकिन एक बात मैं कहना चाहता हूं। फारसी की एक मिसाल हैं–

ऐ बश हमां गुफ्ती हुनरश नीज बिगोह।

इसका मतलब यह हैं कि तमाम एब तो बता दिए लेकिन खुदा के वास्ते कोई हुनर भी तो बता दीजिए। इसलिए मैं आपको उधर बैठने बैठने वालों को यह बताना चाहता हूं कि अगर आप यह समझते हो कि इधर बैठने वाले आपको रोजाना प्रौपेगन्डे से मुतासिर होकर अपनी सरकार यानी कांग्रेस सरकार को तोंड़ेंगे तो आपकी मायूसी होगी और नाकामीयाबी होगी। आप हमारे से अपनी ही गवर्नमेन्ट के खिलाफ काम करने की कोई तवक्की और उम्मीद न रखिये।

आखिर में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि राजकुमारी साहिबा ने जो तजवीज बताई, सुजैशन दी, मैं समझता हूं कि वे अमल करने लायक हैं। चीफ मिनिस्टर साहब उस वक्त यहां नहीं थे मगर मुझे उम्मीद हैं कि वे अपने मन्त्रीयों से जो उस वक्त यहां तशरीफ फरमाये हुए थे, उन बातों का पता करेंगे और उन पर

अमल करने की कोशिश करेंगें। शराब के मुताल्लिका, मैं अपने सरकार से कहता हूं कि वह महात्मा गांधी की बात याद रखते हुए इस लानत को यहां से जल्दी से जल्दी दूर करने की कोशिश करें वरना इससे लोगों की सेहत खराब होगी, लोगों का दिमाग खराब होगा और मौरल वैल्यूज बिल्कूल खत्म हो जायेगी।

इतना कहकर डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपके द्वारा में चीफ मिनिस्टर साहब की खिदमत में अम्बाला के बारे में इतना ही कहता हूं कि.....

गुल फेंके हैं ओरों की तरफ बल्कि समर भी

ऐं खाना बरअन्दाज कुछ तो इधर भी, कुछ तो इधर भी।

(वाह, वाह की आवाजें और हंसी)

जहां आप और जगह बहुत कुछ काम करवाते हैं वहां अम्बाला का भी कृपया ध्यान रखा करिए।

सरदार तेजा सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपका धन्यवाद करता हूं जो पांच मिनट आपने मुझे बोलने के लिए दिए। मैं चार मिनट में ही अपनी गल्लां कह दूंगा। डिप्टी स्पीकर साहिबा, बड़े दुःख के साथ यह बात कहनी पड़ती हैं (विघ्न) मैं आपके के द्वारा सारे एम0 एल0 ए0 साहबान और चीफ मिनिस्टर साहिब को बताना चाहता हूं कि मेरे इलाके से आज ही पंचायतें

आई हैं...(शोर) डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपके जरिए बताना चाहता हूं कि मेरे इलाके के सारे पिंडी में पुलिस आती हैं.....डिप्टी स्पीकर साहिबा, बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता हैं कि हालांकि मेरा सारा इलाका पंजाबी (शोर)

श्रीमति ओम प्रभा जैनः मैडम, डिप्टी स्पीकर साहिबा, औन ए प्वायंट आफ आर्डर। जिस तरीके से ये स्पीच कर रहे हैं क्या इस तरीके से बात करना हरियाणा विधान सभा में अलाउड हैं? यह गलत बात हैं कि पंजाबी बोलने वाले हैं मगर उनसे हिन्दी में दस्तखत कराए गए। इनको स्टौप कराया जाए।

सरदार तेजा सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपके जरिए चीफ मिनिस्टर साहब को यह बताना चाहता हूं कि आज पंच और सरपंच मेरे कमरे मे बैठे हैं। मैं गलत ब्यानी नहीं करूंगा। (शोर).... डिप्टी स्पीकर साहिबा, यहां ही बस नहीं....शोर... हरियाणा में जो कुछ हो रहा हैं मैं उसके बारें में आप जी को बताऊंगा कि जो गुरूद्वारा साहब.....मेरे मानयोग गवर्नर....विघ्न.... मैं किसी टाईम में नहीं बोला हूं। मेरे वीर कृपा करके मुझे बोल लेने दें। मैंने बड़ी दुःख भरी बातें कहनी हैं। मेरे मानयोग गवर्नर साहब ने ऐड्रैस पढ़ने से पहले कुरूक्षेत्र के बारे में एक बात कही... ..

मलिक मुख्तियार सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मेरी अर्ज यह हैं कि यह हाउस पंजाबी सूबे

के लिए प्लेटफार्म के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह बहुत गलत बात हैं।

सरदार तेजा सिंहः कुरूक्षेत्र की भूमि बड़ी पवित्र बताई थी। मैं भी बड़ी पवित्र कहता हूं...

उपाध्यक्षाः सरदार तेजा सिंह जी आप ठीक–ठीक बोलें। ऐसी चीज न बोलें जो हरियाणा की असैम्बली में रूल्ज के विरूद्ध हो।

सरदार तेजा सिंहः बहुत अच्छा जी।

उपाध्यक्षाः मैं आनरेबल मैंम्बर्ज की नौलेज के लिए बताना चाहती हूं कि मुझे डाक्टर मंगल सेन ने लिखकर भेजा हैं कि इनको टाइम दिया जाए। शोर

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह तो हमारी अपनी एडजस्टमैंन्ट हैं कि हम में से किसको टाइम मिलना चाहिए। एस0 वी0 डी0 की सैक्रेटरी की हैसियत से मैंने आपको लिख कर भेजा हैं, मैं इस बात से इन्कार नहीं करता लेकिन जो कुछ ये कह रहे हैं हम उससे इत्तफाक नहीं करते।

सरदार तेजा सिंहः गवर्नर साहब ने एक बड़ी चंगी बात कही हैं अपना ऐड्रैस पढ़ने से पहले। कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि में उन्होंनें गीता की बात कही। मैं कुरूक्षेत्र की भूमि का धन्यवाद करता हूं कि वह महापुरूषों और ऋषियों की धरती हैं लेकिन

दु:ख की बात हैं कि उस कुरूक्षेत्र की भूमि के ऊपर इस सरकार ने इस एजिटेशन के दौरान गुरूद्वारा की पवित्रता भंग की, गुरूद्वारे के भाई जी को मारा और सोनीपत में निशान साहब को तोड़ दिया तथा गुरूद्वारों की पवित्रता भंग की.....शोर.... दादरी में गुरूद्वारे के ग्रन्थों को मारा गया (शोर)।

श्री ओम प्रकाश गर्गः डिप्टी स्पीकर साहिबा, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मैं, यह कहना चाहता हूं कि वहां किसी हिन्दू ने किसी गुरूद्वारे की बेइज्जती नहीं की हैं। वहां पर सरदार पकड़ा गया हैं। वहां के भाई जी और इन्होंनें मिलकर सरदारों से कराया है। वहां के एस0 डी0 एम0 ने मौके पर जाकर सारी पोजीशन सम्भाली और एक सरदार, जिसका नाम मैं भूल गया हूं, आप इनसे पता कर सकते हैं, गिरफ्तार हुअर हैं और वहां का ग्रंथी भी गिरफ्तार हुआ हैं। इन्होंनें खुद शरारत फैलाने के लिए ऐसा किया हैं (शोर)

सरदार तेजा सिंहः दादरी शहर के बीच गुरूद्वारे की पवित्रता को कांग्रेसी वीरों ने लोगों को सीखाकर जानबुझकर भंग करवाया हैं। शोर

श्री के0 एल0 पोसवालः आन ऐ प्वायंट आफ आर्डर। मैं आपसे बड़े अदब के साथ रीक्वैस्ट करूगा कि इस तरह स्पीच, जो कोम्युनल हो और हमारे हरियाणा के खिलाफ हो, उसे कहने के लिए यहां इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा मैं आगे

के लिए दरख्वास्त करूंगा कि ऐसे आदमी को टाईम देने की जरूरत नहीं होनी चाहिए ताकि ये हरियाणा के खिलाफ न बोलें और जजबात न भड़के। यह हरियाणा के हक में नहीं बोल रहे हैं

उपाध्यक्षाः पोसवाल साहब, चेयर को मालूम होता हैं कि किसी आनरेबल मैम्बर ने क्या बोलना हैं। जिस वक्त कोई बोलता हैं और आबजैक्शनेबल बात बोलता हैं उस वक्त आप चेयर को कह सकते हैं और चेयर उसको बोलने से बंद कर सकती हैं। अब वैसे तो टाइम इनका हो ही गया हैं लेकिन एक मिनट इनको और देती हूं मगर तेजा सिंह जी, मैं आपसे कहती हूं कि अगर आपने कोई आबजैक्शनेबल चीज कही तो आपको आगे बोलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। (शोर)

सरदार तेजा सिंहः मैं हाउस से कहता हूं कि कांग्रेसी भाइयों ने गुरूद्वारे की पवित्रता को जो भंग करवाया हैं उसे कैसे बर्दास्त किया जा सकता हैं? शोर

चौधरी राज सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहिबा, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। एस0 वी0 डी0 के नेता डाक्टर मंगल सैन जी, जिन्होंनें आपको लिखकर दरख्वास्त की कि इनको टाइम दिया जाए वे स्वंय इस बात के हक में हैं कि वे गलत बोंले। आपकी मारफत मैं डाक्टर साहब से दरख्वास्त करूंगा कि वे ऐसे आदमी को एस0 वी0 डी0 से निकाल दें। उनमें हिम्मत होनी चाहिए ऐसा करने की। ताकि ऐसा आदमी एस0 वी0 डी0 में न रहें।

उपाध्यक्षाः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं हैं। आप बैठ जाइए।

श्री मंगल सैनः चौधरी राज सिंह जी की बात गौर करेंगे।

संसदीय सचिव (सरदार प्यारा सिंह): डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरदार तेजा सिंह को बैठे दो हफ्ते के बाद पता नही कहां से ख्याल आ गया (शोर)

Sh. S.P. Jaiswal: May I know. Madam, whether any Member can make a speech while making a submission on a particular point? And, if it not a Point of Order, he should not be allowed to speak.

उपाध्यक्षाः सरदार प्यारा सिंह जी आप का प्वायंट आफ आर्डर हैं या क्या हैं?

सरदार प्यारा सिंहः मैं तो सबमिशन कर रहा हूं जी। शोर

उपाध्यक्षाः आप कोई स्पीच न दें, मेरे पास टाइम नहीं हैं।

सरदार प्यारा सिंहः बहुत अच्छा जी। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हरियाणा सरकार ने गुरूद्वारों का अच्छा इन्तजाम किया हैं। सारी स्टेट में गुरूद्वारों के बाहर पुलिस का पहरा था और अगर कहीं कुछ पागल आदमियों ने किसी गुरूद्वारे को डैमेज किया

हैं तो वहां सरकार ने पूरा मुआवजा दिया हैं। मुझे सरदार तेजा सिहं की बात समझ में नहीं आती क्योंकि मैं तो हाल ही में हरियाणे के तमाम गुरूद्वारों में दख कर आया हूं.....शोर...

उपाध्यक्षाः अब आपकी सबमिशन हो चुकी हैं। सरदार तेजाा सिहं जी केवल एक मिनट के लिए आप बोल सकते हैं।

सरदार तेजा सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरदार प्यारा सिंह जी की बाबत मैं ज्यादा न कहता हुआ सिर्फ इतना ही कहूंगा कि यह आदमी हैं जिसने मेरे बड़े तरले और बिनती की थी कि रौला पाओ ताकि में मिनिस्टर बन जाऊं।.....शोर...

सरदार प्यारा सिंहः यह बिल्कुल गलत बात हैं। (विघ्न एंव शोर)

उपाध्यक्षाः अब मुख्यमंत्री जी बोलेंगे।

WALK OUT

महन्त गंगा सागरः जनाब मैं आपसे गुजारिश करूगां कि यह जो कातिल और खूनी सरकार हैं जिसने बच्चों पर गोलियां चलाई अगर वह हमारी मिनीमम डिमांड को नहीं मानती जो इस सारे मामले में इन्क्वायरी कराने के लिए हैं, तो हम इनको बात हरगिज नहीं सुनना चाहते.....(विघ्न)

श्री के0 एल0 पोसवालः अब उठने लगे। बैठकर सुनने की हिम्मत नहीं रही।

डा0 मंगल सैनः मेरी सबमिशन यह हैं कि क्या चीफ मिनिस्टर इस बात का आश्वासन देने के लिए तैयार हैं कि जो कुछ वाक्यात हुए हैं उसकी जुडीशल इन्क्वायरी करवांएगे।.... (इंटरप्शन)

श्री के0 एल0 पोसवालः ऐश्योंरेंस का टाइम दे दो।

विरोधी दल के सभी सदस्य खड़े हो गये।

उपाध्यक्षाः प्लीज सिट डाउन।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछले तीन रोज से सदन में राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर बहस चल रही थी....

मलिक मुख्तियार सिंहः हमने एक सबमिशन की और चीफ मिनिस्टर साहब से अर्ज की वह बोलने से पहले ऐश्योंरेस कर दें मगर हरियाणा में वाक्यात हुए उसके लिए वे जुडीशल इन्क्वायरी की बाबत ऐश्योरेस इस हाउस को नहीं देना चाहते। हमारे हरियाणा के सेटीमैंट्स फ्लेयर अप हो चुके हैं.....

Deputy Speaker: I will request you to piease sit down.

इसके पश्चात विरोधी दल के सब सदस्य सिवाए चौधरी चान्द राम के वाक–आउट कर गये।

RESUMPTION OF DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

श्री बंसी लालः डिप्टी स्पीकर साहिबा, राज्यपाल के भाषण पर पिछले तीन दिन से सदन में बहस हो रही हैं। बहस के दौरान के दौरान अपोजीशन के किसी मैम्बर महोदय ने कोई खास सुझाव नहीं दिया और न कोई कंस्ट्रक्टिव स्पीच की। उन्होंनें एक ही बात की, व्यक्तिगत नुक्ताचीनी! मैं हैरान था यह बहस सुनने हुए, कि विरोधी पार्टी के मेम्बरान बोल रहे थे राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर, और बातें करते थे व्यक्तिगत। हर आदमी व्यक्तिगत बात कर रहा था। हर आदमी सरकार को क्रिटीसाइज करने तथा नुक्ताचीनी करने में लगा रहा। जितने एलीगेशन अपोजीशन ने सरकार पर, व्यक्तिगत तौर पर मुझ पर या मेरे किसी साथी पर लगाए है वे बिल्कुल बेबुनियाद, निराधार और गलत हैं। इसलिए अपोजीशन के सदस्य इस वक्त उठकर चले गए हैं कि सरकार के खिलाफ उनके पास कहने को कुछ नहीं हैं और न कोई सुझाव उनके पास हैं।

सबसे अहम बात आई चण्डीगढ़ की मसले की। केन्द्रीय सरकार ने चण्डगढ़ और फाजिल्का फैसला किया उसका आमतौर पर जिक्र होता रहा या उस फैसले के होने के बाद स्टेट में जो हालत पैदा हुए उन पर चर्चा होती रही। डिप्टी स्पीकर साहिबा, चंडीगढ़ का मसला 1966 में पैदा हुआ। उस वक्त इसका आरम्भ हुआ जब पंडित भगवत दयाल हमारे प्रांत के सब से पहले मुख्य

मंत्री थे। यह बात किसी से छिपी नहीं हैं कि पंडित भगवत दयाल जी ने चंडीगढ़ के बारे में क्या रोल अदा किया। उन्होंनें आर्बीट्रेशन भी माना और चंडीगढ़ को यूनियन टैरटेरी बना देने पर उन्होंनें कोई किसी तरह का प्रौटैस्ट किया। उन्होंनें एक रोज भी नहीं कहा कि चंडीगढ़ को यूनियन टैरेटरी क्यों बनाया जा रहा हैं या खरड़ तहसील पंजाब को क्यों दी जा रही हैं। अपोजीशन के लीडर के साथ विधान सभा के कई सदस्य थे और लीडर आफ दी अपोजीशन ने खुली राय जाहिर की थी कि चंडीगढ़ हमारी राजधानी नहीं होनी चाहिए और भी अपोजीशन के आदमियों ने भी यही कहा था कि चंडीगढ़ हमारी राजधानी नहीं होनी चाहिए। उसके बाद राव वीरेन्द्र सिंह जी आए। राव वीरेन्द्र जी ने दिल्ली में आबीट्रेशन मानकर आए और अगर वे यह कहें कि वे मान कर आए थे तो मैं इसका सबूत दूंगा कि वे मानकर आए थे। अलबत्ता कुछ समय बाद उन्होंनें भारत सरकार को एक चिट्ठी लिखी जिसमें उन्होंनें बड़ी सफाई से आबीट्रेशन से निकलने की कोशिश की। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपने देखा कि राव वीरेन्द्र सिंह ने एक पत्र होम मिनिस्टर को लिखा और वह भी उस समय जबकि आबट्रेशन को कागज दस्खत होने के लिए आए। प्रांत की जनता इस बात को मानने के लिए कतई तैयार नही कि मौजूदा कि हमने चंडीगढ़ को खो दिया हैं। हम इस बात को मानने के लिए कतई तैयार नहीं कि मौजूदा सरकार के सामने आबट्रेशन का सवाल किसी स्टेज पर पैदा हुआ था या चंडीगढ़ के सिलसिले में हमारी कोई बात नहीं चली थी। एक बात अपोजीशन वालों ने कही हैं

कि हमारी कांग्रेस सरकार मतवातर कहती रही कि चंडीगढ़ हमारा हैं। यह बात ठीक हैं कि हम कहते रहे कि चंडीगढ़ हमारा हैं। हम अपना केस केन्द्रीय सरकार के सामने रखते रहे हैं और चंडीगढ़ के साथ साथ जितने भी हिन्दी स्पीकिंग इलाके हैं उनके लिए भी केस प्लीड करते रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा एक बात मैंने तथा कांग्रेस पार्टी ने हमेशा कही हैं कि हम चंडीगढ़ को हासिल करने के लिए वैधानिक तरीके इस्तेमाल करेंगे। चाहे पंजाब हो, हरियाणा हो, राजजस्थान हो, यू0 पी0 हो, हिमाचल प्रदेश हो, यह सब एक ही देश के प्रांत हैं अगर एक शहर एक प्रान्त को दे दिया जाए तो दूसरा प्रान्त केन्द्रीय सरकार के खिलाफ गैरकानूनी बात तो नहीं कर सकता और न गैर कानूनी ढंग से उत्तेजित हो सकता हैं। इस किस्म का सोचना ठीक नहीं हैं

डिप्टी स्पीकर महोदया, अपोजीशन के मेम्बर उठकार चले गए और वे इसलिए उठकर चले गए कि समझते हैं कि अपोजीशन का रोल मैं अपनी स्पीच में बताऊंगा। जनसंघ या एस0 वी0 डी0 हमारी अपोजीशन का एक अंग हैं। जनसंध के जितने सदस्य इस हाउस के मेम्बर हैं, इनमें सिवाए चौधरी मुख्तियार सिंह के किसी सदस्य ने चंडीगढ़ के विषय में मीटिंग अटेन्ड नहीं की। चौधरी मुख्तियार सिंह जी ने तो व्यक्तिगत रूप से हमारा साथ दिया परन्तु जनसंघ पार्टी, एज ए होल, हरियाणा के इन्ट्रैस्ट के खिलाफत करती रही। (ट्रेजरी बेचों की तरफ से शेम शेम) डा मंगल सैन को कई बार बुलाया गया लेकिन वे कभी नहीं आये।

एक बार वे मेरे दफ्तर में आए और कहा कि चंडीगढ़ के बारे में दिल्ली में मीटिंग करो हम उस मीटिंग में शामिल होंगे और आने का प्रोग्राम चेक आउट कर करेंगे। वहां मीटिंग की गई लेकिन वे शामिल नहीं हुए। चंडीगढ़ का फैसला होने के डेढ़ महीने पहले दिल्ली में यह बात फैल गई कि पंजाब हरियाणा अपना अपना केस चंडीगढ़ के बारे में रख रहें हैं। पूरी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस एम0 एल0 एज0 और एम0 पीज0 तथा दूसरे लोग चंडीगढ़ की वकालत दिल्ली में केन्द्रीय सरकार से करते रहे। अपोजीशन को बुलावाने के बावजूद भी कोई नहीं आया बल्कि चंडीगढ़ के बारे में फैसला दिल्ली में हो रहा था और एस0 वी0 डी0 अपनी मीटिंग प्रांत में कर रही थी और ये लोग आग लगाते फिर रहे थे व जनसंघ ने और ना ही राव वीरेन्द्र सिंह ने किसी किस्म को कोई स्टेटमेंट दिया और चंडीगढ़ के लिये कोशिश की। बल्कि ये लोग जब जब इकट्ठे होते थे तो यह कहते थे कि चंडीगढ़ पंजाब को दे दिया जाए। पिछले दिनों जो भी तोडफोड़ की कार्रवाइयां हुई हैं उनके लिए मैं जनसंघ पार्टी पर ब्लेम नहीं लगाता और न ही जनसंघ पार्टी ने बा–हैसियत जनसंघ तोड़फोड़ करवाई हैं। इनमें वे ही लोग सब से ज्यादा हैं जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य हैं। यह कहा जा रहा हैं कि सरकार ने गोली चलाई और लोगों को मारा। डिप्टी स्पीकर महोदया, सरकार ने लोगों को मारा नहीं, सरकार ने ला–एंड–आर्डर कायम रखने के लिए अपनी ड्यूटी को पूरा किया हैं। जितनी फोर्स इस्तेमाल करना जरूरी समझा गया उतनी ही फोर्स इस्तेमाल की हैं उससे ज्यादा नहीं। मै अर्ज करूं

कि डा0 मंगल सैन और चौधरी मुख्तियार सिंह ने लाबी में मेरे साथ यह बात मानी है कि सरकार ने बहुत संयम से काम लिया हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जनसंघ पार्टी का जो रोल रहा हैं वह इतना खराब राह हैं कि प्रांत का कोई आदमी सोच भी नहीं सकता। अब बड़ी मेहनत से केस प्लीड करने के बावजूद भी केन्द्रीय सरकार ने यह फैसला किया कि फाजिल्का का इलाका हरियाणा प्रांत को और चण्डीगढ़ का इलाका पंजाब को दे दिया जाये। हम ये बात आज भी मानते हैं कि चंडीगढ़ हिन्दी स्पीकिंग ऐरिया हैं लेकिन देश के इन्ट्रैस्ट मैं हम केन्द्रीय सरकार के फैसले को मान लें। आज हमारे जनसंघ के कुछ भाई तथा रा वीरेन्द्र सिंह यह कहते हैं कि कांग्रेस सरकार ने चंडीगढ़ खो दिया तो मैं कहता हूं कि कांग्रेस सरकार ने चंडीगढ़ के 6–7 गांव लिए हैं। रेलवे स्टेशन लिया हैं और सब से बड़ी बात यह हैं कि फाजिल्का मिला हैं जोकि बहुत उपजाऊ भूमि हैं। मैं अपोजीशन वालों से पूछता हूं कि इनकी क्या अचीवमैंट हैं, इन्होनें चंडीगढ़ के बारे में क्या किया? इस प्रश्न पर कितने इस्तीफा दिया। जब खरड़ तहसील पंजाब को दी जा रही थी उस समय इन्होंनें क्या किया?

क्या इस सदन के किसी मेम्बर ने या हरियाणा प्रांत की जनता ने कभी किसी अपोजीशन के एम0 एल 0 ए0 या किसी एम0 पी0 की तरफ से रिजेंटमैंट होते देखा हैं? उन्होंनें नाम भी नहीं लिया। क्यों नहीं लिया? इसलिए नहीं लिया क्योकि उन दिनों मुख्यमत्री भगवत दयाल जी, हरियाणा प्रदेश कंग्रेस कमेटी के

प्रधान भी थे और लीडर आफ दी हाउस भी थे। जब पहली बार नवम्बर 1966 को चंडीगढ़ का चार्ज यूनियन टेरीटरी के अधिकरी ले रहे थे और पंडित भगवत दयाल जी मुख्य मंत्री पद की हल्फ ले रहे थे। तो कसूर उनका हैं या आज की सरकार का? फाजिल्का का इलाका एक बहुत अच्छा इलाका हैं। बड़ी अच्छी वहां पर फसल होती हैं, बड़ी अच्छी वहां पैदावर होती हैं, हिन्दी स्पीकिंग इलाका हैं, केन्द्रीय सरकार ने वह हमें दिया और इसके लिये मैं प्रधानमंत्री को बधाई देता हूं और हम इस सदन को और हरियाणा प्रान्त की जनता को प्रार्थना करूगां कि नेशनल इन्ट्रैस्ट में हमें यह फैसला जो भारत सरकार ने किया हैं, मान लेना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसके साथा–साथ चंडीगढ़ के फैसल के बाद हमारे प्रांत में एक उबाल लिया। एक ऐसी लहर आयी जिससे कि बहुत सी जगह डिब्बों को जलाया, रेल के स्टेशन जलाये, कारखाने जलाने की कोशिश की, बहुत नुकसान किया और उससे भी नुकसान करने की कोशिश की । तो सरकार के पास इसके अलावा और कोई चारा नहीं था कि ला एन्ड आर्डर को कायम रखें। मैं मानता हूं कि प्रान्त की जनता की चंडीगढ़ के लिए बहुत गहरी भवनाए थी और वह चाहती थी कि चंडीगढ़ हरियाणा को मिले। लेकिन अपने ख्यालात का इजहार करने के लिये पीसपुल प्रदर्शन किये जा सकते थे, मीटिंगज की जा सकती थी जलूस निकाले जा सकते थे, डीमानस्ट्रेशन किये जा सकते थे। अपने ख्यालत का इजहार करने का यह तरीका तो नहीं कि जैसे इन्होंनें आग लगा दी, गाडियां जला दी इंजन जला दिये, स्टेशन

जला दिये, बसें जला दी और डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपने पढ़ा होगा अखबारों में कि हमारे राज्यपाल महोदय कि गाड़ी को डैमेज किया गया, उसे बरबाद किया गया। उनकी गाड़ी रोककर सामान लूट लिया गया? क्या कोई भी शासन इस किस्म की बात बर्दाश्त कर सकता हैं? कोई नहीं कर सकता । मैं हरियाणा सरकार के उन अधिकारियों को जो ला एन्ड आर्डर को कायम रखने में लगे हुए थे, उन सब का अभारी हूं उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंनें बड़े संयम से काम लिया और कम से कम फोर्स इस्तेमाल की और कम से कम गोलियां या लाठीचार्ज किया या टीयर गैस का इस्तेमाल किया। सिर्फ वहीं इन बातों का प्रयोग किया गया जहां बहुत जरूरी था और इसके लिए मैं भारत सरकार का भी बहुत मशकूर हूं कि उन्होंनें इस मौंके पर सैन्ट्रल रिजर्व पुलिस, बी0 एस0 पी0 और आर्मी के फ्लैग माच्र कराके हमारी सहायता की। इसके लिए मैं आर्मी, बी0 एस0 पीण और सी0 आर0 पी0 का भी बहुत शुक्रगुजार हूं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अपोजीशन के सदस्यों ने बातें बहुत कहीं। इस मौजदा सरकार के आने के बाद हमारे प्रांत ने कितनी तेजी से डिवैल्पमैंट का काम किया हैं इस बात का भुलाया नहीं जा सकता। हरियाणा प्रान्त की जनता इस बात को मानती हैं और हरियाणा प्रान्त की जनता इस बात को तसलीम करती हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछले दिनो हरियाणा में एक भंयकर अकाल पड़ा। भिवानी तहसील महेन्द्र गढ़ जिले और गुडगांवों

जिले के हिस्से उसका शिकार हुए। झज्जर तहसील, हिसार तहसील का कुछ हिस्सा उसमें आ गया। उसमें हमने लोगों को काम दिया, सड़के बनवायी, लोगों को दूसरा काम दिये, जौहाड़ खुदवाये और उसके लिए नहरें खुदवायी। जितना काम लोगों को हम दे सकते थे, दिया हैं। डिप्टी स्पीकर साहिब, अगर मैं ये कहूं कि पिछले 22 सालों में किसी भी शासन काल में जनता को इतना रिलीफ दुर्भिक्ष के समय नहीं मिला, जितना इस बार मिला तो यह गलत नहीं होगा। इसी तरह डिप्टी स्पीकर साहिबा, अकाल की स्थिति जो हमारे प्रान्त में हुई हैं, उसमें हमें बड़ा नुकसान हुआ हैं। उससे छुटकारा पाने के लिये हमने पिछले दिनों एक कैनाल का काम शुरू किया, जो साढ़े तीन करोंड़ रूपये की लागत से बनेगी और 80 हजार एकड़ भूमि को पानी देगी। काम बड़ी तेजी से चालू हैं। कुछ भाइयों ने कहा कि सारा पैसा भिवानी में लग रहा हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं यह बात कहनें में कोई हिचक महसूस नहीं करता कि भिवानी पैसा खर्च हो रहा। पिछले करीब 22–23 साल में भिवानी में कोई पैसा खर्च नही हुआ, वहां कोई पैसा खर्च नहीं किया गया, कोई डिवैल्पमैंट का काम नहीं। तो आज अगर हम वहां पर पैसा खर्च करते हैं तो कोई गलत काम नहीं कर रहे। लोगों की तो अच्छी हालत हो, अनाज पैदा हो उसके लिए अगर हम ऐसा काम करते हैं तो कोई अन्याय नहीं करते। इसी तरह गुडगांवां में सोहना लिफ्ट स्कीम पर हम बहुत जल्दी ही काम शुरू करने वाले हैं। सोहना लिफ्ट स्कीम पर कितना रूपया खर्च होगा, तो मैं सही आकंड़े नहीं बता सकता

क्योंकि मुझे याद नहीं, मगर मेरा ख्याल हैं कि उसमें करीब 5½ करोड़ रूपया खर्च होगा। उससे हम बहुत जमीन को पानी दे सकेंगे। इसी तरह डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछले कई सालों से वैस्टरन यमुना कैनाल की न तो कभी डीसिल्टिंग हुई, न उसके कभी किनारे रेज हुए न उसकी कभी सफाई हुई और न उसको अच्छी तरह से मेनटेन किया गया। इस बार सरकार ने डिसीजन लिया हैं कि 28 फरवरी तक पूरी वैस्टर्न यमुना कैनाल में जो कुछ भी करना पड़े डी–सिल्टिंग करनी पडें किनारे रेज करने पड़े, एलाइनमैंट बदलना पड़े या जो कुछ करना पड़े, उसको कम्पलीट कर दिया जायेगा। हो सकता हैं कि हम यह काम 28 फरवरी तक पूरा न कर सकें और एक महीना ज्यादा लग जाये मगर काम अभी भी बहुत तेजी से उस पर चालू हैं। कल मुझे भाई एतराज कर रहे थे कि अनएम्पालयमैंट बहुत हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमने यह भी कहा था कि हमें उस नहर पर काम करने के लिये मजदूर नहीं मिलते। तो वैस्टरन यमुना कैनाल पर यह काम हो जाने से पानी की सप्लाई में मेरा ख्याल हैं, 10–5 परसैंट यमुना कैनाल पर यह काम हो जाने से पानी की सप्लाई में मेरा ख्याल हैं, 10–5 परसैंट फर्क पड़ जायेगा। इसी तरह डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमने लीडर आफ दी अपोजीशन राव वीरेन्द्र सिंह की कंन्स्टीच्यूएन्सी में बोर करवाये हैं और ट्यूबवैल्ज लगा रहे हैं। आज भी हमारे आदमी वहां पर काम कर रहे हैं।

उपाध्यक्षाः सरकार खुद ट्यूबवैल लगा रही हैं या कर्जा देकर लगा रही हैं?

श्री बंसी लालः डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसी तरह से चालू साल में पहली अप्रैल, से 31 मार्च तक हम 22 हजार ट्यूबवैल्ज को बिजली कनैक्शन दे चूके हैं इसके इलावा बीबीपुर लेक जो करनाल जिले में हैं, उसके लिए हमने एक करोड़ पांच लाख रूपये की स्कीम बनायी हैं। वह एक बहुत सस्ते पानी की स्कीम होगी। हम उसे बहुत जल्दी इम्पलीमैन्ट करना चाहते हैं लेकिन लोगों की तरफ से कुछ रिजैन्टमैंट हैं, हम उनको सुनना चाहते हैं। जैस ही हम उन्हें सन्तुष्ट कर पायेंगे इस स्कीम को भी हम बहुत जल्दी पूरा कर कामयाब होंगे।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसी तरह से प्रान्त में हर साल फ्लड आते हैं और उस से बहुत नुक्सार होता हैं, इस साल भी फ्लड से गुडगांवां में काफी नुक्सान हुआ। तो फ्लड की रोकथाम के लिय डिस्ट्रिक्ट में एक नाला हैं, उसके ऊपर 20 लाख रूपये के खर्चे से एक और बांध बनाया जा रहा हैं और उसके ऊपर दो तीन बांध बनाएगें ताकि आने वाले जमाने में गुडगांव जिले में बाढ़ की तरफ कोई तकलीफ न हो। इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस तरह के कई और नाले हैं इन सबको को हमने गहरा किया हैं। रोहतक, करनाल और जीन्द जिलों में हमने बांध बांधने की भरसक कोशिश की, और हम बहुत हद तक उसमें कामयाब भी हुए हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हांसी में भी बाढ़ की कोई तकलीफ

नहीं रहने देंगे क्योंकि फ्लड से यमुना नदी के किनारे हर साल नुक्सान होता हैं। वहां भी हमने काफी सुधार किये हैं, और इस साल गांव के लोगों ने बहुत रिलीफ महसूस किया हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं आपका ध्यान इलैक्ट्रीफिकेशन की तरफ ले जाऊंगा, जैसा मैंने कहा कि इस साल हमने 22 हजार ट्यूबवैल को कुनैक्शन दिया हैं यानी 31 मार्च तक हम 22 हजार ट्यूबवैल पूरे कर देंगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछले 31 मार्च, 1966 को हमारे प्रान्त के सिर्फ 1251 गांवों को इलैक्ट्रीफाई किया गया था, अब हमने 1600 गांवो को 31 मार्च तक इलैक्ट्रीफाई कर देंगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जब राव विरेन्द्र सिह जी की सरकार थी, जो जनसंघ के सदस्य डा0 मंगल सैन जी सरपरस्ती से चल रही थी, उस समय एक भी गांव में बिजली नहीं थी या एक भी गांव उन्होंनें इलैक्ट्रीफाई नहीं किया था। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपकी खिदमत में यह अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे प्रान्त की जो बिजली की टोटल कन्जम्पशन हुई हैं, उस में से 40 परसैंट ऐग्रीकल्चर के परपज के लिये खर्च हुआ। जो कि कन्ट्री में हाईऐस्ट परसैन्टज हैं। हमने इस समय 5 सब–स्टेशन 132 के बनाए हैं, 5 सब स्टेशन 66 के0 वी0 के बनाए हैं और 24 सब–स्टेशन 33 के0 वी0 के बनाये हैं। पूरे प्लान के पीरियड के लिए 97 सबस्टेशन बनायें। फोरथ फाईव इयर प्लान में 93 सब–स्टेशन कम्पलीट हो चुके है और अभी प्लान के पहले तीन साल बाकी हैं

डिप्टी स्पीकर साहिबा, बिजली को हमारी जो दूसरी अचीवमैंट हुई हैं, उनकी तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि चौथी पंचवर्षीय योजना में हमारा 2853 किलोमीटर लाईन डालने का टारगेट था और अब से पहले 2973 किलोमीटर लाईन बिछ चुकी हैं और निश्चित टारगैट पूरा कर इससे आगे आ चुके हैं। करीब इस से डबल यानी 40,641 किलोमीटर लाइन की डिस्ट्रीव्यूशन हम कर चुके हैं। Total number of consumers to be bonifited from elecirfication in Forth Five Year Plan. इस से 4,04500 आदमियों को लाभ पहुंचना था, और उस वक्त 459590 आदमियों को फायदा दिया जा चुका हैं। चौथी प्लान का टारगैट भी पूरा कर चूके हैं, और तीन साल अभी बाकी हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस तरह से पब्लिक हैल्थ की तरफ हम देंखे तो 60 देहात के गांव को पीने का पानी दिया जा चुाक हैं।

उपाध्यक्षाः चौधरी साहब गांव में पीने का पानी तो दिया, क्या अम्बाला शहर के लिये भी कोई स्कीम हैं?

श्री बंसी लालः डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब क्या कहूं 24 गांवों का हम 31 मार्च तक पानी दे देंगे और इस तरह से 84 गांवों को पानी दिया जायेगा। और 31 मार्च तक ही 4 शहरों को भी पानी दे दिया जाएगा।

उपाध्यक्षाः चौधरी साहब, इन शहरों में कौन से शहर शामिल हैं (व्यवधान)

श्री बंसी लालः यह सूचना मेरे पास अभी तो नहीं हैं, मैं आगे आपको बताऊंगा तो डिप्टी स्पीकर साहिबा , अब डिवैल्पमैंट की तरफ चलता हूं, जो बहुत अहम काम होता हैं। मैं सड़को के काम की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। हमारे प्रान्त में सड़कें बनने के लिए जो रूपया हिस्से आता था उनसे ढाई सौ किलौमीटर से ज्यादा सड़के नहीं बनती थी पिछले साल हमने साढ़े तीन सौ किलोमीटर सड़के बनाई हैं। और इस चालू साल में 31 मार्च तक 800 किलोमीटर से ज्यादा सड़के होगी। अगले साल डिप्टी स्पीकर साहिबा, 1200 किलोमीटर तक सड़के बनेंगी। और इस तरह 68–70 में एक सौ किलोमीटर पर काम शुरू हुआ और अगले साल 70–71 में 460 किलोमीटर पर काम शुरू करेंगे।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, ऐजुकेशन की तरफ मैं आप का ध्यान दिलाना चाहता हूं। हमने एजुकेशन के अन्दर सुधार करने की कोशिश की। डिप्टी स्पीकर साहिबा, खान साहब ने फरमाया, गलतियां आदमियों से होती हैं, गल्तियों हम से भी होती हैं हम ने एजुकेशन में सुधार करने की बहुत कोशिश की , परन्तु हम पूरी तरह से उसमें सुधार नहीं कर सकें मैं इस बात से इन्कार नहीं करता। चालू साल में हमने पूरी तरह से उस में सुधार नहीं कर सकें मैं इस बात से इन्कार नहीं करता। चालू साल में हमने 152 स्कूल अपग्रेड किये हैं, प्राइमरी से मिडल या मिडल से हाई। तो डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह आम शिकायत थी कि बच्चे नकल करके पास होते हैं, उस से क्या होता हैं कि तालीम का स्टैंडर्ड

बहुत नीचा जाता हैं, हमने उसको ऊंचा करने की कोशिश की हैं। एक तो इस साल हमने सैन्टर कम किये और उनकी देखभाल ज्यादा की। पहले ऐसे होता था कि सेन्टर ज्यादा होते थे परिणाम स्वरूप उन की देखभाल अच्छी नहीं होती थी बच्चे नकल मारकर पास हो जाते थे। इस बार हम नकल करने की टैडैंसी को चैक करने जा रहे है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, चालू साल में ऐनअल प्लान आऊट–ले के लिये हमने 26 करोड़ रूपया रखा हैं लेकिन फाइनेंस कमिश्न कि रिपोर्ट से हमें कुछ और रूपया मिलेगा तो यह बढ़कर 34 करोड़ 46 लाख रूपया हो जायेगा और अगले साल के लिए आऊट–ले 46 करोड़ 50 रूपया होगी। डिप्टी स्पीकर साहिबा ऐग्रीकल्चार की तरफ अगर हाई यील्डिंग वरायटी के प्रोग्राम को देखें जिस में 8 लाख एकड़ जमीन पैदा की गई थी तो अब 13–40 जमीन में की गई हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, फर्टीलाईजर की कंजम्पशन पिछले साल 2.38 लाख टन हुई थी तो इस चालू साल में करीब 3 लाख टन होगी।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे प्रान्त में इम्पोटिड ट्रैक्टरों की बहुत कमी रही हैं पिछले साल सिर्फ 265 ट्रैक्टर डिस्ट्रीब्यूट किये गये थे तो इस साल एग्रो–इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन द्वारा 775 इम्पोटिड ट्रैक्टर डिस्ट्रब्यूट किये जा रहे हैं। और इस तरह डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस साल हम अपने प्रान्त की अलग एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बनाने मे कामीयाब हुए हैं हरियाणा में एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बन चूकी हैं, उसके लिए हरियाणा सरकार ने 5 करोड़

रूपये का प्रोवीजर किया हैं। अगले साल में वह फुलफ्लेज्ड यूनिवर्सिट हो जाएगी।

अब मैं इंडस्ट्रीज की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं। पिछले साल हमने 26 ऐप्लीकेशन्ज रिकमैंड की थी इंडस्ट्रियलिस्ट्स की इस साल 434 ऐप्लीकेशन्ज रिकमैंड की हैं। हमने इंडस्ट्रीज लगाने वालों को काफी सहूलियतें दी हैं जैसे सेल्स टैक्स माफ करना, जमीन सस्ती देना और मटीरियल लाने की फैसिलिटी देना आदि। और आप देखेंगे अगले सालों में हमारे प्रान्तों में बहुत अच्छी इंडस्ट्रीज लग जांएगी। ऐक्सपोर्ट में भी 67–68 से 68–69 में काफी इजाफा हुआ और 6 करोड़ और 44 लाख का माल भेजा गया । आगे और भी ज्यादा ऐक्सपोर्ट ट्रेड बढ़ जाएगी।

कुछ भाइयों ने हरिजनों के सुधार की चर्चा की। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं जानता हूं कि हरिजन सुधार में हम इतनी तेजी से नहीं बढे जितनी तेजी स हमें चलना चाहिए। यह तो मैं तस्लीम करता हूं मगर पिछली सरकारों से तो हम बहुत तेज से चले हैं। हमने हरिजनों कौ जमीने भी ज्यादा दी और दूसरी रियायतें भी ज्यादा दी हैं; इस वर्ष हम हरिजना फाईनेशल डिवैलपमैंट कारपोरेशन 1 करोड़ कल लागत फौर्म कर रहे हैं। इस कार्य की अहमियत मौजूदा सरकार ने जितनी समझी हैं उतनी पहले कभी नहीं समझी गई। पहले यह महकमा एक एच0 सी0 एस0 अफसर के मातहत होता था मगर हमने इस महकमें का एक

आइ0 ए0 एस0 अफसर लगाया हैं और उसको बाकायदा स्टाफ भी दिया हैं। जहां तक हरिजनों के लिए रिजर्वेशन का सवाल हैं या बैकवर्ड या मिलिट्री परसौनेल का ताल्लुक हैं, मैं इस बात के लिए अहमियत देता हूं । मैं एक मिसाल देना चाहता हूं कि जब कभी कोई वेकैंसी होती हैं तो उसे भरने के लिए पाबन्दी होती हैं और उसमें यह किया हुआ हैं कि अगर कोई वैंकेंसी हो जाए तो उसे फिल अप करने के लिए पहले चीफ मिनिस्टर से पूछा जाए लेकिन हमने यह फैसला किया हुआ हैं कि जितनी हरिजनों, बैकवर्ड क्लासिज या फौजियों की रिर्जव वैंकेसिज हैं उनको बगैर चीफ मिनिस्टर के पूछे फिल अप कर दिया जाए। बाकीयों के लिए पूछा जाए। हम डिप्टी स्पीकर साहिबा, पीरियडीकली रिव्यू करते हैं.....

उपाध्यक्षाः आप क्या हाउस को ऐक्सटैंड करवाएंगे।

श्री बंसी लालः देख लेंगे। तो डिप्टी स्पीकर साहिबा हाउस को यह ज्ञात होना चाहिए कि सर्विसिज में जितनी हरिजनों को रिजर्वेशन होती हैं उनती भर्ती की जाती हैं। अभी एक सदस्य ने कहा कि हरिजनों को कोई इम्पाटैंट पोस्ट नहीं दी जाती तो मैं बताना चाहता हूं कि एक लेबर कमिश्नर हरिजन हैं, ऐग्रो–इंडस्ट्रियल कारपोरेशन का मैनेजिंग डाइरैक्टर हरिजन हैं, पंचायतों को डाइरैक्टर हरिजन हैं, बी0 एंड आर0 का डिप्टी सैक्रटरी एक हरिजन हैं और ए0 आए0 जी0 ज्वाइंट डाइरैक्टर और सैक्रेटरी, एग्रीकल्चर मार्केटिग कोआपरेटिव बोर्ड, एस0 पी0 ट्रेफिक आदि कई और पोस्टें हैं जो अहमियत रखती हैं उन सब पर

हरिजन लगे हुए हैं। मैं अपोजीशन के उन भाइयों से पूछता हूं जो यह सवाल उठाते हैं कि हरिजनों को कोई महत्वपूर्ण पोस्ट नही दीं, जब वह सरकार में होते थे तो क्या वह एक चौथाई हिस्सा भी हरिजनों की रिजर्वेशन को लगवा पाते थे? नहीं। और आज हमें इस तरह की बातें कहते हैं।

इसी तरह एक भाई ने कहा कि चीफ मिनिस्टर तो जाट अफसरों को मारने पर लगा हुआ हैं या उन्हें विकेटमाइज करने पर लगा हुआ हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरी इंसाफ पंसन्दी का और क्या नमूना हो सकता हैं कि चाहे कोई जाट हो, हरिजन हो, ब्राह्मण हो, या कोई भी हो जो गलत काम करेगा उसे सजा मिलेगी किसी प्रोटैक्शन नहीं मिलती। तो डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं सदन को यह याद दिलाना चाहूंगा कि सरकार का हर जायज काम मैंरिट्स पर होता हैं।

एक मानयोग सदस्य की ओर से कहा गया कि चीफ मिनिस्टर साहब के खिलाफ बहुत ज्यादा रिंटे हैं और स्ट्रिक्चर पास हुए हैं। यह मैं मानता हूं कि रिट्स तो हुई लेकिन रिट दायर करने के लिए अपोजीशन की तरफ से एक बाकायदा तहरीक थी इसलिए रिटें दायर करवाई गई। जहां तक रिटों के फैसले का ताल्लुक हैं वह बात मैं सदन में नही कहना चाहता क्योंकि जो केसिज सबजुडिस हैं उनका जिक्र हाउस में नही होना चाहिए।

EXTENSION OF TIME

उपाध्यक्षा: हाउस का टाइम 15 मिनट के लिये बढ़ाया जाए, क्या सब ऐग्री करते हैं?

एक साथ आवाजें : हां बढ़ दिया जाए

सिटिंग 15 मिनट के लिए बढ़ाई जाती हैं

RESUMPTION OF DISCUSSION ON THE GOVERNOR'S ADDRESS

श्री बंसी लाल: यह इल्जाम सरकार पर लगाया गया कि दिल्ली रैली में लोगों को भेजने के लिए सरकार ने अपनी ट्रांस्पोर्ट की फैसिलिटीज ऐक्सटैंड कीं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जनता अपने आप दिल्ली गई । सरकार उस रैली से कोई वास्ता नहीं था।

श्री जयसवाल जी ने भी एक बात कहीं कि सरकार उनके साथ कोई ज्यादती नहीं करती। रही है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरकार किसी के साथ कोई ज्यादती नहीं करती। कानून कायदे के मुताबिक जो उनको मौलसिज मिलना चाहिएं वह जरूर मिलेगी होंगी। मेरे पास डिटेल्ज तो नहीं हैं। मैं यह बात ज्यादा जानता हूं। फाइनेंस मिनिस्टर साहिबा, बजट के वक्त क्लेरिफाइ करेंगी। मगर इतना जरूर जानता हूं कि सरकार का कोई इरादा नहीं हैं कि उनकी डिस्टलरी के साथ कोई ज्यादती की जाए। सरकार का जहां तक ताल्लुक हैं वह हर इंडस्ट्रियलिस्ट के साथ पूरी तरह से इंसाफ करेगी और श्री जयसवाल के साथ भी पूरा इंसाफ किया जाएगा इन्होंनें कहा **(7.00 P.M.)** की मौलसिज ब्लैक

मारकिट में बेचे जाते हैं लेकिन यह बात बिल्कुल गलत और निराधार हैं। हमारी स्टेट में कोई मौलसिज ब्लैक मारकिट में नहीं बेचे जाते और आज तक इस बात की शिकायत मेरे नोटिस में नहीं आई, यह पहली बार श्री जयसवाल से ही सदन में सुना गया हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसी तरह और भी बहुत सी बातें अपोजीशन के मैंबरों ने सदन में कहीं। इनके पास कोई ठोस बातें करने को नहीं थी मासवाए नुक्ताचीनी करने के और वह भी बेबुनियाद। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जितना सरकार का हाथ होना चाहिए स्टेट को ऊपर उठाने के लिए अपोजीशन को रोल भी उतना ही इम्पाटेंट होता हैं, मगर अपोजीशन का रोल यह नहीं होता कि राज्यपाल भाषण देने लगे या सरकार की तरफ से जवाब आने लगे तो वे बाहर उठकर चले जाएं। उनको चाहिए था कि वे अपने फर्ज पूरा करते, ठीक ढंग से नुक्ताचीनी करते और साथ में सुझाव देते कि यह हल हो सकता हैं लेकिन ऐसा करने की बजाए इन्होनें केवल व्यक्तिगत कीचड़ उछालने की कोशिश की। एक मांग यह भी की गई कि जुडिश्यल इन्क्वायरी की जाए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, अगर सरकार यह समझती हैं कि किसी किस्म की फोर्स इस्तेमाल करने में कोई एक्सैस हुई हैं, कहीं गलत लाठी चार्ज हुआ हो या नाजायज गोली चलाई गई तो सरकार इस बात से पूरी तौर पर सैटिस्फाइड हैं कि अथारिटीज जो हमारे सूबें में ला एंड आर्डर को कायम रखने में लगी हुई हैं उन में से किसी ने जरूरत से ज्यादा फोर्स का इस्तेमाल नही किया। इसलिये कोई जुडिश्यल इन्क्वायरी नहीं करवाई जा सकती। डिप्टी स्पीकर

साहिबा, कोई 85 के करीब हमारे आफिसर्ज हैं जिन में कि डी0 एस0 पीज0, एस0 डी0 ओज0, और थानेदार हैं जो कि जख्मी हुए जिन को सिरों पर लाठियां खानी पड़ी, उस वक्त तक भी गोली नहीं चलाई गई, लेकिन अगर कोई आदमी उनको मारने पर उतर आए तो सैल्फ डिफैंस में गोली चलानी ही पड़ती हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं? उस के लिए जिम्मेदार वह आदमी हैं जो आज उनकी ज्यादा वकालत करते है। डिप्टी स्पीकर साहिबा जब चण्डगढ़ का फैसला देहली मैं हो रहा था उस वक्त यह जितने भी अपोजीशन के लीडर हैं वे स्टेट में आग भड़काने मैं लगे हुए थे। वे न देहली जा कर किसी को मिले और न ही इन्होंनें कोई कोशिश की । जनसंघ पार्टी यहां बड़े जोर से नारा लगाती हैं कि चण्डीगढ़ हमारा हैं, मैं कहना नही चाहता था लेकिन अगर न कहा जाय तो बात अधेंरें में रह जाएगी। जनसंघ के प्रधान श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेरे मित्र हैं। जब अपोजीशन के लीडरों से मिलने के लिए और उनको यह बताने के लिए, हमारा केस सही हैं, मैं वहां गया तो मैं श्री वाजपेयी से भी मिला। उन्होंनें मुझ को एक बात कही थी और मैं दाद देता हूं उनको जिन्होंनें मेरे मुंह पर सच्ची बात कही। उन्होंनैं मुझ को कहा कि आज तुम मेरे पास आ गए हो लेकिन आप का केस तो उसी दिन कमजोर हो गया था जिस दिन शाह कमिशन की रिर्पोट मानकर खरड़ तहसील पंजाब को दे दिया गया था और चंडीगढ़ यूनियन टैरटरी बना दिया था तो मैं अपने भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंनें अपनी पार्टी को सर्पोट देने के लिए मनाया? इस के इलावा इन की पार्टी

के जनरल सेक्रेटरी हैं श्री यज्ञ दत्त शर्मा। शायद उनके लैटर की कापी भी मेंरे जेब में हो। प्रधानमंत्री को एक लैटर उनकी ओर से लिखा गया था जिस पर पार्लियामेन्ट के कई मेम्बरों ने दस्तखत थे जिस में यह कहा गया था कि चंडीगढ़ पंजाब को दिया जाए। उनमें श्री यज्ञ दत्त शर्मा एक सिगनेटरी थे। इस के इलावा कांग्रेसव आर्गेनाइजेशन के नेता श्री राम सुभाग सिंह ने भी स्टेटमैंट दिया था कि संत फतेह की जान बचाई जाए उन्होंनें रिर्पोट दी। डिप्टी स्पीकर साहिबा, जैसे मैंने पहले भी अर्ज कि कि यह सरकार चण्डीगढ़ यूनियन टैरीटरी के कुछ गांव लेने में और फाजिल्का के 106 गांव लेने में कामीयाब हुई तो उन से हमारा स्कोर अच्छा हैं। यह जनसंघ के भाई जो इस वक्त शोर करते है वे उस वक्त कम्युनिस्टों के साथ चंडीगढ़ के इशु पर एक थे। इसलिए मैं समझता हूं कि इन्होंनें बहुत सी बेबुनियाद और निराधार बातें कही। इस के इलावा एक अकाली मैंबर ने कहा कि हरियाणा सरकार ने गुरूद्वारा की बेइज्जती करवाई हैं, मैं कहता हूं कि यह बात बिल्कूल गलत हैं, हम गुरूद्वारों की उतनी ही इज्जत करते हैं जितनी की मन्दिर, मस्जिद या गिर्ज की, क्योंकि भगवान एक हैं और उसके खिलाफ किसी का भी झगड़ा नहीं हो सकता। सरकार ने न गुरूद्वारों की बेइज्जती करवाई हैं और नही गुरूद्वारों की बेइज्जती होने देगी। हर गुरूद्वारा की फुल प्रोटैक्शन की जाएगी और मैं यह बताना चाहता हूं कि जिन गुरूद्वारों का नुकसान हुआ हैं वह सरकार पूरा किया हैं। एक सदस्य ने यह बात कही कि पंजाबी बोलने वाले इलाके कुछ हरियाणा में हैं जहां

पर लोगों के झूठे अगूठे लगवाए गए कि यह इलाका हरियाणा में रहना चाहिए। यह बात गलत हैं हमारे सूबे में किसी के साथ भी यह ज्यादती नही हुई हर आदमी को खुली छुट हैं कि वह अपने बात खुले तौर से कह सकें। गुरूद्वारों वाली बात किसी पुलीटीकल मोटिव को लेकर कही गई हैं। इसमें सदकाम कोई नही हैं। जहां तक सिखों का सवाल हैं डिप्टी स्पीकर साहिबा सिख और हिन्दु मैं दो नही मानता। चाहे हिन्दु हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई हो, पारसी हो, जैनी हो या बुद्ध हो, किसी में कोई फर्क नहीं हैं सब एक हैं। मैं हरियाणा की जनता को इस बात की बधाई देता हूं कि इतना झगड़ा हो जाने के बाद किसी झगड़े ने कम्युनल शेष नहीं ली (सरकारी बैचों की तरह प्रशंसा) में इस बात के लिये हरियाणा की जनता को भी बधाई देता हूं । डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं कुछ और कहना चाहता था लेकिन अब टाइम हो गया हैं इसलिये इन शब्दों के साथ मैं सदन से प्रार्थना करूंगा कि राज्यपाल महोदया को उनके ऐड्रैस के लिये थैंकस दिया जाये।

(प्रशंसा)

Deputy Speaker: Now, I will put the amendments and the main motion to the vote of the House. The first amendments stand in the name of Rao Birender Singh.

Question is

That at the end of motion, the following be added, namely, -

"But regret that no mention has been made of the brutal police firing resulting in the death of dozens of Haryana including small children of the need for judicial inquiry in the matter."

The motion was lost.

Deputy Speaker: Now, I will put the following be added, namely,

"but regret that the Government after having to represent the sentiments of the public resorted to firing by Military, Border Security Force and Central Reserve Police without any reason on the unmared persons wihout any reason. Moreover, it has played with the sentiment of the public by resorting to lathi charge and tear gas in the peaceful meeting which was being held at Sonepat yesterday on 15th February] 1970 to felicater Chh Rizaq Ram, Ex M.P. and by arrestion him."

The motion was lost.

Deputy Speaker: Now I will put the main motion before the House.

Question is –

That an address be presented to the Government in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 13th February] 1970"

The motion was carried.

Deputy Speaker: The House stands adjourned till 2.00 P.M. tomorrow.

(7.12 P.M)

The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Thursday, the 19th February] 1970.